हर खबर पर पैनी नजर
नई सोच एक्सप्रेस
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

पेज : 12

तो सचिन-विराट को भी पीछे छोड़ देंगे वैभव ...

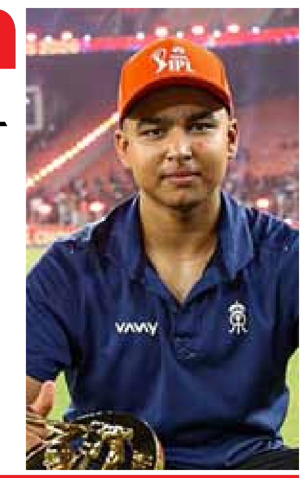

www.naisochlive.com | पटना, सोमवार, 15 जून 2026, वर्ष- 09, अंक- 111, पृष्ठ-12, मूल्य - 3:00 | naisochexpress@gmail.com

भारतीय प्रतिभा और यूरोपीय पूंजी के बीच 'भारत इनोवेट्स' सेतु का कार्य करेगा : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

फ्रांस के नीस शहर में आयोजित 'भारत इनोवेट्स' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत और फ्रांस की रणनीतिक साझेदारी को साझा दृष्टि, नवाचार और प्रेरणा पर आधारित बताया। उन्होंने कहा कि यह मंच भारत की प्रतिभा और यूरोपीय पूंजी के बीच सेतु का कार्य करेगा तथा भारतीय नवाचारों को वैश्विक मंच तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने 'भारत इनोवेट्स' कार्यक्रम का फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। कार्यक्रम से पहले प्रधानमंत्री ने प्रमुख निवेशकों और वेंचर कैपिटल प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया के देश व्यापार और रणनीतिक साझेदारियां करते हैं लेकिन कुछ संबंध केवल साझा हितों तक सीमित नहीं होते। उन्होंने भारत और फ्रांस के संबंधों को ऐसे ही रिश्ते का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि यह साझा दृष्टि और आपसी विश्वास पर आधारित है। इस संबंध में जुड़ाव, दृढ़ विश्वास, नवाचार, प्रेरणा, साझा मूल्य और साझा दृष्टिकोण सभी शामिल हैं। इसी

आधार पर दोनों देशों ने हाल के वर्षों में कई नई पहलों की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि 'भारत इनोवेट्स' उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह मंच भारत की प्रतिभा और यूरोपीय पूंजी के बीच पुल का काम कर रहा है। इसके माध्यम से भारतीय युवाओं को यूरोपीय विशेषज्ञता से जुड़ने और अपने विचारों को आगे बढ़ाने का अवसर मिल रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 21वीं सदी का भारत बड़े परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और देश में स्टार्टअप क्रांति देखने को मिल रही है। उन्होंने कहा कि भारत का युवा नया दृष्टिकोण लेकर मानवता की समस्याओं के समाधान खोज रहा है। 'भारत इनोवेट्स' ऐसे ही विश्वस्तरीय समाधानों को वैश्विक मंच तक पहुंचाने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि आज भारत केवल समाधान का उपभोक्ता नहीं है बल्कि समाधान प्रदान करने वाले देश के रूप में उभर रहा है। देश प्रौद्योगिकी प्रदाता की भूमिका में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने उपस्थित युवा उद्यमियों की सराहना करते हुए कहा कि उनमें आत्मविश्वास और ऊर्जा से भरे नए भारत की झलक दिखाई देती है।

कुछ उद्यमी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से ग्रामीण भारत के जीवन में बदलाव ला रहे हैं, जबकि कुछ उपग्रह तकनीक का उपयोग किसानों की सहायता के लिए कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का लक्ष्य मानवता की सेवा करने वाली तकनीक विकसित करना है।

पीएम मोदी का फ्रांस में भारतीय समुदाय ने किया स्वागत

नीस। पीएम मोदी रविवार दोपहर में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। साथ ही भारत इनोवेट्स कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दोनों देशों के बीच टेक्नोलॉजी, इनोवेशन, हेल्थ टेक, मेडिकल टेक्नोलॉजी, एआई, सेमीकंडक्टर और स्पेस टेक्नोलॉजी से जुड़े 12 समझौते हो सकते हैं। भारत और फ्रांस के बीच 114 राफेल लड़ाकू विमानों की डील पर चर्चा होगी। भारत चाहता है कि इन विमानों में अपने हथियार जोड़ने की सुविधा मिले। इसके लिए सोर्स कोड का मुद्दा भी उठाया जाएगा। डील पर अभी कैबिनेट की सुरक्षा मामलों की समिति की मंजूरी नहीं मिली है। पीएम मोदी की यात्रा के बाद ही इस पर अंतिम फैसला लिया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक फ्रांस के नीस शहर में भारतीय समुदाय ने पीएम का स्वागत किया। पीएम ने एक बच्चे को दुलार भी किया। भारतीय समुदाय की महिलाओं ने पीएम के हाथ को अपने सिर पर लगाया। पीएम मोदी 13 से 18 जून तक फ्रांस और स्लोवाकिया के 6 दिनों के दौरे पर हैं। पीएम बनने के बाद उनकी यह 7वीं फ्रांस यात्रा है। उनका फ्रांस दौरा दो फेज में होगा। इस दौरान 3 शहरों नीस, एवियान और पेरिस जाएंगे। वे 13-14 जून तक नीस में ही रहेंगे। 16 से 17 जून को एवियान में जी7 समिट में हिस्सा लेंगे। 18 जून को पेरिस में राष्ट्रपति मैक्रों के साथ विवाटेक सम्मेलन में जाएंगे।

सर्बिया के राष्ट्रपति की शुभकामनाओं पर प्रधानमंत्री ने जताया आभार

नई सोच एक्सप्रेस। नई दिल्ली

द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने की दोहराई प्रतिबद्धता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सर्बिया के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक द्वारा भारत के इतिहास में सबसे लंबे समय तक लगातार निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने पर दी गई बधाई के लिए उनका आभार व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत सर्बिया के साथ अपने मैत्रीपूर्ण संबंधों को अत्यंत महत्व देता है और दोनों देशों के बीच सहयोग एवं साझेदारी को और सुदृढ़ बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर राष्ट्रपति वुसिक की पोस्ट का जवाब देते हुए कहा कि उन्हें राष्ट्रपति की हालिया भारत यात्रा तथा दोनों नेताओं के बीच हुई सार्थक और सकारात्मक चर्चाएं अच्छी तरह याद हैं। उन्होंने कहा कि भारत और सर्बिया के संबंध आपसी विश्वास, सम्मान और सहयोग की मजबूत नींव पर आधारित हैं। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि भारत आने वाले वर्षों में सर्बिया के साथ द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने के लिए मिलकर काम करने को उत्सुक है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले सर्बिया के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भारत के इतिहास में सबसे लंबे समय तक लगातार निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने पर बधाई दी थी। उन्होंने कहा था कि किसी लोकतांत्रिक देश में इतने लंबे समय तक सर्वोच्च पद पर बने रहना जनता के गहरे विश्वास, नेतृत्व क्षमता और जनसमर्थन का प्रतीक है। राष्ट्रपति वुसिक ने प्रधानमंत्री मोदी को दूरदर्शी और अनुभवी राजनेता बताते हुए कहा कि उनकी आवाज आज वैश्विक मंच पर सम्मान के साथ सुनी जाती है। उन्होंने भारत की निरंतर प्रगति और विकास के लिए प्रधानमंत्री के नेतृत्व की सराहना करते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और निरंतर सफलता की कामना भी की। वुसिक ने दोनों नेताओं की हालिया मुलाकात का उल्लेख करते हुए कहा कि वह बैठक आपसी सम्मान, विश्वास और समझ की भावना से परिपूर्ण थी। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को आधुनिक वैश्विक चुनौतियों और राष्ट्रीय हितों की गहरी समझ रखने वाला प्रभावशाली नेता बताया तथा विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में भारत विश्व स्तर पर अपनी भूमिका को और मजबूत करेगा।

संक्षिप्त समाचार

मिजोरम बन रहा नशे का गढ़, म्यांमार से हो रही सिंथेटिक ड्रग्स 'आइस' की होम डिलीवरी

आइजोल। मिजोरम की राजधानी आइजोल में रात के अंधेरे और सन्नाटे में युवक हाथों में टॉर्च और डंडे लिए घूम रहे हैं। ये पुलिस नहीं, बल्कि 'यंग मिजो एसोसिएशन' (वाईएमए) के वॉलेंटियर्स हैं, जो सूबे की रगों में घोले जा रहे म्यांमार के सिंथेटिक ड्रग्स 'आइस' से अगली पीढ़ी को बचाने पहरा दे रहे हैं। मिजोरम इस समय नशा संकट से जूझ रहा है। म्यांमार की 500 किमी लंबी खुली सीमा से आने वाले खतरनाक सिंथेटिक ड्रग्स ने राज्य के सामाजिक ताने-बाने को बिखेर दिया है। पिछले साल इस ड्रग्स ने 118 तो इस साल अब तक 21 लोगों की जानें ली हैं। म्यांमार सीमा से सटा चंफाई जिला इसका मुख्य कॉरिडोर है। बीते तीन साल में यहां से करीब चार हजार किलो ड्रग्स जब्त हुई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चौंकाने वाली बात यह है कि पूरा कारोबार डिजिटली हो रहा है। ड्रग्स सप्लायर वॉट्सएप, टेलीग्राम, फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर सीक्रेट ग्रुप्स बनाकर नेटवर्क चला रहे हैं। सिर्फ चैट ग्रुप का स्क्रीन शॉट दिखाकर आसानी से ड्रग्स मिल जाती है। जब वाईएमए के मेंबर से कुछ स्क्रीन शॉट मांगे तो उन्होंने सुरक्षा की दृष्टि से इन्हें देने से मना कर दिया।

विश्व मंच पर मजबूत हुई भारत की सांस्कृतिक पहचान : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। भारत की सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक ज्ञान और सभ्यतागत मूल्यों को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाने की दिशा में पिछले वर्षों में हुए प्रयासों को रेखांकित करते हुए विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा है कि भारत न केवल अपनी सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण के लिए कार्य कर रहा है, बल्कि अपनी समृद्ध ज्ञान-परंपरा को भी दुनिया के साथ साझा कर रहा है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा एक संदेश में उन्होंने बताया कि भारत की कई सांस्कृतिक परंपराओं को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में स्थान मिला है, जिससे भारतीय सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक स्तर पर नई मान्यता प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि भारत के कई नए स्थलों को विश्व धरोहर का दर्जा मिला है, जबकि विदेशों में पहुंच चुकी बहुमूल्य और प्राचीन भारतीय कलाकृतियों की स्वदेश वापसी भी सुनिश्चित की गई है। यह प्रयास देश की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों को संरक्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। रणधीर जायसवाल ने यह भी उल्लेख किया कि पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा केंद्र की स्थापना भारत में की गई है। इससे भारतीय चिकित्सा ज्ञान और परंपराओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिली है। योग के वैश्विक प्रसार का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत की पहल पर शुरू हुआ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस आज एक वैश्विक जनआंदोलन का रूप ले चुका है।

राष्ट्रपति ने त्योहार राजा पर दी बधाई, यह त्योहार प्रकृति से मिलकर रहने की याद दिलाता है

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने ओडिशा में मनाए जाने त्योहार राजा पर राज्य के लोगों को बधाई दी है। राष्ट्रपति ने एक्स पर लिखा- फसल के त्योहार राजा के मौके पर मैं देश के लोगों और खासकर ओडिशा के लोगों को दिल से बधाई देती हूं। राष्ट्रपति मुर्मु ने लिखा-मानसून के मौसम का यह मनभावन त्योहार धरती, मां और बादलों के सम्मान में मनाया जाता है। पीठा, पान के पत्ते और झूला झूलने जैसे उत्सवों के बीच राजा हमें प्रकृति के साथ मिल-जुलकर रहने की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि राजा त्योहार की यह खास भावना हमें राष्ट्र निर्माण के लिए खुद को समर्पित करने के लिए प्रेरित करेगी। राजा के इस उत्सवपूर्ण मौके पर मैं राज्य और देश के लोगों की खुशी, शांति और समृद्धि की कामना करती हूं। बता दें राजा पर्व ओडिशा में मनाया जाने वाला तीन दिवसीय नारीत्व का त्योहार है। माना जाता है कि हिंदू देवी भूमि जो देवी महालक्ष्मी का धरती माता वाला रूप हैं और भगवान विष्णु की पत्नी हैं, इस त्योहार के पहले तीन दिनों के दौरान मासिक धर्म से गुजरती हैं। चौथे दिन को वसुमती स्नान या भूमि का औपचारिक स्नान कहा जाता है। राजा शब्द संस्कृत के रजस शब्द से आया है, जिसका अर्थ है मासिक धर्म और मासिक धर्म वाली महिला को रजस्वला कहा जाता है। मध्यकाल में यह त्योहार खेतीबाड़ी से जुड़े त्योहार के तौर पर लोकप्रिय हुआ, जिसमें भूमि की पूजा की जाती है। देवी भूमि को भगवान विष्णु के ही एक क्षेत्रीय रूप जगन्नाथ की पत्नी के तौर पर पूजा जाता है। पुरी मंदिर में जगन्नाथ के बगल में भूमि देवी की चांदी की मूर्ति भी मौजूद है।

12 वर्षों में 61 प्रतिशत बढ़ा राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क : केंद्र

नई सोच एक्सप्रेस। नई दिल्ली

देश में पिछले 12 वर्षों में अवसंरचना विकास और राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क के विस्तार में अभूतपूर्व बदलाव दर्ज किया गया है। साल 2014 में सड़क नेटवर्क लगभग 91,287 किलोमीटर था, जो वित्त वर्ष 2025-26 में 61 प्रतिशत बढ़कर 1,46,572 किलोमीटर से अधिक हो गया है। राष्ट्रीय राजमार्गों के इस तीव्र विस्तार और वैश्विक स्तर की अवसंरचना ने देश की आर्थिक प्रगति को गति दी है और माल ढुलाई लागत को कम किया है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने रविवार को बताया कि साल 2013-14 में सड़क निर्माण की औसत गति 11.6 किलोमीटर प्रति दिन थी, जो साल 2025 में

बढ़कर करीब 34 किलोमीटर प्रति दिन पहुंच चुकी है। मंत्रालय ने बताया कि आईआईएम बैंगलोर के एक अध्ययन के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास से कारखानों तक पहुंच आसान हुई है, जिससे परिवहन लागत में भारी कमी आई है। साथ ही, प्रमुख 'भारतमाला परियोजना' के तहत 34,800 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग गलियारा विकसित करने का लक्ष्य है, जिसमें से मार्च 2026 तक 22,590 किलोमीटर सड़कों का निर्माण पूरा किया जा चुका है। मंत्रालय के अनुसार, करीब 1,386 किलोमीटर लंबा दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पूरा होने पर देश का सबसे लंबा नियंत्रित प्रवेश एक्सप्रेस-वे बन जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में 5 जून को इसके गुजरात खंड के किम-एना (36 किमी) और गंदेवा-एना (27.5 किमी) हिस्से का उद्घाटन किया है। इसके अलावा करीब 82 किलोमीटर लंबे दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे ने भी यात्रा समय को काफी घटाया है। दिल्ली के द्वारका एक्सप्रेस-वे के दिल्ली खंड का उद्घाटन अगस्त 2025 में और हरियाणा खंड का उद्घाटन मार्च 2024 में प्रधानमंत्री द्वारा किया गया था। वहीं, दक्षिण भारत में 118 किलोमीटर लंबे बेंगलुरु-मैसूरु एक्सप्रेस-वे ने यात्रा का समय 3 घंटे से घटाकर 75 मिनट कर दिया है।

दक्षिण एशिया में पहले 'विश्व चक्रीय अर्थव्यवस्था मंच' की भारत करेगा मेजबानी

नई दिल्ली। वैश्विक चुनौतियों और संसाधन संकट के इस दौर में टिकाऊ विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'विश्व चक्रीय अर्थव्यवस्था मंच' के 10वें संस्करण की मेजबानी भारत करेगा। इसका आयोजन पहली बार भारत में किया जा रहा है। गुजरात की राजधानी गांधीनगर में 15 से 18 सितंबर तक होने वाले वैश्विक आयोजन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों होने की संभावना है। इसमें अनेक वैश्विक नेताओं विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण के देशों के नेताओं के आने की उम्मीद है। इस महत्वपूर्ण वैश्विक आयोजन का मुख्य उद्देश्य वर्तमान के अशांत और चुनौतीपूर्ण समय में खुशहाली, समृद्धि और लचीलेपन को सुरक्षित करने के लिए बेहतरीन चक्रीय समाधानों को प्रदर्शित करना है। डब्ल्यूसीईएफ-2026 का आयोजन फिनलैंड के इनोवेशन फंड 'सिट्रा' और भारत के केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। इसे केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय का समर्थन प्राप्त है और यह गुजरात सरकार के समन्वय के साथ-साथ वैश्विक और भारतीय भागीदारों के सहयोग से संपन्न होगा। 'सिट्रा' के वैश्विक चक्रीय अर्थव्यवस्था कार्यक्रम के निदेशक कारी हरलेवी ने मौजूदा स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, "पश्चिमी देशों और ग्लोबल साउथ (विकासशील देशों) दोनों ही जगह नीति निर्माताओं के लिए संसाधनों की पर्याप्तता एक बड़ी चिंता बन गई है।

हम हिटलर जैसे नहीं, बातचीत के रास्ते खुले रहने चाहिए

दत्तात्रेय होसबाले के पाकिस्तान से संवाद बयान पर बोले मोहन भागवत

नई दिल्ली। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने पाकिस्तान के साथ संवाद बनाए रखने को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले के बयान का बचाव किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि होसबाले की टिप्पणी पाकिस्तान सरकार नहीं, बल्कि वहां के लोगों के संदर्भ में थी। साथ ही उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के संबंध में संघ केंद्र सरकार की विदेश नीति का ही अनुसरण करता है। आरएसएस के शताब्दी वर्ष समारोह के तहत आयोजित एक संवाद कार्यक्रम में भागवत ने कहा कि पाकिस्तान में आज भी ऐसे अनेक लोग हैं जो मानते हैं कि भारत का विभाजन एक ऐतिहासिक भूल थी। उन्होंने दावा किया कि वहां कुछ पत्रकार और बुद्धिजीवी भी हैं जो आरएसएस के कार्यों की सराहना करते हैं तथा दो-राष्ट्र सिद्धांत का विरोध करते हैं। भागवत ने कहा कि पाकिस्तान में ऐसे लोगों की संख्या कम नहीं है जो मानते हैं कि दोनों देशों का साथ रहना अधिक बेहतर होता। ऐसे लोगों के साथ संवाद और संपर्क के रास्ते पूरी तरह बंद नहीं किए जाने चाहिए।

अमेरिका-ईरान तनाव का सड़कों पर दिखने लगा असर

एजेंसी। नई दिल्ली

विटुमेन के दामों में 40 से 50 फीसदी इजाफे के चलते रिपेयर नहीं हो पा रही कई किमी की सड़कें

ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच तनाव के चलते कच्चे तेल और माल ढुलाई की लागत बढ़ने के चलते दिल्ली में विटुमेन के दामों में करीब 40 से 50 फीसदी इजाफा हुआ है। इसके चलते दिल्ली की 68.6 फीसदी 961 किमी सड़कें लंबे समय से जर्जर हैं। सरकार ने सीआरआईएफ के तहत 300 किमी लंबी 153 बनी सड़कों की मरम्मत करने की योजना बनाई है। पिछले साल टेंडर भी हो चुका था लेकिन बिटुमेन में दामों में उछाल के चलते सड़कें रिपेयर नहीं हो पाई। पीडब्ल्यूडी की 1400 किमी लंबी सड़कों में से 961 किमी लंबी सड़कों की मरम्मत इसके चलते पिछले साल से नहीं हो रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 283 किमी लंबी सड़कों की रिपेयरिंग के लिए पीडब्ल्यूडी ने जीन वाइज टेंडर किया गया था। इन सड़कों की रिपेयरिंग मार्च 2027 तक पूरी करनी थी, लेकिन बिटुमेन के दाम बढ़ने के चलते बीच में ही काम रुक गया है। 20 किमी लंबी ऐसी सड़कें हैं, जिनका मेंटिनेंस पीरियड पांच साल से कम है लेकिन इनकी हालत बेहद जर्जर है। इन सड़कों की भी रिपेयरिंग नहीं हो पा रही है। 258 किमी लबी सड़कों को माइको सर्वोसिग करनी थी, लेकिन बिटुमेन महंगा होने से उनका काम भी नहीं हो पा रहा है। पीडब्ल्यूडी की 1400 किमी लंबी सड़कों में से 961 किमी लबी सड़कों की रिपेयरिग कठिन है क्योंकि बिटुमेन महंगा हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान में जारी युद्ध और महंगे फ्यूल का असर अब पासपोर्ट सेवा में भी दिखाई दे रहा है। गर्मियों की छुट्टियों में पासपोर्ट बनाने के लिए आवेदनों की संख्या में 30 से 40 फीसदी तक की कमी आई है। पिछले सालों में गर्मियों के समय आवेदन दोगुने हो जाते थे। पासपोर्ट सेवा केंद्र, झंडेवालान के एक अधिकारी ने कहा कि पहले 1600 आवेदन हर रोल आते थे, जो गर्मियों में 2500 तक बढ़ जाते थे। अब झंडेवालान ऑफिस में हर रोज 2000 आवेदन आते हैं। पुराने रेकॉर्ड देखे तो इन्हें इस वक्त 3000 के करीब होना चाहिए। रिन्युअल के लिए भी आवेदन आते थे।

स्वास्थ्य क्षेत्र में 12 वर्षों में ऐतिहासिक बदलाव, आयुष्मान भारत और जन औषधि योजना से करोड़ों लोगों को मिला लाभ : पीएम

नई सोच एक्सप्रेस। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के अवसर पर स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए बदलावों और उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले एक दशक से अधिक समय में भारत ने गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को आम लोगों तक पहुंचाने और उपचार को अधिक किफायती बनाने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना जैसी योजनाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए संदेश में कहा कि आयुष्मान भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा स्वास्थ्य सुरक्षा कार्यक्रम बन चुका है। यह योजना समाज के आर्थिक रूप से कमजोर

और वंचित वर्गों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि इस योजना के माध्यम से लाखों परिवारों को गंभीर बीमारियों के उपचार में आर्थिक राहत मिली है। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के तहत देशभर में सस्ती दरों पर गुणवत्तापूर्ण दवाइयां उपलब्ध कराई जा रही हैं। इससे आम नागरिकों, विशेषकर गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों के चिकित्सा खर्च में उल्लेखनीय कमी आई है। उन्होंने बताया कि सरकार ने हृदय रोगियों के लिए उपयोग होने वाले स्टेंट तथा घुटना प्रत्यारोपण (नी इम्प्लांट) की कीमतों को भी नियंत्रित कर उपचार को अधिक किफायती बनाया है, जिसका लाभ बड़ी संख्या में मरीजों को मिला है। उन्होंने चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में हुए विस्तार का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में नए मेडिकल कॉलेजों और स्वास्थ्य संस्थानों की स्थापना के साथ-साथ मेडिकल सीटों की संख्या में लगातार वृद्धि की गई है। इससे चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक युवाओं के लिए नए अवसर सृजित हुए हैं और भविष्य में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए अधिक प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध होंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल उपचार सुविधाओं का विस्तार करना नहीं, बल्कि एक समग्र और सशक्त स्वास्थ्य व्यवस्था विकसित करना है, जिससे प्रत्येक नागरिक को समय पर और बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिल सकें।

एक आज्ञाकारी नौकर वाला है वर्तावः राहुल गांधी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अमेरिकी हमलों में भारतीय नाविकों की मौत के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार को निशाने पर लिया है। उन्होंने केंद्र सरकार को एक आज्ञाकारी नौकर बताते हुए कहा कि देश का सम्मान और रक्षा करने में विफल रही यह सरकार। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए सरकार की विदेश नीति और अमेरिका के प्रति उसके रुख पर तीखे सवाल उठाए हैं। राहुल गांधी ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के बीच हुई बातचीत का हवाला देते हुए कहा, कि अमेरिकी हमलों में भारतीय नागरिकों की मौत के बावजूद अमेरिका ने न तो खेद व्यक्त किया और न ही माफी मांगी। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि अमेरिका लगातार निर्देशात्मक भाषा का इस्तेमाल कर रहा है और भारत सरकार उसका पर्याप्त विरोध तक नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि एक स्वतंत्र राष्ट्र ऐसी भाषा स्वीकार नहीं कर सकता।

बीजेपी नेता की हत्या, हत्या में शामिल आरोपियों के घर चला बुलडोजर

देहरादून। बीजेपी नेता विनोद कश्यप हत्याकांड मामले में पुलिस अलर्ट है और बॉर्डर इलाके में शक्ति बड़ा दी गई है। पुलिस की 6 टीमों आरोपियों को पकड़ने के लिए निकली है। वहीं आरोपियों के घर बुलडोजर एक्शन जारी है। वहीं बीजेपी नेता विनोद कश्यप हत्याकांड मामले में बीजेपी विधायक मुन्ना सिंह ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई होगी जो उनकी नस्ले याद रखेंगी। उन्हें माफ नहीं किया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी नेता विनोद कश्यप हत्याकांड में कुल 11 आरोपी है जिसमें एक का नाम अमन बताया जा रहा है। आरोपी के घर के बाहर भारी मात्रा में लोग मौजूद हैं और मोबाइल में बुलडोजर एक्शन को कैद कर रहे हैं। चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात है। फिलहाल आरोपी अभी तक नहीं पकड़ा गया है। बीजेपी नेता विनोद कुमार हत्या के बाद हिंदू संगठन के लोगों ने आरोपी का एनकाउंटर और बुलडोजर चलाने की मांग की जिसके बाद आरोपी के घर बुलडोजर चलाया गया। रिपोर्ट के मुताबिक विनोद कुमार हत्याकांड के बाद देहरादून में तनाव है। हिंदू संगठन ने आरोपी के घर में आग लगा दी है। मौके पर फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची और आग पर काबू पाया।

संक्षिप्त समाचार

पाटलिपुत्र स्टेशन की घटना के लिए सरकार जिम्मेवार : भाकपा

पटना। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने कहा कि पाटलिपुत्र रेलवे स्टेशन पर हुए छात्रों के प्रदर्शन के लिए केन्द्र और राज्य सरकार पूरी तरह जिम्मेवार है। घटना की जिम्मेवारी सरकार को लेनी होगी। ट्रेन समय पर आई रहती और पर्याप्त संख्या में परीक्षार्थियों के लिए यात्रा के संसाधन की व्यवस्था की जाती तो इस तरह की घटना नहीं घटती। राज्य सचिव ने कहा कि मद्यनिषेध सिपाही भर्ती परीक्षा में शामिल होने के लिए विद्यार्थी पाटलिपुत्र स्टेशन पर जुटे थे। लेकिन समय पर ट्रेन नहीं आयी और न ही विशेष ट्रेन की व्यवस्था की गई। जिससे परीक्षार्थी उग्र हो गये और प्रदर्शन किया। परीक्षार्थियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज की और फायरिंग किया इससे छात्र और उग्र हो गए। भाकपा राज्य सचिव ने कहा मद्य निषेध सिपाही के 1697 पदों के भर्त्ती निकली गई है। बेरोजगारी का आलम है कि 16 लाख विद्यार्थियों ने फार्म भरा है। इतने बेरोजगार जिस समाज में रहेंगे वह असुरक्षित रहेगा। राज्य अंदर अत्यधिक बेरोजगार युवा असंतोष चरम पर है, जो ऐसी घटनाओं के बहाने समय-समय पर उजागर हो रहा है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी परीक्षार्थियों पर फायरिंग करने वाले पुलिसकर्मियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने और आगे से परीक्षार्थियों के लिए विशेष ट्रेन और बस चलाने की मांग करती है।

मनरेगा के लिए 9 अरब 90 करोड़ रुपये का आवंटन एनडीए सरकार की गरीब कल्याण नीति का प्रमाण : उमेश

पटना। जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने रविवार को बयान जारी करते हुए कहा कि एनडीए सरकार द्वारा मनरेगा योजना के तहत 9 अरब 90 करोड़ रुपये से अधिक का आवंटन ग्रामीण क्षेत्रों के गरीब मजदूर परिवारों को सीधा आर्थिक संबल प्रदान करने वाला एक महत्वपूर्ण कदम है। यह निर्णय सरकार की गरीब कल्याण नीति का स्पष्ट प्रमाण है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इस बड़े वित्तीय आवंटन का सीधा लाभ लाखों श्रमिक परिवारों को मिलेगा और उनकी मजदूरी की राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में भेजी जाएगी।श्री कुशवाहा ने कहा कि एनडीए सरकार का मूल उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की आर्थिक स्थिति को मजबूत करना है, ताकि उसे अपनी आजीविका के लिए किसी और पर निर्भर न रहना पड़े। यह राशि गरीब परिवारों के लिए निरंतर आर्थिक सुरक्षा और सहारा सुनिश्चित करेगी। प्रदेश अध्यक्ष ने जोर देते हुए कहा कि हर हाथ को काम और काम का समय पर दाम देना एनडीए सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इस वित्तीय आवंटन से गांवों में विकास कार्यों को गति मिलेगी और मजदूरों को अपने ही गांव में सम्मानजनक रोजगार उपलब्ध होगा, जिससे पलायन पर भी प्रभावी रोक लगेगी। उन्होंने कहा कि यह 9 अरब 90 करोड़ रुपये से अधिक का आवंटन ग्रामीण गरीबों के जीवन में खुशहाली लाने, उनकी आजीविका को सुरक्षित करने और ग्रामीण विकास को नई रफ्तार देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इससे गांवों में चल रही विकास परियोजनाओं को भी दोगुनी गति मिलेगी।

विश्वकर्मा समाज को अधिकार और प्रतिनिधित्व नहीं मिला तो होगा बड़ा आंदोलन : मुकुल आनंद

पटना। राजधानी के बेली रोड स्थित बुद्धा रेसिडेंसी होटल में भारतीय विश्वकर्मा महासंघ की प्रदेश स्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें समाज के राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक अधिकारों को लेकर व्यापक चर्चा हुई। बैठक को संबोधित करते हुए महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकुल आनंद विश्वकर्मा ने कहा कि विश्वकर्मा समाज को उसकी आबादी के अनुरूप राजनीतिक और सामाजिक प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि विश्वकर्मा समाज को अधिकार और प्रतिनिधित्व नहीं मिला तो आने वाले समय में बड़ा आंदोलन होगा। साथ ही उन्होंने कार्यकतार्ओं से गांव-गांव जाकर संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। राष्ट्रीय प्रवक्ता दिवाकर शर्मा ने समाज की एकजुटता और संगठनात्मक शक्ति पर बल दिया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विद्याभूषण ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ने की आवश्यकता बताई। राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष मीणा शर्मा ने महिलाओं की सक्रिय भागीदारी और नेतृत्व को समय की मांग बताया। बैठक में राष्ट्रीय सचिव भिखारी शर्मा ने पंचायत स्तर तक संगठन विस्तार और सदस्यता अभियान चलाने की घोषणा की। युवा नेता अमित विश्वकर्मा ने युवाओं को तकनीकी शिक्षा, स्टार्टअप और स्वरोजगार से जोड़ने पर जोर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामशंकर शर्मा ने की। जिला अध्यक्ष जयंत शर्मा ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों एवं मीडिया प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया। बैठक में समाज के विभिन्न जिलों से आए पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पूर्व एमएलसी अनवर आलम के निधन पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने जताया शोक

पटना। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पटना नगर निगम के पार्षद असफर अहमद के पिता एवं पूर्व विधान परिषद सदस्य अनवर आलम के निधन पर बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश राम ने गहरा शोक व्यक्त किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने अपने शोक संदेश में कहा कि पूर्व एमएलसी अनवर आलम कई दिनों से अस्वस्थ थे और उन्हें पटना के मेदांता अस्पताल में भर्ती कर इलाज चल रहा था। उनके निधन से गहरा आघात हमें पहुंचा है। मरहूम अनवर आलम लंबे समय से सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन में सक्रिय रहकर जनसेवा के प्रति समर्पित रहे हैं। उन्होंने सामाजिक जीवन में रहते हुए जनता के प्रति अपने कर्तव्यों का लगातार पालन किया। उनके पुत्र असफर अहमद और परिजनों के प्रति मेरी सहानुभुति है। ईश्वर से जनाब अनवर आलम के आत्मा की शांति की दुआ मांगता हूँ। शोक व्यक्त करने वालों में विधान परिषद में दल के नेता डॉ. मदन मोहन झा, राजेश राठौड़, कपिलदेव यादव, डॉ. स्नेहाशीष वर्धन, प्रेमचंद सिंह, पंकज यादव सहित अन्य प्रमुख नेतागण रहें।

मुख्यमंत्री के लिए अमर्यादित भाषा नेता प्रतिपक्ष की हताशा का प्रमाण : संतोष सुमन

पटना। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (से.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार सरकार के मंत्री डॉ. संतोष कुमार सुमन ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव द्वारा बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के लिए की गई अपमानजनक टिप्पणी की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुने हुए मुख्यमंत्री के लिए इस प्रकार की भाषा का प्रयोग केवल राजनीतिक हताशा और मानसिक दिवालियापन को दर्शाता है। चीप लोग ही एक मुख्यमंत्री के लिए चीप मिनिस्टर का इस्तेमाल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता ने विपक्ष को सरकार की आलोचना करने का अधिकार दिया है, लेकिन व्यक्तिगत कटाक्ष, अमर्यादित भाषा और राजनीतिक स्तरहीनता का अधिकार नहीं दिया है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि नेता प्रतिपक्ष अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के बजाय केवल सुर्खियां बटोरने वाली बयानबाजी में लगे हुए हैं। डॉ. सुमन ने कहा कि यदि राजनीतिक संवाद का स्तर इसी प्रकार गिराया जाएगा, तो फिर प्रतिवाद भी उसी भाषा में होने लगेंगे। ऐसे में तेजस्वी यादव और राष्ट्रीय जनता दल के नेताओं को जनता के बीच जवाब देना कठिन हो जाएगा। राजनीति तथ्यों, नीतियों और जनहित के मुद्दों पर होनी चाहिए, न कि अपशब्दों और व्यक्तिगत टिप्पणियों पर। उन्होंने कहा कि राजद और तेजस्वी यादव की राजनीति आज गुप्त धन, गुप्त यात्राओं और शून्य नीतियों के इर्द-गिर्द सिमट गई है। जिन लोगों के पास बिहार के विकास का कोई विजन नहीं है, वे केवल आरोप, भ्रम और बयानबाजी के सहारे राजनीति को जिंदा रखने का प्रयास कर रहे हैं। डॉ. सुमन ने कहा कि बिहार की जनता सब कुछ देख रही है। एक ओर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में सरकार विकास, सुशासन और गरीबों के कल्याण के लिए काम कर रही है, वहीं दूसरी ओर नेता प्रतिपक्ष अपनी जिम्मेदारियों से विमुख होकर राजनीतिक मर्यादाओं को तार-तार करने में लगे हैं।

मुख्यमंत्री ने 'शारदीय (खरीफ) महाभियान-2026' का किया शुभारंभ

नई सोच एक्सप्रेस

» किसान जागरूकता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

पटना।बिहार के किसानों को आधुनिक खेती, वैज्ञानिक तौर-तरीकों और सरकारी योजनाओं से जोड़ने के लिए राज्य सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आज राजधानी पटना के '1 अणे मार्ग' स्थित मुख्यमंत्री आवास से 'शारदीय (खरीफ) महाभियान-2026' का भव्य शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने हरी झंडी दिखाकर राज्य के सभी जिलों के लिए LED युक्त किसान जागरूकता वाहनों को रवाना किया, जो गांव-गांव जाकर किसानों को जागरूक करेंगे। इस महाभियान के तहत मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से तैयार किए गए 2 कृषि ज्ञान वाहनों सहित सभी जिलों के लिए जागरूकता रथों को हरी झंडी दिखाई। ये वाहन आधुनिक कृषि तकनीकों, उन्नत बीजों की जानकारी और खरीफ फसलों के बेहतर प्रबंधन के संदेशों से लैस हैं। राज्य के हर कोने-कोने तक पहुंचकर किसानों को मौसम के अनुकूल खेती, जैविक खाद के उपयोग, और कम लागत में अधिक मुनाफे वाली तकनीकों के प्रति जागरूक करना है। कृषि विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, ये जागरूकता वाहन सिर्फ प्रचार नहीं करेंगे, बल्कि इनके साथ कृषि वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों की टीम भी जुड़ी होगआ। हर जिले के प्रखंडों और पंचायतों में जाकर किसान चौपालों का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री डिजिटल कृषि योजना, कृषि इनपुट सब्सिडी और उन्नत खरीफ बीजों पर मिलने वाले अनुदान की जानकारी सीधे किसानों तक पहुंचाई जाएगी। खरीफ सीजन की शुरुआत से पहले किसानों को मिट्टी की जांच और सही मात्रा में खाद के इस्तेमाल की ट्रेनिंग दी जाएगी। इस हाई-प्रोफाइल लॉन्चिंग के दौरान कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, कई कैबिनेट मंत्री और मुख्य सचिव स्तर के अधिकारी भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इस मौके पर कहा कि उनकी सरकार किसानों की आय दोगुनी करने और बिहार के कृषि रोडमैप को धरातल पर उतारने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। 'शारदीय महाभियान-2026' इसी दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा।

नीतीश मॉडल के सहारे बिहार ने चुनौतियों को अवसर में बदला : जदयू

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।जदयू प्रदेश प्रवक्ता डा अनुप्रिया यादव ने सोशल संवाद करते हुए कहा कि नीतीश कुमार की दूरदर्शी नीतियों के चलते बिहार ने बाढ़ और सुखाड़ जैसी प्राकृतिक चुनौतियों के बावजूद विकास का एक नया मॉडल प्रस्तुत किया है। यह परिवर्तन किसी संयोग का परिणाम नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री के रूप में श्री नीतीश कुमार की दूरदर्शी सोच, दृढ़ संकल्प और सुशासन की नीति का परिणाम है। किसी भी राज्य में उद्योग तभी आते हैं जब वहां सुरक्षा, बेहतर आधारभूत संरचना और पारदर्शी प्रशासन उपलब्ध हो। बिहार में इन सभी क्षेत्रों में हुए सुधारों के कारण आज निवेशकों का विश्वास बढ़ा है और राज्य औद्योगिक विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। सात निश्चय पार्ट-3 के माध्यम से सरकार ने रोजगार सृजन, कौशल विकास, उद्योग विस्तार, निवेश आकर्षण और तकनीकी शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए युवाओं को अपने ही राज्य में अवसर उपलब्ध कराने का स्पष्ट रोडमैप तैयार किया है। बिहार सरकार ने औद्योगिक प्रोत्साहन नीति को और अधिक निवेश-अनुकूल बनाया है, जिससे उद्योग स्थापित करने की प्रक्रिया सरल हुई है। सरकार का लक्ष्य बिहार को देश के प्रमुख निवेश गंतव्यों में शामिल करना, युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना तथा विनिर्माण आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाना है। इसके तहत ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को सशक्त किया जा रहा है, मेगा फूड पार्क, औद्योगिक पार्क और एमएसएमई पार्क विकसित किए जा रहे हैं तथा लाखों युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। बिहार की अर्थव्यवस्था को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप बनाने के लिए डिफेंस कॉरिडोर, सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग पार्क, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर, मेगा टेक सिटी, फिनटेक सिटी और स्टार्टअप इकोसिस्टम जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं की रूपरेखा तैयार की गई है। सरकार ने आने वाले वर्षों में बड़े निवेश आकर्षित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है ताकि बिहार कृषि आधारित अर्थव्यवस्था के साथ-साथ उद्योग और तकनीक आधारित विकास का भी मजबूत केंद्र बन सके।

मुख्यमंत्री ने बिहार के तीन पारंपरिक उत्पादों को GI टैग मिलने पर जताई प्रसन्नता

नई सोच एक्सप्रेस

» पारंपरिक उद्योगों, हस्तशिल्प, हथकरघा एवं लोक कलाओं के संरक्षण और संवर्धन के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध

पटना।मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने नालंदा की बावन बूटी साड़ी एवं फैब्रिक, गया के पत्थरकट्टी स्टोन क्राफ्ट तथा भोजपुर की पिढ़िया पेंटिंग को भौगोलिक संकेतक (GI) टैग प्राप्त होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए राज्य के शिल्पकारों, बुनकरों, कलाकारों एवं संबंधित सभी संस्थाओं को बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक कला-कौशल और ग्रामीण प्रतिभा को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने वाली है। उन्होंने कहा कि बिहार की लोक कला, हस्तशिल्प एवं हथकरघा परंपराएं राज्य की अमूल्य धरोहर हैं और GI टैग मिलने से इन उत्पादों की विशिष्ट पहचान को कानूनी संरक्षण के साथ-साथ वैश्विक बाजार में नई प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि नालंदा की बावन बूटी बुनकरी, गया की पत्थर शिल्पकला और भोजपुर की पिढ़िया पेंटिंग बिहार की सांस्कृतिक विविधता और सृजनात्मक परंपरा के उत्कृष्ट उदाहरण हैं। इन उत्पादों को GI टैग मिलना राज्य के कारीगरों और बुनकरों के वर्षों के परिश्रम, कौशल एवं समर्पण का सम्मान है। मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि के लिए राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), संबंधित विभागों, उत्पादक समूहों, शिल्पकार संगठनों तथा सभी हितधारकों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से उन कारीगरों, बुनकरों एवं महिला कलाकारों को बधाई दी, जिन्होंने पीढ़ियों से इन परंपरागत कलाओं को जीवित रखा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पारंपरिक उद्योगों, हस्तशिल्प, हथकरघा एवं लोक कलाओं के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है। GI टैग मिलने से इन उत्पादों के विपणन, ब्रांडिंग और निर्यात की संभावनाएं बढ़ेंगी, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह उपलब्धि बिहार के अन्य पारंपरिक उत्पादों को भी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए प्रेरित करेगी तथा 'वोकल फॉर लोकल' और 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को और अधिक सशक्त बनाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार की सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक कलाओं के संरक्षण की दिशा में यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, जिस पर पूरे बिहार को गर्व है।

नव निर्वाचित एमएलसी शीला पंडित का हुआ भव्य नागरिक अभिनंदन

नई सोच एक्सप्रेस

» पीएम मोदी के नेतृत्व में जताया पूर्ण विश्वास

पटना।बिहार विधान परिषद की नव निर्वाचित सदस्य शीला पंडित का पटना में भव्य नागरिक अभिनंदन किया गया। अम्बेदकर पथ स्थित श्रीराम डेकोरेटर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह द्वारा अंगवस्त्र और पुष्प गुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत किया गया। नागरिक अभिनंदन के दौरान भावविभोर हुई एमएलसी शीला पंडित ने उपस्थित जनसमूह का आभार प्रकट किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूर्ण आस्था व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी द्वारा जो जिम्मेदारी उन्हें दी गई है, उसे वे भाजपा की एक समर्पित कार्यकर्ता की तरह निर्वहन करेंगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में आज भारत का चहुंमुखी विकास हो रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के विकसित बिहार बनाने के संकल्प के लिए उन्हें धन्यवाद दिया और राज्यवासियों को बिहार के विकास की इस यात्रा में सहयोग देने की अपील की। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक वरिष्ठ समाजसेवी और भाजपा नेता सुरेन्द्र प्रजापति ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं देते हुए विश्वास प्रकट किया कि आम जनता की समस्याओं के निराकरण हेतु वे सतत प्रयासरत रहेंगी। वार्ड नं 2 की पार्षद बबीता कुमारी ने भी उन्हें बधाई देते हुए उनके सफल भविष्य की कामना की। अन्य लोगों में शशि भूषण वर्मा, उदय कुमार सिन्हा, गंगासागर, सतीश पासवान, विवेक कुमार, मुन्ना सिंह, कृष्णा मुखर्जी, शशिभूषण कुमार सिन्हा, विनोद कुमार, विरेन्द्र यादव, पंकज सिंह सहित कई गणमान्य लोगों ने भी शीला पंडित को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन करते हुए मिथिलेश कुमार सिन्हा ने अपनी काव्य पुस्तक 'आशिकाना मौसम" की प्रति भेंट स्वरूप उन्हें दी।

बाँकीपुर उपचुनाव में कायस्थ को टिकट नहीं मिलने पर समाज उतारेगा अपना उम्मीदवार

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।कायस्थ चित्रगुप्त सेना, बिहार प्रदेश (पटना महानगर) की एक महत्वपूर्ण बैठक सेनाध्यक्ष पाण्डेय अखिलेश कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में सेक्टर 7, एचआईजी, बहादुरपुर हाउसिंग कॉलोनी, भूतनाथ रोड, पटना में आयकर अधिवक्ता अवध किशोर प्रसाद के निवास पर आयोजित हुआ। बैठक में बाँकीपुर विधानसभा उपचुनाव को लेकर व्यापक चर्चा के बाद कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया कि यदि किसी राष्ट्रीय अथवा क्षेत्रीय राजनीतिक दल द्वारा बाँकीपुर विधानसभा उपचुनाव में कायस्थ समाज के उम्मीदवार को टिकट दिया जाता है, तो समस्त कायस्थ समाज एकजुट होकर उसका समर्थन करेगा। वहीं यदि किसी भी दल द्वारा कायस्थ उम्मीदवार को अवसर नहीं दिया जाता है, तो व्यापक स्तर पर कायस्थ महापंचायत बुलाकर समाज सर्वसम्मति से अपना प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतारेगा।संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि बाँकीपुर विधानसभा क्षेत्र में मई माह से ही घर-घर जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है तथा विभिन्न मोहल्लों में संगठनात्मक समितियों का गठन किया जा रहा है। उद्देश्य समाज को राजनीतिक रूप से संगठित करना तथा उसकी भागीदारी सुनिश्चित करना है।सेनाध्यक्ष पाण्डेय अखिलेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि कायस्थ समाज किसी भी राजनीतिक दल का बंधुआ वोट बैंक नहीं है। समाज अब सम्मानजनक राजनीतिक प्रतिनिधित्व और भागीदारी चाहता है। जो दल कायस्थ समाज को उचित सम्मान और अवसर देगा, वही समाज के समर्थन का पात्र बनेगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में संख्या के साथ-साथ समाज की बौद्धिक, सामाजिक और राजनीतिक भूमिका भी महत्वपूर्ण होती है, और कायस्थ समाज हर क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति रखता है। ऐसे में किसी भी राजनीतिक दल के लिए कायस्थ समाज की उपेक्षा करना राजनीतिक रूप से भारी पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों में कायस्थ मतदाता निर्णायक भूमिका निभाने की स्थिति में हैं। विशेष रूप से बाँकीपुर विधानसभा क्षेत्र में कायस्थ मतदाताओं की संख्या काफी प्रभावशाली है। ऐसे में किसी भी राजनीतिक दल के लिए इस समाज की उपेक्षा करना राजनीतिक दृष्टि से नुकसानदेह साबित हो सकता है।बैठक में यह भी कहा गया कि राजनीतिक दलों द्वारा लगातार उपेक्षा किए जाने से समाज में असंतोष बढ़ा है। वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि आगामी चुनावों में कायस्थ समाज अपनी राजनीतिक ताकत का प्रदर्शन करेगा तथा अपने हितों और सम्मान के अनुरूप निर्णय लेगा।क्षेत्र में कायस्थ समाज की संख्या और राजनीतिक प्रभाव को देखते हुए किसी भी दल द्वारा समाज की उपेक्षा अब स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में कहा गया कि पिछले कई वर्षों से राजनीतिक दल चुनाव के समय कायस्थ समाज का समर्थन तो लेते रहे हैं, लेकिन सत्ता और संगठन में अपेक्षित भागीदारी देने से बचते रहे हैं। अब समाज केवल आश्वासनों से संतुष्ट नहीं होगा, बल्कि सम्मानजनक राजनीतिक हिस्सेदारी चाहता है। में आयोजित हुई। बैठक में बाँकीपुर विधानसभा उपचुनाव को लेकर व्यापक चर्चा के बाद कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बिहार के महाधिवक्ता पी.के. शाही ने दिया इस्तीफा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार के महाधिवक्ता प्रशांत कुमार शाही उर्फ पी.के. शाही ने आज अपने पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया।उन्होंने स्वेच्छा से अपने पद का त्याग करते हुए राज्य सरकार को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री और जनता दल यू के वरिष्ठ नेता नीतीश कुमार के सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में शामिल रहे पी.के शाही का यह फैसला राज्य की राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है।प्रशांत कुमार शाही का जन्म 3 जुलाई 1955 को हुआ था। उन्होंने काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) से वर्ष 1979 में कानून की डिग्री प्राप्त की। इसके बाद वर्ष 1980 में बार काउंसिल में नामांकन कर पटना हाई कोर्ट में वकालत की शुरूआत की।कानून की गहरी समझ, मजबूत तर्कशक्ति और प्रभावशाली पैरवी के कारण उन्होंने बहुत कम समय में अपनी अलग पहचान बना ली। महज 35 वर्ष की आयु में वर्ष 1990 में उन्हें पटना उच्च न्यायालय का गवर्नमेंट प्लीडर (जीपी) नियुक्त किया गया। उस समय वे इस पद पर नियुक्त होने वाले सबसे युवा अधिवक्ताओं में शामिल थे।पी.के. शाही और नीतीश कुमार का संबंध लंबे समय से राजनीतिक और प्रशासनिक विश्वास पर आधारित रहा है। वर्ष 2005 में जब बिहार में एनडीए सरकार बनी और नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने, तब उन्होंने पी.के. शाही को राज्य का महाधिवक्ता नियुक्त किया। महाधिवक्ता के रूप में उन्होंने वर्ष 2005 से 2010 तक बिहार सरकार के अनेक महत्वपूर्ण मामलों में अदालतों में प्रभावी पैरवी की। इस दौरान सरकार की कई नीतियों और फैसलों को कानूनी चुनौती मिलने पर उन्होंने सरकार का पक्ष मजबूती से रखा।वर्ष 2010 में नीतीश कुमार ने पी.के. शाही को सक्रिय राजनीति में लाने का निर्णय लिया। उन्हें बिहार विधान परिषद का सदस्य बनाया गया और बाद में मंत्रिमंडल में शामिल किया गया।मंत्री के रूप में उन्हें शिक्षा विभाग, पर्यावरण एवं वन विभाग तथा योजना एवं विकास विभाग जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी सौंपी गई। वर्ष 2010 से 2015 तक उन्होंने बिहार सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में कार्य किया।अपने मंत्री कार्यकाल के दौरान उन्होंने शिक्षा सुधार, पर्यावरण संरक्षण और विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।साल 2015 के बाद पी.के. शाही ने सक्रिय राजनीति से दूरी बना ली। उन्होंने फिर से अपनी कानूनी प्रैक्टिस पर ध्यान केंद्रित किया और पटना हाई कोर्ट में वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में सक्रिय हो गए।साल 2016 से 2022 तक वे मुख्य रूप से न्यायिक मामलों और निजी कानूनी प्रैक्टिस में व्यस्त रहे। इस दौरान भी वे बिहार की कानूनी दुनिया में प्रभावशाली हस्ती बने रहे।जनवरी 2023 में तत्कालीन महाधिवक्ता ललित किशोर के इस्तीफे के बाद बिहार सरकार ने एक बार फिर पी.के. शाही पर भरोसा जताया। 16 जनवरी 2023 को उन्हें बिहार का 22वां महाधिवक्ता नियुक्त किया गया। अपने दूसरे कार्यकाल में उन्होंने पटना हाई कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक कई महत्वपूर्ण मामलों में बिहार सरकार का पक्ष रखा। संवैधानिक, प्रशासनिक और नीतिगत मामलों में उनकी कानूनी सलाह को सरकार के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता रहा।

विश्वकर्मा समाज को अधिकार और प्रतिनिधित्व नहीं मिला तो होगा बड़ा आंदोलन : मुकुल आनंद

नई सोच एक्सप्रेस

» भारतीय विश्वकर्मा महासंघ की प्रदेश स्तरीय बैठक, संगठन विस्तार और समाज की भागीदारी बढ़ाने पर जोर

पटना।राजधानी के बेली रोड स्थित बुद्धा रेसिडेंसी होटल में भारतीय विश्वकर्मा महासंघ की प्रदेश स्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें समाज के राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक अधिकारों को लेकर व्यापक चर्चा हुई। बैठक को संबोधित करते हुए महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकुल आनंद विश्वकर्मा ने कहा कि विश्वकर्मा समाज को उसकी आबादी के अनुरूप राजनीतिक और सामाजिक प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि विश्वकर्मा समाज को अधिकार और प्रतिनिधित्व नहीं मिला तो आने वाले समय में बड़ा आंदोलन होगा। साथ ही उन्होंने कार्यकर्ताओं से गांव-गांव जाकर संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। राष्ट्रीय प्रवक्ता दिवाकर शर्मा ने समाज की एकजुटता और संगठनात्मक शक्ति पर बल दिया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विद्याभूषण ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ने की आवश्यकता बताई। राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष मीणा शर्मा ने महिलाओं की सक्रिय भागीदारी और नेतृत्व को समय की मांग बताया। बैठक में राष्ट्रीय सचिव भिखारी शर्मा ने पंचायत स्तर तक संगठन विस्तार और सदस्यता अभियान चलाने की घोषणा की। युवा नेता अमित विश्वकर्मा ने युवाओं को तकनीकी शिक्षा, स्टार्टअप और स्वरोजगार से जोड़ने पर जोर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामशंकर शर्मा ने की। जिला अध्यक्ष जयंत शर्मा ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों एवं मीडिया प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया। बैठक में समाज के विभिन्न जिलों से आए पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

मोदी का अमृत काल बना जनता के लिए विष कालः राजेश राम

पटना। देश में एनडीए शासन काल के 12 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को दशकों पीछे धकेलने का काम किया है। आज जब भाजपा इसे उपलब्धियों का बारह वर्ष बताते नहीं अघा रही है तो यह जरूरी है कि हम पिछले बारह वर्षों के मोदी काल के विनाश को आप सबके बीच उजागर करें। वें इसे उपलब्धियों को अमृतकाल बता रहे हैं लेकिन देश की आम जनता, छात्र, नौजवान, किसान और महिलाएं विष पीने को मजबूर हैं। ये बातें आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राजेश राम ने कही। प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने जो देश के विकास को अवरुद्ध कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हमें कमजोर किया है उसका कुछ उदाहरण आप सबके सामने पेश कर रहा हूं। बेरोजगारी पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि युवाओं को सपने बेचकर सत्ता में आई इस सरकार ने 2014 में वादा किया था — हर साल 2 करोड़ नौकरियां देंगे लेकिन 12 साल में एक बार भी इस लक्ष्य को यह सरकार छू नहीं सकी। देश में अब तक के सबसे ज्यादा युवा बेरोजगारी के स्तर को मोदी सरकार ने पहुंचाया है। 2022-23 के आंकड़ों के अनुसार 45.4% युवा बेरोजगार हैं। 2017-18 के आंकड़ों के अनुसार इस सरकार ने 45 साल की सबसे ऊँची दर 6.1% पर युवा बेरोजगारी दर पहुंचा चुकी है। 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने की घोषणा इस सरकार ने करके खूब वाहवाही लूटी थी लेकिन हकीकत में ठउफइ के 2024 के आंकड़ों के अनुसार 10,546 किसानों ने आत्महत्याएँ की है जो कहीं से कम नहीं हुई है। महंगाई को कम करने दावे वादों के बीच लोकलुभावन घोषणाएं सभी को याद होंगी लेकिन अब वें यादों में ही रह गई हैं। अच्छे दिन आने वाले हैं का वादा करके देश को सबसे बुरे दिन में पहुंचा दिया गया। घरेलू सिलेंडर जो 2014 में जहां ?410 वो आज 2026 में ?1100 से ज्यादा हो चुका है। पेट्रोल और डीजल जहां 100 पार कर चुका है ऐसे में आम इंसान कैसे महंगाई से बचा, यह सरकार को बताना चाहिए।

रौशन आनंद के भाई की मौत,आंख पर चोट

पटना। पटना के ज्ञानबिंदु कोचिंग के डायरेक्टर रौशन आनंद के भाई प्रिंस यादव की मौत हो गई है। नेपाल के विराटनगर के एक होटल में शव मिला है।प्रिंस की आंख पर चोट के निशाना हैं। बताया जा रहा है कि बॉडी में जहर भी पाया गया है। नेपाल पुलिस ने इस मामले में 5 लोगों को हिरासत में लिया है। 2 जून को खान सर कोचिंग में हुए हमले के बाद खान सर ऊर्फ फैजल खान की ओर से कराई गई एफआईआर में प्रिंस भी नामजद आरोपी था। एफआईआर होने के बाद अपने 6-7 दोस्तों के साथ प्रिंस नेपाल में रह रहा था। देर रात उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई है। मामले की जानकारी मिलते ही रौशन आनंद के परिजन नेपाल के लिए रवाना हो गए हैं। प्रिंस पर 2021 में भी खान सर की कोचिंग पर हमले का आरोप था।प्रिंस यादव के चाचा मनोज सिंह ने बताया कि रविवार की सुबह सोशल मीडिया जरिए घर वालों को प्रिंस यादव की मौत की जानकारी मिली। मौत कैसे हुई है यह पता नहीं है, लेकिन नेपाल के विराट नगर में एक होटल से उसकी संदिग्ध मौत की जानकारी मिली है।एक भाई रोशन आनंद पटना के बेउर जेल में बंद है। दूसरे की संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई है। रोशन आनंद की चचेरी बहन की 29 जून को शादी होनी है, लेकिन प्रिंस की मौत के बाद बहन की शादी टल गई है। पूरे घर का माहौल गम में बदल गया है। 2 जून को खान सर की कोचिंग पर हमला हुआ था। इसमें ज्ञान बिंदु के डायरेक्टर समेत 3 लोगों की गिरफ्तार हुई थी। रौशन आनंद अभी जेल में हैं। सोमवार को उनकी बेल पर सुनवाई होगी। इस मामले में खान सर के गाड्र्स का भी फायरिंग करते वीडियो सामने आया है। इसके बाद पुलिस ने खान सर पर भी ऋकफ की थी। उनके दोनों गाड्र्स को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया था। पटना सिविल कोर्ट ने खान सर की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। उनके गाड्र्स की जमानत याचिका खारिज की गई है। दोनों फिलहाल जेल में हैं।

विश्व रक्तदाता दिवस पर ए.एन. कॉलेज में रक्तदान शिविर, 40 से अधिक यूनिट रक्त संग्रहित

पटना। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर अनुग्रह नारायण ए.एन. कॉलेज, पटना के एस.एन. सिन्हा सभागार में राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस इकाई एवं प्रथमा ब्लड बैंक के संयुक्त तत्वावधान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं एनएसएस स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रक्तदान किया।कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. रत्ना अमृत की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर सभी शिक्षकों, कर्मचारियों एवं एनएसएस स्वयंसेवकों ने नियमित रक्तदान करने तथा समाज के अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करने की शपथ ली।अपने संबोधन में प्राचार्या प्रो. रत्ना अमृत ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रक्तदान महादान है। रक्त का एक यूनिट किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन की रक्षा कर सकता है। प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को नियमित रूप से रक्तदान करना चाहिए। शिविर का प्रमुख आकर्षण प्रथमा ब्लड बैंक द्वारा उपलब्ध कराया गया एआई आधारित ईजी चेक उपकरण रहा, जिसके माध्यम से बिना रक्त निकाले और बिना किसी दर्द के हीमोग्लोबिन की जांच की गई। प्रथमा ब्लड बैंक के श्री पंकज बघेल एवं रणधीर कुमार की देखरेख में की गई इस सुविधा ने रक्तदाताओं में विशेष उत्साह उत्पन्न किया। शिविर में एनएसएस स्वयंसेवकों के साथ-साथ महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया।

टी.पी.एस. कॉलेज में स्वयंसेवा कार्यक्रम के अंतर्गत रक्तदान शिविर का आयोजन

पटना। पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के निदेशानुसार संचालित 30 घंटे के अनिवार्य स्वयंसेवा कार्यक्रम के अंतर्गत टी.पी.एस. कॉलेज, पटना में राष्ट्रीय सेवा योजना , राष्ट्रीय कैडेट कोर, आईक्यूएसी तथा प्रथमा के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं युवाओं में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा समाज सेवा की भावना को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. तपन कुमार शांडिल्य ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन प्रदान कर सकता है। उन्होंने कहा कि युवाओं को रक्तदान जैसे जनहितकारी कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए, क्योंकि यह न केवल किसी की जान बचाने का माध्यम है बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व का भी प्रतीक है। प्राचार्य ने स्वयंसेवा कार्यक्रम की चर्चा करते हुए कहा कि पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय द्वारा प्रारंभ किया गया यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन एवं सामाजिक चेतना को विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने विद्यार्थियों से समाज और राष्ट्र के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। रक्तदान शिविर के दौरान प्रतिभागियों को रक्तदान की प्रक्रिया, इसके लाभ तथा इससे जुड़ी भ्रांतियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रक्तदान के महत्व को समझा और समाज सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम में प्रो. कृष्ण नंदन प्रसाद, डॉ विनय भूषण कुमार, डॉ. हंस कुमार सिंह, डॉ. उमेश कुमार , डॉ. प्रशांत कुमार तथा डॉ. रवि प्रभाकर उपस्थित रहे। छात्र प्रतिनिधि डॉ. अंकित कुमार एवं शिवम कुमार ने शिविर के सफल संचालन में सक्रिय भूमिका निभाई तथा विद्यार्थियों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया।

मार्शल आर्ट्स समर कैंप 2026 का सफल समापन, 100 से अधिक बच्चों ने लिया भाग

नई सोच एक्सप्रेस

दानापुर।रेलवे जगजीवन स्टेडियम, दानापुर में आयोजित मार्शल आर्ट्स समर कैंप 2026 का समापन समारोह शनिवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। डिविजनल स्पोर्ट्स एसोसिएशन, दानापुर एवं गोल्डन मार्शल आर्ट अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में 1 जून से 14 जून 2026 तक आयोजित इस प्रशिक्षण शिविर में खगौल, फुलवारीशरीफ एवं दानापुर क्षेत्र के 100 से अधिक बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों में बालिकाओं एवं महिलाओं की संख्या उल्लेखनीय रही। समापन समारोह में पूर्व मध्य रेलवे, दानापुर मंडल के सीनियर डिविजनल पर्सनल ऑफिसर अतुल कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं विशिष्ट अतिथियों में प्रसिद्ध प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. श्रेया झा, समाजसेवी विनोद कुमार गुप्ता (वीरू जी), बिहार राज्य जूडो संघ के सचिव राम उदय सिंह, चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ. सागर कुमार अम्बष्ठ तथा डिविजनल स्पोर्ट्स एसोसिएशन, दानापुर के सचिव ब्रजेश कुमार चौबे,बबन कुंवर सेवा समिति, पटना के सचिव अमित कुमार सिंह, पुलिस निरीक्षक संतोष कुमार शामिल रहे। "इस अवसर पर मखदुमपुर सरारी की मीरा कुमारी एवं मुर्गियाचक कोथवां के आर्यन सिंह ने मार्शल आर्ट की विभिन्न तकनीकों के माध्यम से आत्मरक्षा के गुरों का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।" गोल्डन मार्शल आर्ट अकादमी के निदेशक एवं एनआईएस कोच विजय लाल यादव ने बताया कि समर कैंप का मुख्य उद्देश्य बच्चों में मार्शल आर्ट, जूडो, कराटे, आत्मरक्षा, शारीरिक फिटनेस, अनुशासन एवं खेलों के प्रति रुचि विकसित करना है। साथ ही उन्हें विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना भी इस शिविर का प्रमुख लक्ष्य रहा। कैंप के सफल संचालन में एनआईएस कोच विजय लाल यादव के साथ प्रशिक्षक राहुल राज, आर्यावर्त कुमार अमन, अजय कुमार, राहुल कुमार, विक्रांत सिंह, अमन कुमार एवं आर्यन सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा। समर कैंप के दौरान कई प्रतिभागियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से सभी का ध्यान आकर्षित किया। इनमें अद्विका, अद्विक, रागिनी, सलोनी, दीपिका, शिवानी, प्रकृति, राधा, वैष्णवी, प्रीति, नंदिनी, सनी, दिव्यांश, रवि, आराध्या, अनुष्णा, सार्थक, तेजांश, माही एवं विवेक प्रमुख रहे। समापन समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि अतुल कुमार ने सभी प्रतिभागी बच्चों को प्रमाण-पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया। साथ ही प्रशिक्षकों द्वारा चयनित प्रतिभाशाली बच्चों को एक वर्ष तक निःशुल्क प्रशिक्षण देने की घोषणा भी की गई। इस अवसर पर विजय लाल यादव ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविर बच्चों के सर्वांगीण विकास, आत्मविश्वास में वृद्धि तथा खेल संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को खेल एवं शारीरिक गतिविधियों से जोड़ने की अपील भी की। कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों, अभिभावकों एवं अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

माय भारत के सीईओ ने वॉलंटियर के कार्यो को सराहा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।भारत सरकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय , मेरा युवा भारत दिल्ली के सीईओ डॉ प्रियंका शुक्ला से युवा आवास पटना में प्रेम यूथ फाउंडेशन के दर्जनों स्वयंसेवको में मिलकर फाउंडेशन के क्रियाकलापों के बारे में विस्तार से बताया । फाउंडेशन के संस्थापक गांधीवादी प्रेम जी ने बताया कि फॉउंडेशन बिगत तीन दशकों से युवाओं को राष्ट्र के मुख्य धारा में जोड़ने के लिए सतत प्रयासरत है । गाँव से युवा मंडल के रूप में प्रेम यूथ फाउंडेशन का गठन हुआ जो आज एक अंतरराष्ट्रीय युवा संगठन के रूप में काम कर रहा है । सीईओ डॉ प्रियंका शुक्ला ने फॉउंडशन के कार्यो की सराहना करते हुये कहा कि मेरा युवा भारत से जोड़कर हम बड़े स्तर पर युवाओ को रचनात्मक कार्यो की ओर प्रेरित कर रहे है । उन्होंने युवा आवास में जिम खोंलने की सलाह मेरा युवा भारत के राजयनिदेशक कपिलदेव शास्त्री को दिय्य । डॉ शुक्ला ने कहा कि युवाओ को सामाजिक कार्यो में बढ़चढ़ कर भाग लेना ही चाहिए । फॉउंडशन के प्रोग्राम ऑफिसर ऋतिक राज वर्मा ने बताया कि हमारे हजारों स्वयंसेवक स्वच्छता अभियान, नशा मुक्ति अभियान , प्लास्टिक मुक्त भारत, पेड़ लगाओ अभियान, सड़क सुरक्षा अभियान का संचालन कर रहे है । मौके पर मेरा युवा भारत दिल्ली के संयुक्त निदेशक मोहन सिंह शाही, राजयनिदेशक कपिलदेव शास्त्री, एसपी कर्ण, जिला युवा अधिकारी निशा कुमारी, युवा आवास के केयर टेकर मनीष कुमार, सुनील कुमार समेत दर्जनों स्वयंसेवक मौजूद रहे ।

दो दिन में लूट कांड का खुलासा , तीन गिरफ्तार , एक पिस्टल, चार गोली, तीन लाख 42 हजार बरामद

नई सोच एक्सप्रेस

दानापुर।पिछले शुक्रवार को शाहपुर के हथियाकांघ में दिन दहाड़े एक वृद्ध महिला को बंधक बनाकर हुई लूटकांड का पुलिस ने दो दिन के अंदर खुलासा कर दिया। पुलिस ने पवन कुमार मकदुमपुर दीघा,कौशल कुमार, लक्ष्मीचक शाहपुर, हिमांशु कुमार दीघा गेट न0-94 दीघा निवासी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार के पास से एक देसी पिस्टल, चार गोली , एक चिडिया मारने वाला एयरगन , तीन मोबाइल व लूट गई 3,42,200 नगद रूपये बरामद किया गया है। एएसपी शिवम धाकड ने रविवार को प्रेस वार्ता में बताया कि पिछले शुक्रवार को दिन दहाडे हथियाकांध निवासी राजेंद्र साव के घर पानी पीने के बहाने तीन बदमाशों ने उनकी वृद्ध मां को पिस्टल के नोंक पर बंधक बनाकर तीन लाख नगद व सोने-चांदी के जेवरात लूट लिया था। इस मामले में सिटीएसपी पश्चिमी के निर्देश के आलोक में एएसपी के नेतृत्व में एसआईटी टीम गठित किया गया था.एएसपी ने बताया कि वैज्ञानिक व तकनीकी अनुसंधान के आधार पर अभियुक्त पवन कुमार , कौशल कुमार व हिमांशु कुमार को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार तीनों के निशानदेही पर 1 देशी कट्टा, 4 कारतूस, चिड़िया मारने वाला एयरगन पिस्टलनुमा व लूटे गये नगद 3.42.200/रूपये तथा आभूषण व घटना में प्रयुक्त 3 मोबाइल बरामद किया गया एएसपी ने बताया कि गिरफ्तार पवन कुमार से गृहस्वामी की बहू प्रीति कुमारी फोन पर बातचीत करती थी और कहा था कि घर में नगद व जेवरात रखे हुए है। प्रीति के इशारे पर तीन ने पिस्टल के नोंक पर बंधक बनाकर लूटपाट का अंजाम दिया गया था। प्रीति की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। गिरफ्तार पवन, कौशल व हिमांशु से पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

टीम अभिमन्यु के राष्ट्रीय संरक्षक अभिमन्यु यादव का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।टीम अभिमन्यु के राष्ट्रीय संरक्षक एवं बिहार सरकार के सहकारिता विभाग के मंत्री रामकृपाल यादव के पुत्र अभिमन्यु यादव का जन्मदिन 14 जून को टीम अभिमन्यु के कार्यकर्ताओं, समर्थकों एवं शुभचिंतकों द्वारा उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।इस अवसर पर विभिन्न स्थानों पर केक काटकर, एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर तथा सामाजिक कार्यक्रम आयोजित कर जन्मदिन की खुशियां साझा की गईं। टीम अभिमन्यु के सदस्यों ने अभिमन्यु यादव के दीर्घायु एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समर्थकों ने कहा कि अभिमन्यु यादव हमेशा गरीब, असहाय और जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए तत्पर रहते हैं। उनका मानना है कि अभिमन्यु यादव युवाओं के बीच लोकप्रिय हैं और समाज सेवा के क्षेत्र में लगातार सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। टीम अभिमन्यु के कार्यकर्ताओं ने उन्हें गरीबों का मसीहा बताते हुए कहा कि वे लोगों की समस्याओं को सुनने और उनके समाधान के लिए हर संभव प्रयास करते हैं। कार्यकर्ताओं का कहना है कि आने वाले समय में अभिमन्यु यादव बिहार के विकास, युवाओं के उत्थान और सामाजिक बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।उन्होंने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व और सामाजिक सोच से बिहार की तकदीर और तस्वीर बदलने की दिशा में सकारात्मक कार्य होंगे। जन्मदिन समारोह में बड़ी संख्या में टीम अभिमन्यु के सदस्य, समर्थक और स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे तथा सभी ने अभिमन्यु यादव को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

किसानों से जमीन छीनकर महल बनाने का सपना छोड़ो ,हर खेत मे नहर बनाओ, किसान सपनों का खेती करे- शोभा पटेल

नई सोच एक्सप्रेस

फतुहा। भाजपा नेत्री शोभा पटेल ने कहा है कि देश और बिहार के विकास की परिभाषा केवल शहर बसाने, कंक्रीट के जंगल खड़े करने और किसानों की उपजाऊ जमीन अधिग्रहित करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। यदि विकास की कीमत किसानों की जमीन, उनकी आजीविका और खाद्य सुरक्षा है, तो यह विकास नहीं बल्कि भविष्य के साथ खिलवाड़ है। सरकारों को यह समझना होगा कि किसान केवल अन्नदाता ही नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। उन्होंने कहा कि आज बड़ी संख्या में कृषि भूमि का उपयोग सड़क, भवन, कॉलोनी और औद्योगिक परियोजनाओं के लिए किया जा रहा है। इससे खेती योग्य भूमि लगातार घट रही है। यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाले समय में खाद्यान्न संकट पैदा हो सकता है। इसलिए किसानों की जमीन छीनने की नीति पर पुनर्विचार करते हुए कृषि को मजबूत बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। शोभा पटेल ने कहा कि सरकार हर खेत तक सिंचाई की व्यवस्था सुनिश्चित करे। नहरों का जाल बिछाया जाए ताकि किसानों को समय पर पानी मिल सके। खेती की लागत कम करने के लिए सस्ती खाद, बीज और कृषि यंत्र उपलब्ध कराए जाएं। किसानों को फसल उत्पादन से लेकर विपणन तक हर स्तर पर सहायता मिले, तभी उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि पारंपरिक खेती के साथ-साथ आधुनिक और लाभकारी कृषि को बढ़ावा देने की जरूरत है। किसानों को आम, अमरूद, पपीता, हल्दी, धनिया, मिर्च, इलायची, दालचीनी काली मिर्च,जीरा, लौंग, हींग, केशर, सौंफ, सरसों, जायफल तेजपत्ता, संतरा, मोसबी, अखरोट, किसमिस, छुहारा, सेव, जामून, कटहल तथा अन्य बागवानी एवं मसाला फसलों की खेती के लिए प्रोत्साहित किया जाए। ऐसी फसलें कम भूमि में अधिक आय देने की क्षमता रखती हैं और किसानों की आमदनी बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। उन्होंने सरकार से मांग की कि किसानों को कर्ज के बोझ से मुक्त करने के लिए विशेष योजनाएं बनाई जाएं। आज किसान बीज, खाद और सिंचाई के लिए कर्ज लेते हैं और कई बार प्राकृतिक आपदा या बाजार की मार के कारण उन्हें नुकसान उठाना पड़ता है। ऐसे में कृषि को लाभ का व्यवसाय बनाने के लिए प्रभावी नीतियां बनानी होंगी। शोभा पटेल ने कहा कि देश की खुशहाली खेतों की हरियाली से जुड़ी है। यदि किसान समृद्ध होंगे तो गांव मजबूत होंगे और गांव मजबूत होंगे तो देश स्वतः मजबूत बनेगा। इसलिए सरकार को किसानों की जमीन अधिग्रहित करने की बजाय खेती को आधुनिक, लाभकारी और टिकाऊ बनाने पर ध्यान देना चाहिए। यही सच्चे अर्थों में ग्रामीण विकास और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में सबसे बड़ा कदम होगा।

एएन कॉलेज में 'भर ले उड़ान' के 10वें सीज़न का भव्य आयोजन

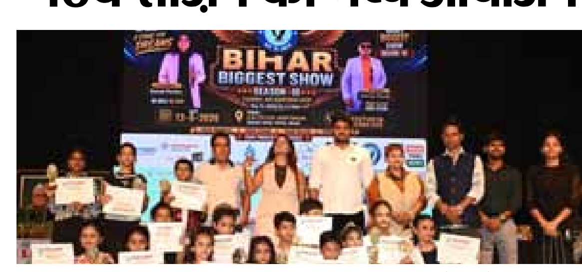

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बहिार के युवाओं को कला और संस्कृति के क्षेत्र में मंच प्रदान करने वाले कार्यक्रम 'भर ले उड़ान' के 10वें सीज़न का भव्य आयोजन पटना के एएन कॉलेज में हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन पटना की मेयर सीता साहू ने दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद भीम सिंह ने मंच की सराहना करते हुए कहा कि बिहार की प्रतिभाएं देशभर में पहचान बना रही हैं। पूर्व मंत्री श्याम रजक, भाजपा मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल, नमो ऐप के सहसंयोजक सौरभ भारती पासवान तथा साइबर डीएसपी नितीश चंद्र धैर्या ने भी युवाओं को प्रोत्साहित किया। मंच की अध्यक्ष कोमल पांडे और सचिव स्वीटी पंडित ने कहा कि 'भर ले उड़ान' पिछले एक दशक से बिहार की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का कार्य कर रहा है। प्रतियोगिता में सृष्टि गुप्ता, आर्यन राज, आयुष राज, आदर्श शर्मा, सौम्या, अनिका, आराध्या, आदिश और अनामिका ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। आयोजकों के अनुसार बिहार के विभिन्न जिलों से 500 से अधिक प्रतिभागियों और समूहों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। कार्यक्रम का संचालन समीर मलिक ने किया।

छावनी परिषद प्रशासन द्वारा विश्व रक्तदान दिवस पर रक्तदान शिविर आयोजित

नई सोच एक्सप्रेस

दानापुर। छावनी परिषद प्रशासन द्वारा विश्व रक्तदान दिवस पर बस पडाव पानी टंकी में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 11 लोगों ने रक्तदान किया गया। परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वरुण कुमार कहा कि कहा कि रक्तदान किसी जरूरतमंद व्यक्ति को जीवन देने का सबसे बड़ा माध्यम है। दुर्घटना, प्रसूति, थैलेसीमिया और गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों के लिए रक्त की आवश्यकता हमेशा बनी रहती है, इसलिए स्वैच्छिक रक्तदान बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों को मजबूत करते हैं। उन्होंने लोगों से नियमित रक्तदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि आम लोगों से छावनी परिषद द्वारा संचचालित जीवक आरोग्य केंद्र में होम्योपैथ आयुर्वेद और एलोपैथिक का इलाज करने की अपील किया है। उन्होंने रक्तदाताओं के बीच प्रथम ब्लडबैंक के द्वारा प्रमाण पत्र वितरण किया गया. मौके पर मोहम्मद फिरोज, कन्हैया , पप्पू समेत आदि मौजूद थे।

रक्तदान से बड़ा कोई पुण्यकार्य नहीं : प्रत्यय

नई सोच एक्सप्रेस

» विश्व रक्तदाता दिवस पर आईएएस भवन में भव्य रक्तदान शिविर पर 190 यूनिट रक्त संग्रहित

पटना।विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर आज आईएएस भवन, पटना के सभागार में आईएएस एसोसिएशन, अन्य ऑल इंडिया सर्विस एसोसिएशनों तथा उनके ऑफिसर्स वाइव्स एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 190 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। इस अवसर पर रक्तदान करने वाले सभी रक्तवीरों को सम्मानित भी किया गया। आयोजकों ने इसे मानवता और जनसेवा के प्रति समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।शिविर का शुभारंभ बिहार के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, पुलिस महानिदेशक विनय कुमार, प्रधान मुख्य वन संरक्षक प्रभात कुमार गुप्ता, अभय कुमार, सुरेंद्र सिंह, वी.एस. दुबे (सेवानिवृत्त आईएएस), हरजोत कौर (सचिव, आईएएस वाइफ्स एसोसिएशन) तथा श्रीमती ऋचा गुप्ता (अध्यक्षा, आईएएस वाइफ्स एसोसिएशन) द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।इस अवसर पर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने कहा कि रक्तदान जीवनदान है और इससे बड़ा पुण्य कार्य कोई नहीं हो सकता। यह ऐसा मानवीय कार्य है, जो बिना किसी आर्थिक व्यय के किसी जरूरतमंद को नया जीवन प्रदान करता है। उन्होंने माँ ब्लड सेंटर द्वारा पिछले छह वर्षों से किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि संस्था ने अब तक हजारों लोगों तक जीवनरक्षक रक्त पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से नियमित रक्तदान करने का आह्वान किया। पुलिस महानिदेशक विनय कुमार ने कहा कि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। उन्होंने इस पुनीत आयोजन में बड़ी संख्या में अधिकारियों, कर्मचारियों एवं सदस्यों की भागीदारी की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक पहल बताया। कार्यक्रम में आईएएस, आईपीएस एवं आईएफएस सेवाओं के अनेक अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। रक्तदान शिविर के तकनीकी संचालन में माँ वैष्णो देवी सेवा समिति द्वारा संचालित माँ ब्लड सेंटर, दरियापुर, पटना ने महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।दीपक कुमार सिंह के कुशल मार्गदर्शन तथा माँ ब्लड सेंटर के मुकेश हिसारिया, जय प्रकाश अमिताभ, संजय तोतला, प्रकाश अग्रवाल, सरदार जगजीवन सिंह बबलू जी, मनीष बनेटिया,नरेश अग्रवाल, आलोक अग्रवाल, सौरभ कुमार, पंकज लाहुरका, शंभू केशरी, सुनील अग्रवाल, कन्हैया अग्रवाल, राजेश बजाज, अरविंद साहू, अरविंद आनंद, अनंत अग्रवाल, मुकेश कांत, विनय बजाज एवं अमरेश अग्रवाल की सक्रिय देखरेख में शिविर का सफल संचालन किया गया। रक्तदान करने वालों में एडीजी कुंदन कृष्णन, म्युनिसिपल कमिश्नर यशपाल मीणा, डीएफओ पटना पीयूष बरनवाल, आईएफएस एस. चंद्रशेखर, आईएएस संतोष कुमार मल्ल, आईएएस दिवेश सेहरा, आईएएस निशा मणि सहित भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा एवं भारतीय वन सेवा के अनेक अधिकारियों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। इसके अतिरिक्त कई पुलिस अधिकारियों, पटना जू के कर्मियों, वन संरक्षण में लगे फॉरेस्ट गार्डों एवं वनपालों ने भी उत्साहपूर्वक रक्तदान कर इस अभियान को सफल बनाया।

संक्षिप्त समाचार

उपभोक्ताओं को समय पर नहीं मिल रहा गैस सिलेंडर

वैशाली। प्रशासनिक सक्रियता के बावजूद समय पर गैस नहीं मिलने पर गैस उपभोक्ताओं ने आक्रोश जताया है।प्रखंड क्षेत्र के बेलकुंडा चौक पर गैस उपभोक्ताओं की लगी लंबी लाइन। विदित हो कि निषाद गैस एजेंसी हाजीपुर द्वारा प्रत्येक रविवार को गैस दिया जाता है।अनेक गैसउपभोक्ताओं ने बताया कि एक दिन पूर्व नंबर लगाया गया है। किसी का चार दिन पहले किसी का 5 दिन पहले नंबर है। लगभग 150 गैस सिलेंडर की लाइन होली सुबह 3 बजे से लगी है।लेकिन आधे लोगों को ही गैस मिल पाता है। फिर उन्हें अगले रविवार का इंतजार करना पड़ता है। अनेक गैस उपभोक्ता बबलू कुमार, रंजीत कुमार, रत्नेश शुक्ला, आकाश कुमार, संजीव कुमार ,राजीव कुमार ,राजेश कुमार ,मुकेश कुमार, दिलीप कुमार, शंकर कुमार सिंह, धर्मेंद्र कुमार आदि ने बताया कि सरकार के आदेश के बाद भी गैस लेने वाले उपभोक्ता बताया कि प्रशासनिक व्यवस्था के बीच गैस का वितरण रविवार को बेलकुंडा चौक पर किया जाए और सभी गैस उपभोक्ता को गैस उपलब्ध कराया जाए।

स्वतंत्रता सेनानी की पत्नी का निधन क्षेत्र में शोक

वैशाली।प्रखंड के नारायणपुर बुजुर्ग पंचायत के बेलकुंडा निवासी महान स्वतंत्रता सेनानी स्व विंदा प्रसाद सिंह की धर्मपत्नी राजवती देवी का शनिवार की देर रात निधन हो गया। वह 95 वर्ष की थी एवं लम्बे समय से बीमार थी वे एक महान समाजसेवी धर्म परायण महिला थीं ।सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर हिसा लेती थी।गरीब असहाय की हमेशा मदद करती थीं। इनके 2 पुत्र व चार पुत्रियां हैं। निधन उपरांत उनके सम्मान में बेलकुंडा चौक के सारी दुकानें बंद रही। अंचल सह प्रखंड कार्यालय से राजस्व कर्मचारी मुनाजिर हुसैन व पंचायत सचिव गोपाल शर्मा ने पहुंचकर उनके शव पर फूल माला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी निधन की सूचना पर कई जनप्रतिनिधि, समाजसेवी एवं अंचलकर्मी मौके पर पहुंचकर उनके पार्थिव शरीर पर फूल माला चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की।श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में पंचायत की मुखिया बेबी देवी, अमरेश सिंह,सुबोध कुमार ,सुधीर कुमार, सरपंच प्रतिनिधि ऋषि कुमार, डब्लू साह, नितेश कुमार, ब्रजकिशोर सिंह, अरविंद कुमार, भाजपा नेता पप्पू कुमार,सुबोध कुमार, सुनील कुमार सिंह आदि शामिल हैं।

विमान हादसे में असामयिक दुर्घटना में जहानाबाद के वीर सपूत फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार को भावभीनी श्रद्धांजलि

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। असम के जोरहाट में हुए दुखद विमान हादसे में भारतीय वायुसेना के होनहार अधिकारी, फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार (25 वर्ष) देश की सेवा करते हुए शहीद हो गए हैं। शहीद शुभम कुमार जहानाबाद जिले के हुलासगंज थाना क्षेत्र के बनवरिया गांव के निवासी थे। इस अत्यंत दुखद घड़ी में वीर शहीद के सम्मान में और शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाने हेतु माननीय केंद्रीय मंत्री श्री जीतन राम मांझी, आईजी श्री विकास वैभव, घोसी विधायक श्री ऋतुराज कुमार, जहानाबाद विधायक श्री राहुल शर्मा, जिलाधिकारी श्रीमती अलंकृता पांडे एवं पुलिस अधीक्षक श्री अपराजित लोहान पैतृक गांव बनवरिया पहुंचे। सभी प्रबुद्ध जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने पीड़ित परिवार से मिलकर गहरी संवेदना प्रकट की, उन्हें हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया तथा सैकड़ों आम लोगों के साथ नम आंखों से वीर सपूत को अंतिम विदाई दी। देश सेवा में अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार को पुलिस और जिला प्रशासन की ओर से शत-शत नमन एवं भावभीनी श्रद्धांजलि।

छपरा बहास बाजार में प्रशासन की अतिक्रमण हटाओ कार्रवाई, जेसीबी से हटाया गया कब्जा

मोतिहारी। सुगौली प्रखंड अंतर्गत दक्षिणी छपरा बहास-सुगौली बायपास रोड स्थित छपरा बहास बाजार में रविवार को प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। न्यायालय के आदेश के आलोक में चलाए गए इस अभियान में अतिक्रमित भूमि को जेसीबी मशीन की सहायता से खाली कराया गया। अभियान का नेतृत्व अंचलाधिकारी सह दंडाधिकारी कुंदन कुमार ने किया। इस दौरान थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह, पुलिस पदाधिकारी एवं भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहे। प्रशासन की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई गई।जानकारी के अनुसार भूमि विवाद से संबंधित मामले में न्यायालय में वाद दायर किया गया था, जिसके बाद न्यायालय के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। अतिक्रमण हटाने के दौरान बाजार क्षेत्र में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बना रहा, हालांकि किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे।प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि न्यायालय के आदेश का पालन करते हुए अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया गया है। साथ ही चेतावनी दी गई कि सरकारी एवं विवादित भूमि पर अवैध कब्जे के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। प्रशासन ने लोगों से कानून का पालन करने तथा सार्वजनिक भूमि को अतिक्रमण मुक्त रखने में सहयोग करने की अपील की है।

ठनका गिरने से किसान की मौत, परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़-सांसद

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। जिले के शकूराबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत रतनी-फरीदपुर प्रखंड के सिकंदरपुर पंचायत स्थित पांडेचक गांव में शनिवार की शाम असमानी बिजली गिरने से एक किसान की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान 55 वर्षीय नरेश यादव के रूप में की गई है। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई, जबकि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।जानकारी के अनुसार नरेश यादव एक साधारण किसान थे और खेती-बाड़ी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। शनिवार की शाम वे अपने पशुओं को चराने के लिए खेत की ओर गए थे। इसी दौरान अचानक मौसम खराब हो गया और तेज बारिश शुरू हो गई। बारिश के बीच उनकी भैंस दूसरे खेत की ओर चली गई। फसल को नुकसान से बचाने के लिए नरेश यादव भैंस को हटाने के लिए उसके पीछे दौड़े। तभी अचानक तेज गर्जना के साथ ठनका गिरा और वे उसकी चपेट में आ गए। वज्रपात इतना तेज था कि घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। मृतक अपने परिवार के एकमात्र कमाऊ सदस्य थे। उनके परिवार में पत्नी समेत सात बच्चे हैं, जिनमें चार पुत्र और तीन पुत्रियां शामिल हैं। उनकी असामयिक मृत्यु से परिवार के सामने आजीविका का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। बताया जाता है कि मृतक नरेश यादव का संबंध राजद नेता सुरेश यादव के परिवार से था। घटना की जानकारी मिलते ही सांसद और विधायक पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे तथा शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। सांसद डॉ.सुरेंद्र यादव ने कहा कि यह घटना अत्यंत दुखद और मर्माहत करने वाली है। उन्होंने कहा कि दिवंगत के निधन से समाज ने एक सरल, मिलनसार और मेहनती व्यक्ति को खो दिया है। उन्होंने राज्य सरकार से पीड़ित परिवार को शीघ्र मुआवजा देने के साथ-साथ आपदा सहायता राशि में बढ़ोतरी करने की मांग की। विधायक राहुल कुमार ने भी परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान महंगाई को देखते हुए आपदा पीड़ित परिवारों को मिलने वाली सहायता राशि बढ़ाई जानी चाहिए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार द्वारा निर्धारित मुआवजा राशि जल्द से जल्द उपलब्ध कराने के लिए प्रशासनिक स्तर पर आवश्यक कार्रवाई करायी जाएगी।

जहानाबाद जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष के नेतृत्व में संगठन सृजन साथी जोड़ो अभियान जारी

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। जिले के घोसी एवं रतनी प्रखंड के कई गांवों में जनसंपर्क कर सृजन साथी जोड़ा गया। घोसी प्रखंड के घोसी, सोनवां, कुर्रे, सैदपुर, गोलकपुर, रतनी प्रखंड के शकुराबाद बाजार में भारी संख्या में युवा वर्ग और महिलाएं कांग्रेस संगठन से जुड़े। जनसंपर्क के दौरान ग्रामीणों ने बताया कि देश के हालात बहुत खराब है। ना रोजगार है ना ही सुरक्षा है। खाद्य सुरक्षा में मिलने वाले अनाज भी सरकार नहीं दे रही है। बहुत लोगों का राशन कार्ड बंद कर दिया गया है। किसान को खाद बीज नहीं मिल रहा है। महिला सुरक्षित नहीं है। बिहार में अपराध बढ़ गया है। रोज हत्या बलात्कार हो रहा है देश की आर्थिक स्थिति बहुत खराब है। देश के प्रधानमंत्री खाली झूठ बोलते हैं । लोगों को आपस में लड़ाया जा रहा है देश में हिंदू मुस्लिम की नफरत फैलाया जा रहा है जात पात अगड़ा पिछड़ा कर आपस में लड़ाया जा रहा है। बिना कांग्रेस के देश में विकास नहीं होगा हम गरीब लोगों के लिय कांग्रेस ही काम करती थी । इसलिए कांग्रेस को लाना है भाजपा को भगाना है और राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना है।नेताओं ने ग्रामीणों से कांग्रेस की नीतियों और केंद्र सरकार की जनविरोधी कार्यों के बारे में जानकारी दी। इस अभियान में जिला कांग्रेस के प्रवक्ता प्रोफेसर भूषण कुमार सिंह, पूर्व अध्यक्ष हरिनारायण द्विवेदी, प्रांतीय नेता अशोक कुमार प्रियदर्शी, पूर्व महासचिव मनोज कुमार, तबरेज आलम, शहबाज और महेश शर्मा शामिल थे।

पीएम सूर्य घर बिजली योजना के अंतर्गत कुटीर उपभोक्ताओं के घरों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाया गया

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। जिलाधिकारी अलंकृता पाण्डेय के निर्देशानुसार संयुक्त सचिव सह अपर समाहर्ता राजीव कुमार की उपस्थिति में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा आयोजित सीधा प्रसारण देखा गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत 1,512 करोड़ रुपये की लागत से राज्य के 2.5 लाख कुटीर ज्योति उपभोक्ताओं के घरों की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापना कार्य का शुभारंभ किया। इसके साथ ही ऊर्जा क्षेत्र से संबंधित 1,278 करोड़ रुपये की विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन, लोकार्पण एवं कार्यारंभ भी किया गया। नई सरकार के गठन के 60 दिन पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में बताया गया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को स्वच्छ, सस्ती एवं सतत ऊर्जा उपलब्ध कराना है। यह योजना ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके माध्यम से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा तथा कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में भी सहायता प्राप्त होगी। राज्य सरकार एवं ऊर्जा विभाग द्वारा योजना का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। जहानाबाद जिले में प्रथम चरण में 3,163 कुटीर ज्योति उपभोक्ताओं के परिसरों में सोलर संयंत्र स्थापित किए जाने का लक्ष्य है। जिसकी शुरुआत जहानाबाद प्रखंड अंतर्गत कल्पा पंचायत के टाली गांव से किया जा चुका है। यहां चार कुटीर ज्योति उपभोक्ताओं- राजेश कुमार, संगीता देवी, वारिस मियां एवं राम पुकार के घरों में सोलर संयंत्र स्थापित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त सोलर फीडर सोलराइजेशन स्कीम कुसुम योजना के अंतर्गत जिले में चरुई में 7.7 मेगावाट तथा ओकरी में 2 मेगावाट क्षमता के सौर ऊर्जा परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम में उपस्थित अन्य पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को जनहित में एक महत्वपूर्ण एवं दूरदर्शी पहल बताते हुए आम नागरिकों से इसका अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की।

अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक हुए बच्चे, किलकारी में मॉकड्रिल प्रशिक्षण संपन्न

नई सोच एक्सप्रेस

गया जी। किलकारी बाल भवन, गेवाल बिगहा में रविवार को अग्निशमन मॉकड्रिल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य बच्चों एवं प्रतिभागियों को आग लगने की स्थिति में सुरक्षित बचाव, प्राथमिक उपचार तथा आपदा प्रबंधन की जानकारी प्रदान करना था।प्रशिक्षण के दौरान अग्निशमन विभाग के विशेषज्ञों ने आग लगने के कारणों, उससे बचाव के उपायों तथा अग्निशामक यंत्र(फायर एक्सटिंग्विशर) के सही उपयोग की विस्तृत जानकारी दी। मॉकड्रिल के माध्यम से प्रतिभागियों को आपातकालीन परिस्थितियों में सुरक्षित निकासी और त्वरित प्रतिक्रिया का व्यवहारिक अभ्यास भी कराया गया किलकारी बिहार बाल भवन के प्रमंडल कार्यक्रम समन्वयक राजीव रंजन श्रीवास्तव ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अग्नि सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन की जानकारी होना आवश्यक है, ताकि आपातकालीन स्थिति में वह स्वयं तथा अन्य लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सके।वहीं किलकारी की प्रमंडल संसाधन सेवी सोनम कुमारी ने बताया इस प्रकार की मॉकड्रिल लोगों में जागरूकता बढ़ाने और दुर्घटना के समय सही निर्णय लेने में सहायक होती है। उन्होंने कहा कि बच्चों को व्यवहारिक प्रशिक्षण देकर सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाना संस्था की प्राथमिकता है।कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों से अग्नि सुरक्षा संबंधी नियमों का पालन करने की अपील की गई। इस अवसर पर सब ऑफिसर जयप्रकाश सिंह, प्रधान अग्निक धर्मेंद्र पासवान, अग्नि चालक शिव शंकर कुमार, ऑफिसर अमरनाथ कुमार, अग्नि चालक राजेश रंजन एवं शिवेश कुमार, अग्नि कर्मी नीलम कुमारी और राजू सिंह सहित किलकारी के सभी कर्मी, प्रमंडल संसाधन सेवी, सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी तथा सहायक लेखा पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विश्व रक्तदाता दिवस पर मानवता का महादान शिविर में उमड़ा युवाओं का उत्साह, विक्की मंडल

नई सोच एक्सप्रेस

मधुबनी/बिहार।विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर अयाची नगर युवा फाउंडेशन द्वारा सर गंगानाथ झा वाचनालय, सरिसब-पाही में 61वें स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का नेतृत्व फाउंडेशन के संस्थापक विक्की मंडल ने किया। शिविर में 25 से अधिक युवाओं एवं स्थानीय नागरिकों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा का परिचय दिया। आयोजन का उद्देश्य रक्त की कमी से जूझ रहे मरीजों की सहायता करना तथा समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इस अवसर पर सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए रक्तदाताओं के बीच हेलमेट का भी वितरण किया गया। कार्यक्रम में रक्तदान करते हुए अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार ठाकुर ने कहा कि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। उन्होंने युवाओं से यातायात नियमों का पालन करने तथा वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने की अपील की। फाउंडेशन के संस्थापक विक्की मंडल ने कहा कि रक्तदान केवल रक्त की कुछ बूंदें देना नहीं, बल्कि किसी जरूरतमंद को नया जीवन देने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि संस्था का 61वां रक्तदान शिविर इस बात का प्रमाण है कि समाज के युवा सेवा और जनकल्याण के लिए सदैव तत्पर हैं।संस्था के सदस्य धीरज लाभ ने कहा कि रक्तदान से न केवल मरीजों की जान बचती है, बल्कि यहरक्तदाताओं के स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है। नियमित रक्तदान से नई रक्त कोशिकाओं का निर्माण होता है तथा स्वास्थ्य बेहतर बना रहता है। वही रक्तदाता विकास कुमार साहू ने

» रक्तदान के साथ सड़क सुरक्षा का भी दिया संदेश

महिलाओं से भी बढ़-चढ़कर रक्तदान करने की अपील करते हुए कहा कि रक्तदान से किसी प्रकार का नुकसान नही होता। शिविर में ब्रजनंदन खां, विकास कुमार साहू, आरती झा, मनोज कुमार यादव, राहुल कुमार प्रसाद, सौरव, संदीप, रीतू कुमारी, अनिल कुमार ठाकुर, दीपक कुमार राय, नमो नारायण झा, शिवशंकर कुमार सहनी, आशीष सहनी, सत्यनारायण सहनी, राघव कुमार साहू, पंकज चौधरी, मिथलेश कमती, अखिलेश कुमार तथा कृष्ण गुप्ता सहित कई लोगो ने रक्तदान किया।विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर आयोजित इस शिविर को स्थानीय लोगों ने सराहा और इसे समाजसेवा की दिशा में एक प्रेरणादायी पहल बताया।

पीएम श्री उच्च विद्यालय गोरौल का निरीक्षण, व्यवस्थाओं की सराहना

नई सोच एक्सप्रेस

गोरौल (वैशाली)। राज्य शिक्षा परियोजना की राज्य साधनसेवी नूतन कुमारी ने पीएम श्री उच्च विद्यालय गोरौल का निरीक्षण किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्रशांत कुमार ने उन्हें शॉल एवं पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। निरीक्षण के दौरान राज्य साधनसेवी ने विद्यालय की शैक्षणिक एवं आधारभूत सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि पीएम श्री विद्यालय के रूप में विद्यालय निर्धारित मानकों पर खरा उतर रहा है। छात्रों की उपस्थिति, प्रैक्टिकल लैब, आईसीटी लैब, स्मार्ट क्लास तथा सुसज्जित वर्ग कक्षों की उन्होंने सराहना की। उन्होंने विद्यालय में स्वच्छता एवं शौचालय की बेहतर व्यवस्था पर भी संतोष व्यक्त किया। नूतन कुमारी ने सभी मानकों को पूरा करने के लिए प्रधानाध्यापक एवं शिक्षकों की प्रशंसा करते हुए विद्यालय को और बेहतर ढंग से संचालित करने का सुझाव दिया। मौके पर शिक्षक राजीव कुमार, वीरेंद्र कुमार, शमशेर आलम, राजीव नयन झा एवं पंकज कुमार उपस्थित थे।

वजीरगंज में छठी पुण्यतिथि पर सुशांत सिंह राजपूत को दिया गया भावभीनी श्रद्धांजलि

नई सोच एक्सप्रेस

गया जी। वजीरगंज प्रखंड के बभंडीह गांव में शनिवार को दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की छठी पुण्यतिथि पर द राजपूत ऑफ बिहार संगठन के तत्वावधान में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संगठन के सदस्यों एवं ग्रामीणों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।सभा को संबोधित करते हुए संगठन के संस्थापक अध्यक्ष ठाकुर मंतोष सिंह ने कहा कि बिहार की माटी के लाल सुशांत सिंह राजपूत ने अपनी प्रतिभा, मेहनत और संघर्ष के बल पर देशभर में पहचान बनाई थी। उन्होंने कहा कि उनकी मृत्यु के मामले में आज तक न्याय नहीं मिल पाना समाज के लिए दुखद और चिंताजनक है। उन्होंने सरकार से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को सजा दिलाने की मांग की।उन्होंने कहा कि सुशांत सिंह राजपूत जैसे प्रतिभाशाली कलाकार युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उनकी स्मृति को चिरस्थायी बनाने के लिए बिहार में उनके नाम पर फिल्म सिटी का निर्माण कराया जाना चाहिए, जिससे राज्य के युवाओं को फिल्म एवं कला के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर मिल सके। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत अभिनेता की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। वही वक्ताओं ने कहा कि सुशांत सिंह राजपूत अपने उत्कृष्ट अभिनय, सरल स्वभाव और संघर्षशील व्यक्तित्व के कारण हमेशा लोगों के दिलों में जीवित रहेंगे। गौरतलब है कि 14 जून 2020 को भारतीय सिनेमा ने एक ऐसे कलाकार को खो दिया था, जिसने अपने समर्पण और प्रतिभा के बल पर करोड़ों लोगों के बीच विशेष पहचान बनाई थी। कार्यक्रम का समापन भावपूर्ण श्रद्धांजलि और शत-शत नमन के नारों के साथ हुआ।

बोधगया में जुटे किसान प्रतिनिधि, कृषि सुधारों पर बनी रणनीति

नई सोच एक्सप्रेस

गया जी। अखिल भारतीय किसान सभा की राष्ट्रीय परिषद की दो दिवसीय बैठक बोधगया में संपन्न हुआ। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष राजन क्षीरसागर ने की, जबकि महासचिव आर. बैकैया तथा प्रदेश अध्यक्ष सीताराम शर्मा के नेतृत्व में कार्यक्रम का संचालन किया गया। बैठक में देश के विभिन्न राज्यों से आए किसान नेताओं एवं प्रतिनिधियों ने कृषि और किसानों से जुड़े अहम मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। बैठक को संबोधित करते हुए किसान नेताओं ने किसानों को समय पर खाद, बीज एवं सिंचाई की समुचित व्यवस्था उपलब्ध कराने की मांग की। साथ ही कृषि उपज का लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को कानूनी गारंटी देने की आवश्यकता पर जोर दिया गया।वक्ताओं ने कहा कि बढ़ती खेती लागत, प्राकृतिक आपदाओं तथा बाजार कीअनिश्चितताओं के कारण किसान गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। ऐसे में केंद्र और राज्य सरकारों को किसानों के हित में प्रभावी एवं ठोस कदम उठाने चाहिए।राष्ट्रीय परिषद की बैठक में कृषि संकट, फसल बीमा, किसानों की आय में वृद्धि, भूमि अधिकार तथा ग्रामीण रोजगार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रस्ताव पारित किए गए। नेताओं ने सरकार से किसान संगठनों के साथ नियमित संवाद स्थापित करने और किसानों की समस्याओं के समाधान हेतु शीघ्र कार्रवाई करने की मांग की।बैठक के समापन पर किसान हितों की रक्षा तथा कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए देशव्यापी आंदोलन को और व्यापक एवं मजबूत बनाने का संकल्प लिया गया कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों के किसान प्रतिनिधियों ने भाग लिया तथा किसानों की एकजुटता पर बल दिया।

संक्षिप्त समाचार

सिकरहना नदी में डूबने से एक की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

मोतिहारी।सुगौली प्रखंड क्षेत्र के दक्षिणी छपरा बहास पंचायत अंतर्गत मधुमालती गांव के समीप रविवार को सिकरहना नदी में डूबने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया तथा पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।मृतक की पहचान मधुमालती निवासी अरविंद कुमार महतो (46 वर्ष) के रूप में की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अरविंद कुमार महतो रविवार को सिकरहना नदी में मछली मारने गए थे। इसी दौरान वह नदी के गहरे पानी में चले गए और डूब गए। जब तक आसपास के लोगों को घटना की जानकारी मिली और खोजबीन शुरू की गई, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से शव को नदी से बाहर निकलवाया। इसके बाद पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल भेज दिया।मौके पर मौजूद थाना के पदाधिकारी मदन प्रसाद ने बताया कि मछली मारने के दौरान नदी में डूबने से व्यक्ति की मौत हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है तथा पुलिस आवश्यक कानूनी कार्रवाई में जुटी हुई है।

तीन वारंटी समेत शराब कारोबारी व एक पियक्कड़ गिरफ्तार

बेतिया।मझौलिया पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर तीन वारंटियों, एक शराब कारोबारी तथा एक पियक्कड़ को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए पुलिस निरीक्षक सह थानाध्यक्ष अमर कुमार ने बताया कि माननीय न्यायालय के आदेश पर लंबित वारंटों के निष्पादन हेतु चलाए गए अभियान के दौरान तीन वारंटियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार वारंटियों में करमावा निवासी अफरोज आलम, मझरिया शेख निवासी बुधन मुखिया तथा सागर सहनी शामिल हैं।थानाध्यक्ष ने बताया कि इसी अभियान के दौरान पुलिस ने सेनवरिया निवासी रंजीत महतो को 30 लीटर देशी चुलाई शराब के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि उक्त व्यक्ति अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त है। सूचना के सत्यापन के बाद छापेमारी की गई, जिसमें उसके पास से 30 लीटर देशी चुलाई शराब बरामद की गई। बरामदगी के बाद उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया।वहीं दूसरी ओर शराब पीकर सार्वजनिक स्थान पर हो-हल्ला एवं अशांति फैलाने के आरोप में बरवा वार्ड संख्या-09 निवासी अभयानंद मिश्रा को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की। थानाध्यक्ष अमर कुमार ने बताया कि गिरफ्तार सभी अभियुक्तों की मेडिकल जांच कराई गई। आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद सभी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार तथा शराब सेवन के विरुद्ध पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी और ऐसे मामलों में किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

माधव आनंद की पहल को मिली सफलता मधुबनी में एमएसएमई सेंटर स्थापना की प्रक्रिया शुरू

» केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने शुरू कराई विभागीय प्रक्रिया

मधुबनी/बिहार।मिथिला क्षेत्र के औद्योगिक एवं आर्थिक विकास को नई गति देने की दिशा में मधुबनी को जल्द ही बड़ी सौगात मिल सकती है। जिले में एमएसएमई (सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम) एक्सटेंशन/टेक्निकल सेंटर की स्थापना की मांग पर केंद्र सरकार ने सकारात्मक पहल करते हुए विभागीय प्रक्रिया शुरू कर दी है। इससे जिले के युवाओं, कारीगरों एवं छोटे उद्यमियो में नई उम्मीद जगी है। मधुबनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक बिहार विधानसभा की शून्यकाल समिति के अध्यक्ष तथा राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव माधव आनंद ने बताया कि उन्होंने हाल ही में नई दिल्ली में केंद्रीय एमएसएमई मंत्री जीतन राम मांझी से मुलाकात कर मधुबनी में टेक्निकल सेंटर की स्थापना की मांग उठाई थी। इस संबंध में उन्होने विस्तृत ज्ञापन भी सौपा था।ज्ञापन में विधायक ने कहा था कि मिथिला क्षेत्र अपनी समृद्ध हस्तशिल्प परंपरा, विश्वप्रसिद्ध मधुबनी पेंटिंग, कुटीर उद्योगों और उद्यमशील युवाओ के लिए जाना जाता है। बावजूद इसके तकनीकी प्रशिक्षण, आधुनिक संसाधनों और संस्थागत सहयोग के अभाव में स्थानीय प्रतिभाओं को अपेक्षित अवसर नही मिल पाते है।केंद्रीय मंत्री द्वारा प्रेषित पत्र में बताया गया है कि मधुबनी में एमएसएमई एक्सटेंशन/टेक्निकल सेंटर की स्थापना के प्रस्ताव पर मंत्रालय गंभीरता से विचार कर रहा है तथा आवश्यक विभागीय प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इस सूचना के बाद जिले के उद्यमियो और युवाओं में उत्साह का माहौल है।माधव आनंद ने कहा कि केंद्र की स्थापना होने पर स्थानीय युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण कौशल विकास उद्यमिता परामर्श तथा स्वरोजगार से जुड़ी सुविधाएं अपने जिले में ही उपलब्ध होगी। इससे रोजगार के लिए होने वाले पलायन में कमी आएगी और स्थानीय उद्योगो को नई पहचान एवं मजबूती मिलेगी।उन्होने कहा मेरा उद्देश्य केवल एक संस्थान स्थापित कराना नही, बल्कि मधुबनी के युवाओ के भविष्य को सशक्त बनाना है। मैं चाहता हू कि हमारे युवाओं को अपने सपनो को साकार करने के लिए घर-परिवार छोड़कर दूसरे राज्यो का रुख न करना पड़े।विधायक ने इस पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि मंत्रालय शीघ्र ही अंतिम निर्णय लेकर मधुबनी के विकास को नई दिशा देने का कार्य करेगा।उन्होने कहा कि मधुबनी के विकासरोजगार सृजन और युवाओं के सशक्तिकरण के लिए उनका प्रयास आगे भी पूरी प्रतिबद्धता के साथ जारी रहेगा।

स्काउट-गाइड एकता शिविर की तैयारी पूरी, शिक्षा मंत्री करेंगे शुभारंभ

छपरा।भारत स्काउट एवं गाइड सारण के तत्वावधान में आयोजित जिला स्तरीय एकता शिविर-2026 की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। शिविर के शुभारंभ की पूर्व संध्या पर आयोजित प्रेस वार्ता में कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी साझा की गई। शिविर का उद्घाटन बिहार सरकार के शिक्षा मंत्री मिथलेश तिवारी करेंगे, जबकि समापन समारोह में कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के मंत्री मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।आयोजकों के अनुसार जिले भर से बड़ी संख्या में स्काउट-गाइड एवं युवा प्रतिभागी शिविर में हिस्सा लेंगे। इसका उद्देश्य युवाओं में नेतृत्व क्षमता, सामाजिक उत्तरदायित्व, राष्ट्रीय एकता और सेवा भावना का विकास करना है। शिविर के प्रत्येक दिन चार विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। इनमें आपदा प्रबंधन एवं अग्निशमन प्रशिक्षण, साइबर सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण, जीवन कौशल तथा राष्ट्र निर्माण से जुड़े विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अलावा युथ फोरम के तहत विचार-विमर्श, रंगोली, मेहंदी और पेंटिंग प्रतियोगिताएं भी आयोजित होंगी। प्रतिदिन शाम को कैंप फायर एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहेंगे। शिविर में महाराजगंज के सांसद, छपरा एवं माझी के विधायक सहित कई जनप्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना है। वहीं विभिन्न सत्रों में जिलाधिकारी, उप विकास आयुक्त, जिला एवं सत्र न्यायाधीश सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी युवाओं का मार्गदर्शन करेंगे। प्रेस वार्ता में डॉ. हरेंद्र सिंह, अमन राज समेत कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

घर घर ब्राह्मण जोड़ों अभियान कानपुर में 1956 फार्म भरे

नई सोच एक्सप्रेस

कानपुर।सर्व ब्राह्मण विकास परिषद कानपुर द्वारा ब्राह्मण जागरूकता अभियान के अन्तर्गत घर घर ब्राह्मण जोड़ों अभियान की बैठक एच एन शिक्षा निकेतन बर्रा 8 कानपुर में प्रदेश अध्यक्ष श्री कौशल किशोर अवस्थी की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक किदवई नगर विधानसभा एवं बर्रा 1से बर्रा 8 के क्षेत्रों में ब्राह्मण जोड़ों अभियान का शुभारंभ सर्व ब्राह्मण विकास परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री कमल किशोर अवस्थी एडवोकेट ने भगवान परशुराम जी के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री कमल किशोर अवस्थी ने कहा कि ब्राह्मणों को जागरूक करने के लिए जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है इस अभियान में घर घर जोड़ों ब्राह्मण में उत्तर प्रदेश और अन्य प्रदेशों में कार्य प्रारंभ किया जा चुका है उत्तर प्रदेश में प्रत्येक जिले, विधानसभा क्षेत्रों, वार्ड, ब्लाकों, नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायतों में निवास करने वाले ब्राह्मणों का फार्म भराये जायेंगे , प्रदेश की सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों में बैठकें संगोष्ठी आयोजित कर यूजीसी समाप्त करने, संस्कृत आचार्यो की नियुक्ति करने, सवर्ण आयोग का गठन करने के विचार करने और ब्राह्मण एकता करने और ब्राह्मणों की समस्याओं कैसे दूर किया जाये विचार विमर्श किया जायेगा। सर्व ब्राह्मण विकास परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमल किशोर अवस्थी एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री कौशल किशोर अवस्थी के नेतृत्व में सभी 403 विधान सभा क्षेत्रों में सघन जनसंपर्क किया जा रहा है। पूरे प्रदेश में 31अगस्त 2026 तक 50लाख ब्राह्मणों को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। बैठक को सम्बोधित करते हुए कानपुर दक्षिण जिलाध्यक्ष संजीव मिश्रा ने कहा कि कानपुर दक्षिण जिले की सभी विधानसभा क्षेत्रों वार्डों एवं ब्लाकों बैठके की जा रही है कानपुर दक्षिण जिले में 3 लाख ब्राह्मणों को घर घर जाकर फार्म भरवा कर जोड़ा जायेगा। कानपुर जिले मे 1956 कल तक ब्राह्मणों को घर घर जाकर जोड़ा गया है बैठक जिला महामंत्री दिनेश कुमार पाण्डेय ने कहा मैं बर्रा 8, जरौली तथा दबौली क्षेत्र कम-से-कम 1100 ब्राह्मणों के घर घर जाकर फार्म भरवायेंगे। बैठक में देवेन्द्र दुबे पार्षद दिनेश कुमार पाण्डेय अजय दीक्षित निधि त्रिवेदी शानू पाण्डेय आदि लोगो ने विचार व्यक्त किए

विश्व रक्तदाता दिवस पर रोटरी क्लब बनारस ने लगाया रक्तदान शिविर, 27 यूनिट रक्त संग्रहित

नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी।विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर रोटरी क्लब बनारस (आरआई डिस्ट्रिक्ट 3120) के तत्वावधान में बीएलडब्ल्यू स्थित एपेक्स कंपोनेंट ब्लड सेंटर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। 'वन ड्रॉप ऑफ ह्यूमैनिटी' थीम पर आयोजित इस शिविर में कुल 27 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। शिविर का उद्घाटन एपेक्स हॉस्पिटल के चेयरमैन एवं एपेक्स वेलकेयर ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी डॉ. एस.के. सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान मानव सेवा का सबसे बड़ा कार्य है और एक यूनिट रक्त तीन लोगों का जीवन बचा सकता है। कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि के रूप में रीता सिंह, प्रवक्ता, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, उपस्थित रहीं। उन्होंने युवाओं से नियमित रक्तदान करने का आह्वान किया। रोटरी क्लब बनारस के अध्यक्ष विजय जायसवाल ने बताया कि सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक चले शिविर में क्लब सदस्यों, युवाओं और समाजसेवियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रक्तदाताओं में दो महिला दाता शामिल थीं, जबकि वासु नरूला ने पहली बार रक्तदान किया। उन्होंने बताया कि शिविर की सफलता में सचिव राकेश कोचर, संयोजक विजय नरूला, समन्वयक आशीष केशरी तथा क्लब के अन्य सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर रोटरी क्लब के पदाधिकारी, सदस्य, चिकित्सक, अस्पताल कर्मी एवं बड़ी संख्या में रक्तदाता उपस्थित रहे।

कृषि कार्य हेतु लगे एलटी केबल एवं 11 केवी तार चोरी ,13 लाख से अधिक कि क्षति

नई सोच एक्सप्रेस

» चोरों ने काटे कृषि फीडर के 12.75 किलोमीटर तार

हरनौत।तेलमर थाना क्षेत्र में कृषि फीडर के 118 बिजली पोल के तार चोरी हो गए हैं। अज्ञात चोरों ने इन तारों को काटकर चुरा लिया।बिजली तार काटे जाने की सूचना ग्रामीणों ने जेई को दी। इसके बाद स्थल का निरीक्षण करने पर पोल से तार गायब पाया गया।इससे बिजली विभाग को लाखों रुपये का नुक़सान हुआ है।विभाग के जेई ने 13 लाख रुपए से ऊपर राजस्व क्षति का आरोप लगाया है। बता दें कि तेलमर में स्थित सदर एसडीपीओ-2 कार्यालय से महज एक से तीन किलोमीटर के अंदर अज्ञात चोरों ने लाखों रुपए के बिजली के तार काटकर डीएसपी को खुलेआम चुनौती दी है।मामला दक्षिण बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड द्वारा संचालित कल्याण बिगहा विद्युत आपूर्ति प्रशाखा (पीएसएस) क्षेत्र अंतर्गत तेलमर थाना क्षेत्र में लगें कृषि फीडर का है।इसको लेकर उक्त पीएसएस में पोस्टेड कनिय अभियंता (जेई) दीपक राम ने अज्ञात के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करवाया है।कहा है कि तेलमर खंधा बाईसविघा (तालाब पर) में 12 पोल यानि लगभग 750 मीटर केबल, बनगच्छा के हजारी खंधा में 18 पोल यानि लगभग एक किमी केबल, बेजापति बीचला और नीचला खंधा में 36 पोल यानि लगभग 2 किमी केबल एवं खंधा-तेलमर (साधु बाबा से पूरब वरूणतर तक) 2 में 52 पोल यानि लगभग 9 किलोमीटर 11 केवी (विजल कंडक्टर) अज्ञात चोरों ने चोरी कर ली है। सभी कृषि कार्य के लिए लगा था।जिससे साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड को क्रमशः 2.10 लाख, 2.60 लाख, 3.85 लाख एवं 4.5 लाख कुल 13.05 लाख रूपये की राजस्व क्षति हुई है। वहीं थानाध्यक्ष चंद्रशेखर कुमार ने कहा कि एफआईआर दर्ज कराई गई है। जांच-पड़ताल जारी है।

श्री आनंदेश्वर अमरनाथ सेवा परिवार द्वारा भेजी गई खाद्य सामग्री

नई सोच एक्सप्रेस

श्री आनन्देश्वर अमरनाथ सेवा परिवार द्वारा बाबा अमरनाथ यात्रा 2026 में यात्रियों को सेवा सहयोग हेतु लगने वाले भण्डारों को राशन सामग्री आटा, दालें, चावल, बेसन, मैदा, चीनी, रिफाइन्ड, तेल, देशी घी, चायपत्ती, बिस्कुट, नमकीन, टॉफी, टोस्ट, दुध पाउडर, नमक, टूथ पेस्ट, कॉफी पाउडर, वाशिंग पाउडर से भरे ट्को को बड़ी संख्या में शिवभक्त सेवादारो सहयोगियों की उपस्थिति में जय बाबा अमरनाथ बर्फानी, भूखे को अन्य प्यासे को पानी, हर हर महादेव, बम बम भोले शिव हमारी साधना, सेवा हमार धर्म आदि जयकारों के साथ भगवा झण्डी दिखाकर अमरनाथ धाम भेजा गया। अध्यक्ष बालकृष्ण दीक्षित ने बताया कि सेवा परिवार के द्वारा विगत वर्षों से नगर वासियों के सहयोग से निरंतर पवित्र श्री अमरनाथ यात्रा में नगर के द्वारा खाद्य सामग्री सहित अन्य वस्तुएं भेजी जाती हैं। जिसमें बड़ी संख्या में भक्ति एकत्रित होकर प्रतिवर्ष यात्रा के प्रारंभ होने का बेसब्री से इंतजार करते हैं। कार्यक्रम में जनता को गर्मी से राहत हेतु दिन भर ठण्डा शरबत वितरण, शाम को भजन संध्या, व मनोहारी सजीव झांकियाँ, फूलो को होली राशन सामग्री वाहनों का पूजन, बाहर से आए अतिथियों व सहयोगियो का स्वागत सम्मान करने के बाद आरती कर भण्डारा वाहनों को भेजा गया है। कार्यक्रम की व्यवस्था व आयोजन में प्रमुख रूप से संस्था के पदाअधिकारी बाल कृष्ण दीक्षित (अध्यक्ष), अनिल चतुर्वेदी (संरक्षक) कृष्ण कान्त तिवारी (महामंत्री) गिरजेश अवस्थी, लक्ष्मीशंकर गुप्ता, मनोज शर्मा, विजय सिंह राजपूत, अजय मिश्रा तेज सिंह यादव, साजन यादव मनोज विश्नोई, तरूणेन्द्र नाथ मिश्रा अनिल चतुर्वेदी टेन्ट हाउस) ने हर्ष उल्लास के साथ समर्पित सेवा भाव से सभी का स्वागत सम्मान व आभार प्रकट किया।

बनारस के मुक्केबाज़ ऋषि सिंह का सीनियर वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम में चयन

नई सोच एक्सप्रेस

» 50 किलोग्राम भार वर्ग में राष्ट्रीय चैंपियन बने ऋषि,15 से 21 जून तक चीन में होने वाली प्रतियोगिता में करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

वाराणसी।महादेव सूर्या विनायक बॉक्सिंग एकेडमी के होनहार मुक्केबाज़ ऋषि सिंह का चयन भारतीय सीनियर बॉक्सिंग टीम में हुआ है | ऋषि 15 से 21 जून तक चीन में आयोजित होने वाले सीनियर वर्ल्ड कप-2 में 50 किलोग्राम भार वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे उनके चयन से खेल प्रेमियों एवं खिलाड़ियों में खुशी की लहर दौड़ गई है | ऋषि सिंह ने हाल ही में 50 किलोग्राम भार वर्ग में राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए पूरे भारत में चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया है इससे पूर्व वे अमेरिका में आयोजित यूथ वर्ल्ड कप में भी पदक जीत चुके हैं | इसके अलावा उन्होंने हाल ही में आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक अपने नाम किया था | साधारण पारिवारिक पृष्ठभूमि से आने वाले ऋषि सिंह की सफलता संघर्ष, मेहनत और समर्पण की मिसाल है उनके परिवार में दादा,दादी,बुआ और बड़ी बहन हैं | माता-पिता के साये के बिना भी ऋषि ने अपनी कड़ी मेहनत,लगन और कोच के मार्गदर्शन में स्वयं को निखारा तथा कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पदक जीतकर वाराणसी और देश का नाम रोशन किया है | उल्लेखनीय है कि कुछ समय पूर्व विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) बृजेश सिंह ने भी ऋषि सिंह को गोद लेने की घोषणा की थी | ऋषि महादेव सूर्या विनायक बॉक्सिंग एकेडमी के प्रशिक्षु हैं उनके कोच दिलीप कुमार सिंह ने ऋषि की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह पूरे प्रदेश और वाराणसी के लिए गर्व का विषय है | बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव प्रमोद कुमार ने भी खिलाड़ी एवं कोच को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं | एकेडमी के मुख्य संरक्षक शशिकांत पांडेय ने ऋषि की उपलब्धि पर खुशी जताते हुए खिलाड़ी और कोच दोनों को बधाई दी तथा उम्मीद व्यक्त की कि ऋषि चीन में भी शानदार प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ाएंगे ||

2161 करोड़ की परियोजना से संवरेगा वाराणसी का बुनियादी ढांचा

नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी।अमृत-2.0 योजना के तहत वाराणसी के 22 वार्डों में सीवर जाम, ओवरफ्लो और पेयजल समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए 2161 करोड़ रुपये की लागत से व्यापक बुनियादी ढांचा विकास कार्य शुरू किया गया है। परियोजना के अंतर्गत 353.13 किलोमीटर सीवर लाइन और 651.64 किलोमीटर पेयजल पाइपलाइन बिछाई जाएगी। रविवार को महापौर अशोक कुमार तिवारी और कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने बंगाली टोला, जगमबाड़ी, बागहाड़ा, शिवाला और नगवां वार्डों में भूमि पूजन कर कार्यों का शुभारंभ किया। पहले चरण में 166.22 करोड़ रुपये की लागत से 73.54 किमी सीवर लाइन बिछाने तथा 15,748 घरों को सीवर कनेक्शन से जोड़ने का लक्ष्य है। महापौर ने कहा कि निर्माण कार्य के दौरान करीब एक वर्ष तक लोगों को अस्थायी असुविधा हो सकती है, लेकिन इसके पूरा होने पर अगले 70-75 वर्षों तक सीवर और पेयजल संबंधी समस्याओं से राहत मिलेगी। परियोजना से हजारों परिवारों को बेहतर सीवर व्यवस्था और शुद्ध पेयजल उपलब्ध होगा। इस अवसर पर स्थानीय पार्षदों, जनप्रतिनिधियों, जल निगम अधिकारियों और बड़ी संख्या में नागरिकों की उपस्थिति रही। अधिकारियों के अनुसार यह परियोजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल और अमृत-2.0 योजना के तहत काशी के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

रैड शाखा कुरुक्षेत्र द्वारा विश्व रक्तदाता दिवस पर रक्तदान शिविर का किया आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

कुरुक्षेत्र।भारतीय रेड क्रॉस समिति हरियाणा राज्य शाखा चंडीगढ़ के वाइस चेयरमैन अंकुश मिगलानी एवं महासचिव डा. सुनील कुमार तथा उपायुक्त एवं अध्यक्ष जिला रेड क्रॉस सोसाइटी विश्राम कुमार मीणा के कुशल मार्गदर्शन में कार्य कर रही जिला रैड शाखा कुरुक्षेत्र द्वारा 14 जून को विश्व रक्तदाता दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से शनि मंदिर उमरी , जिला कारागार कुरुक्षेत्र, पुलिस लाइन कुरुक्षेत्र, व ग्राम पंचायत बिहोली में स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया । इन शिविरों में लगभग 125 यूनिट एकत्रित किया गया । उन्होंने कहा कि एक अन्य कार्यक्रम में रैड क्रॉस भवन कुरुक्षेत्र के अंदर विभिन्न सामाजिक संस्थाओं एवं रक्तदान के क्षेत्र में काम करने वाली अनेकों संस्थाओं व स्वयं सेवकों को सम्मानित किया गया, जिससे मेहर चंद मेहंदीरता चैरिटेबल डिस्पेंसरी एवं लाइब्रेरी,जन सहयोग हेल्प हेल्प एंड हेल्प ,संत निरंकारी मिशन ,सर्व समाज कल्याण सेवा समिति, यूथ ब्लड डोनेशन सोसायटी, झांसा ,महादेव ब्लड सेवा ,मित्र जन सेवा और सहयोग समिति, शांति नारायण जन सेवा समिति, सौरव गुप्ता गुरप्रीत सिंह स्टार रक्त दाता मुरली शर्मा, तेजवीर सिंह ,मिथुन समाना , रामकुमार अन्य शामिल रहे। इस अवसर पर रमेश चौधरी सचिव रेड क्रॉस द्वारा उपस्थित जनों को रक्त के क्षेत्र में योगदान देने के लिए शपथ दिलाई गई, रमेश चौधरी ने कहा कि जब भी रक्त की आवश्यकता होती है, तो सबसे पहले हमें अपने परिवार के अंदर ही एक रक्तदाता को देखें, ओर यह निश्चित है कि अधिकतर परिवारों में एक स्वस्थ रक्तदाता है, बस उस पर गहराई से सोचने की जरूरत है । उन्होंने सभी स्वयंसेवी संस्थाओं से कहा कि सभी मिलकर 8 मई, 14 जून, 1 अक्टूबर, 1 दिसंबर जैसे विशेष अवसरों पर मेघा रक्तदान शिविर का आयोजन करें। इस अवसर पर ओमप्रकाश लिपिक, प्रकाश चंद्र तकनीशियन , जसपाल सिंह, देवी रानी, पंकज, धर्मपाल व अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे ।

लोहता थानाध्यक्ष दिगम्बर उपाध्याय ने आटो में छुटे मोबाइल को एक घण्टे के अन्दर बरामद कर उसके मालिक को किया सुपुर्द

नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी।पुलिस आयुक्त वाराणसी के गुमशुदा की तलाश व बरामदगी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस उपायुक्त वरुणा जोन के निर्देशन में थाना लोहता पुलिस द्वारा आटो में मोबाइल छूटने की सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए एक घण्टे के अंतर्गत मोबाइल को बरामद कर उसके मालिक को सुपुर्द किया गया | उल्लेखनीय है कि 14 जून 2026 को समय करीब एक बजे थाना लोहता क्षेत्रांतर्गत शीतला चिल्ड्रेन स्कूल हरपालपुर में आरआरबी एटीपीसी की परीक्षा देने आये अभ्यर्थी दिलीप यादव पुत्र कृष्णा यादव निवासी रमवल थाना सुहवर जिला गाजीपुर द्वारा थाना लोहता पर सूचना दिया गया कि उनका मोबाईल आटो में छूट गया है | इसकी सूचना पर थानाध्यक्ष दिगम्बर उपाध्याय द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम लगाकर सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से आटो का पता लगाया गया | आटो चालक से मोबाइल प्राप्त कर परीक्षार्थी को सुपुर्द किया गया | आवेदक /परीक्षार्थी द्वारा थाना लोहता पुलिस टीम के अथक प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की गयी | सराहनीय कार्य करने वाली पुलिस टीम में दिगम्बर उपाध्याय थानाध्यक्ष थाना लोहता,वरिष्ठ उप निरीक्षक राजदर्पण तिवारी थाना लोहता,उप निरीक्षक मो0 आरिफ खान थाना लोहता,कांस्टेबल राजेन्द्र प्रताप थाना लोहता सहित कमिश्नरेट वाराणसी की पुलिस टीम शामिल रहीं ||

सीजेरियन डिलीवरी

भारत में बीमा कवरेज बढ़ा है, जिसमें एक बड़ा हिस्सा सरकारी बीमा योजनाओं का है। संभवतः इसी कारण अस्पताल दंपतियों को अनिवार्य ना होने की स्थिति में भी सीजेरियन डिलीवरी पर राजी कर लेते हैं। जन्म अस्पताल में होता है। ये अच्छी खबर नेशनल फैमिली एंड हेल्थ सर्वे-6 (एनएफएचएस-6) रिपोर्ट से आई है। उधर नई सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम स्टैटिस्टिकल रिपोर्ट के मुताबिक 2024 में कुल जितने बच्चों का जन्म हुआ, उनमें 66.4 प्रतिशत अपने माता-पिता की पहली संतान थे। लगभग 23 प्रतिशत दूसरी और 7.3 फीसदी तीसरी संतानों का जन्म हुआ। सिर्फ 3.5 प्रतिशत मामलों में चौथी या उसके बाद की संतानों का जन्म हुआ। ये आंकड़े स्वास्थ्य एवं परिवार नियोजन के लिए बढ़ी चेतना की तस्दीक करते हैं। एनएफएचएस-6 के मुताबिक भारत में टोटल फर्टिलिटी रेट (टीएफआर) 2.0 रह गया है, जो आदर्श 2.1 से थोड़ा कम है। फिलहाल, यह चिंता का विषय नहीं है, लेकिन टीएफआर और गिरा, तो भविष्य में एक नई चुनौती देश के सामने आ सकती है। बहरहाल, एनएफएचएस-6 से अभी गंभीर चिंता का कारण बन चुका एक रुझान सामने आया है। इसके मुताबिक 2023-24 में प्राइवेट अस्पतालों में 54 प्रतिशत डिलीवरी सीजेरियन हुई। पश्चिम बंगाल में तो ये संख्या 87.7 और तेलंगाना 84 प्रतिशत थी। उल्लेखनीय है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन सिर्फ 10 से 15 प्रतिशत मामलों में सीजेरियन डिलिवरी को स्वीकार्य सीमा में मानता है। अमेरिका में स्वास्थ्य सेवाओं के लगभग पूरी तरह बीमा आधारित होने के बावजूद सीजेरियन डिलीवरी की दर 32 प्रतिशत ही है। स्कैंडेनेवियन देशों में तो यह 16 से 19 फीसदी तक है। ये आंकड़े बताते हैं कि सीजेरियन डिलीवरी की जरूरत बहुत कम मामलों में पड़ती है। फिर भी भारत में प्राइवेट अस्पतालों में आधी से ज्यादा डिलीवरी इस तरीके से हो रही है, तो इसके पीछे मुख्य कारण मुनाफा कमाने की व्यापारिक मानसिकता को ही समझा जाएगा। एनएफएचएस-6 से सामने आया है कि भारत में बीमा कवरेज बढ़ा है, जिसमें बड़ा योगदान सरकारी बीमा योजनाओं का है। संभवतः इसी कारण अस्पताल दंपतियों को अनिवार्य ना होने की स्थिति में भी सीजेरियन डिलीवरी पर राजी कर लेते हैं। अगर ऐसा हो रहा है, तो इसकी पड़ताल की जरूरत है, क्योंकि सरकारी बीमा के तहत अस्पतालों को जो भुगतान होता है, वह करदाताओं की जेब से ही आता है।

परिवारवाद और क्षेत्रीय दलों का अवसान : क्या तृणमूल कांग्रेस भी उसी राह पर?

आरती कुमारी

भारतीय राजनीति में क्षेत्रीय दलों ने समय-समय पर राष्ट्रीय राजनीति को नई दिशा देने का काम किया है। अनेक राज्यों में इन दलों ने न केवल सत्ता पर लंबे समय तक अपना प्रभाव बनाए रखा, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी निर्णायक भूमिका निभाई। किंतु विडंबना यह है कि जिन दलों का जन्म लोकतांत्रिक संघर्ष और वैचारिक असहमति से हुआ, उनमें से अनेक समय के साथ परिवारवाद, उत्तराधिकार की राजनीति और आंतरिक कलह के शिकार होते चले गए। आज तृणमूल कांग्रेस को लेकर उठ रहे प्रश्न भी इसी व्यापक राजनीतिक प्रवृत्ति की ओर संकेत करते हैं। तृणमूल कांग्रेस की स्थापना 1 जनवरी 1998 को तत्कालीन केंद्रीय रेल मंत्री ममता बनर्जी ने कांग्रेस से अलग होकर की थी। उस समय पश्चिम बंगाल की राजनीति में वाम दलों का वर्चस्व था और कांग्रेस लगातार कमजोर हो रही थी। ममता बनर्जी ने अपनी संघर्षशील छवि और जनाधार के बल पर एक नए राजनीतिक विकल्प का निर्माण किया। कुछ ही वर्षों में तृणमूल कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल में वाम मोर्चे की दशकों पुरानी सत्ता को समाप्त कर दिया और राज्य की सबसे प्रभावशाली राजनीतिक शक्ति बन गई।

लोकसभा चुनावों में भी पार्टी का प्रदर्शन लगातार मजबूत रहा। 2009 में पश्चिम बंगाल से 19 सीटें जीतकर तृणमूल कांग्रेस देश की छठी सबसे बड़ी पार्टी बनी। 2019 में 22 सीटों के साथ वह चौथी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी और 2024 में भी उसने 29 सीटें जीतकर अपनी राजनीतिक ताकत का प्रदर्शन किया। इसलिए यह कहना कठिन है कि पार्टी का जनाधार समाप्त हो गया है। हालांकि यदि किसी दल के भीतर बड़े पैमाने पर असंतोष, नेतृत्व को लेकर मतभेद या वरिष्ठ नेताओं का पलायन सामने आता है, तो स्वाभाविक रूप से उसके भविष्य को लेकर प्रश्न उठने लगते हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि तृणमूल कांग्रेस के भीतर पिछले कुछ वर्षों में नेतृत्व के केंद्रीकरण और उत्तराधिकार की संभावनाओं को लेकर चर्चा तेज हुई है। विशेष रूप से ममता बनर्जी के भतीजे और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी की बढ़ती भूमिका को लेकर कुछ वरिष्ठ नेताओं में असहजता की खबरें समय-समय पर सामने आती रही हैं। यही कारण है कि राजनीतिक गलियारों में यह बहस चल रही है कि क्या तृणमूल कांग्रेस भी उन क्षेत्रीय दलों की श्रेणी में शामिल हो रही है, जिनकी आंतरिक राजनीति परिवारवाद के कारण प्रभावित हुई।

भारतीय राजनीति के इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण मौजूद हैं। महाराष्ट्र की शिवसेना इसका प्रमुख उदाहरण है। बाल ठाकरे द्वारा स्थापित शिवसेना में लंबे समय तक राज ठाकरे को उनका स्वाभाविक राजनीतिक उत्तराधिकारी माना जाता था। किंतु जब उद्धव ठाकरे को संगठन में प्रमुख भूमिका मिलने लगी, तो दोनों नेताओं के बीच मतभेद बढ़े और अंततः राज ठाकरे ने अलग होकर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) का गठन कर लिया। इस विभाजन ने शिवसेना की राजनीतिक शक्ति को प्रभावित किया और बाद के वर्षों में पार्टी कई अन्य संकटों से भी गुजरी।

हरियाणा में चौधरी देवीलाल द्वारा स्थापित इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) भी उत्तराधिकार की राजनीति का शिकार हुआ। ओमप्रकाश चौटाला के पुत्र अजय चौटाला और अभय चौटाला के बीच बढ़ते मतभेदों ने पार्टी को विभाजित कर दिया। परिणामस्वरूप जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) अस्तित्व में आई और इनेलो का राजनीतिक प्रभाव कमजोर पड़ गया।

उत्तर प्रदेश की समाजवादी पार्टी में भी 2016-17 के दौरान मुलायम सिंह यादव और उनके पुत्र अखिलेश यादव के बीच नेतृत्व को लेकर गंभीर टकराव देखने को मिला। बाद में शिवपाल यादव के अलग रास्ता अपनाने से पार्टी के भीतर कई गुट बन गए। यद्यपि समय के साथ समाजवादी पार्टी ने अपनी स्थिति संभाली, लेकिन उस दौर ने यह स्पष्ट कर दिया कि परिवार आधारित दलों में उत्तराधिकार का प्रश्न कितना संवेदनशील होता है।

पंजाब में शिरोमणि अकाली दल के भीतर भी नेतृत्व के केंद्रीकरण और परिवारवाद को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। इसी प्रकार राष्ट्रीय जनता दल में लालू प्रसाद यादव के बाद नेतृत्व को लेकर समय-समय पर विभिन्न प्रकार की चर्चाएं और विवाद सामने आते रहे हैं। तेलुगु देशम पार्टी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और अन्य कई क्षेत्रीय दल भी विरासत की राजनीति से जुड़े विवादों से अछूते नहीं रहे।

वास्तव में समस्या केवल किसी एक परिवार के प्रभाव तक सीमित नहीं है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता के बीच लोकप्रिय नेता अपने परिजनों को राजनीति में लाने के लिए स्वतंत्र हैं। प्रश्न तब खड़ा होता है जब संगठनात्मक लोकतंत्र कमजोर पड़ने लगता है और योग्यता, अनुभव तथा सामूहिक नेतृत्व की जगह उत्तराधिकार की राजनीति हावी हो जाती है। ऐसे में वरिष्ठ नेताओं में असंतोष बढ़ता है और कार्यकर्ताओं के बीच यह संदेश जाता है कि संगठन में आगे बढ़ने की संभावनाएं सीमित हैं।

दिलचस्प तथ्य यह है कि परिवारवाद के विरुद्ध सबसे मुखर राजनीतिक दलों और नेताओं में भी यह प्रवृत्ति किसी न किसी रूप में दिखाई देती है। अनेक दलों में नेताओं के पुत्र, पुत्रियां, भाई, भतीजे और अन्य रिश्तेदार सक्रिय राजनीति में महत्वपूर्ण पदों पर दिखाई देते हैं। इसलिए परिवारवाद का प्रश्न केवल किसी एक दल या विचारधारा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारतीय राजनीति की व्यापक चुनौती बन चुका है।

जहां तक कांग्रेस और नेहरू-गांधी परिवार का प्रश्न है, इस विषय पर देश में लंबे समय से राजनीतिक बहस चलती रही है। समर्थकों का मानना है कि इस परिवार ने स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर आधुनिक भारत के निर्माण तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और कांग्रेस की एकता बनाए रखने में उसका योगदान रहा है। वहीं आलोचक इसे वंशवाद का उदाहरण बताते हैं। लोकतंत्र में इन दोनों दृष्टिकोणों पर चर्चा होना स्वाभाविक है। अंतिम निर्णय अंततः जनता के हाथ में होता है, जो चुनावों के माध्यम से अपना मत व्यक्त करती है।

आज सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह नहीं है कि किसी दल का नेतृत्व किस परिवार के हाथ में है, बल्कि यह है कि क्या उस दल में आंतरिक लोकतंत्र, वैचारिक स्पष्टता और नेतृत्व परिवर्तन की स्वस्थ व्यवस्था मौजूद है। जिन दलों ने इन मूल्यों को मजबूत किया है, वे लंबे समय तक टिके हैं। जिन दलों ने संगठन की तुलना में व्यक्तियों और परिवारों को अधिक महत्व दिया, उन्हें अक्सर विभाजन, विद्रोह और राजनीतिक क्षरण का सामना करना पड़ा है।

तृणमूल कांग्रेस के संदर्भ में भी यही कसौटी लागू होती है। यदि पार्टी अपने भीतर संवाद, लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं और सामूहिक नेतृत्व को मजबूत करती है तो वह भविष्य में भी बंगाल की राजनीति में प्रभावशाली बनी रह सकती है। लेकिन यदि आंतरिक असंतोष को समय रहते दूर नहीं किया गया, तो वह भी उन क्षेत्रीय दलों की सूची में शामिल हो सकती है जिनका राजनीतिक अवसान संगठनात्मक कमजोरियों और उत्तराधिकार की लड़ाई के कारण हुआ।

भारतीय लोकतंत्र के लिए यह एक महत्वपूर्ण सबक है कि किसी भी राजनीतिक दल की वास्तविक ताकत उसके नेता या परिवार से नहीं, बल्कि उसकी संस्थागत मजबूती, लोकतांत्रिक संस्कृति और कार्यकर्ताओं के विश्वास से निर्धारित होती है। परिवारवाद अल्पकाल में शक्ति का केंद्र बना सकता है, लेकिन दीर्घकाल में वही किसी संगठन की सबसे बड़ी कमजोरी भी सिद्ध हो सकता है।

आती-जाती सत्ता के साथ बदलती नेताओं की वफादारी

संजय सक्सेना

पारिवारिक और सामाजिक जीवन में जहां वफादारी सबसे बड़ी पूंजी होती है, वहीं क्या सियासत की दुनिया में वफादारी सबसे सस्ती चीज होती है? आज यह सवाल हर तरफ पूछा जा रहा है। क्या जब तक सत्ता का 'सूरज' चमकता रहता है, दरबार में भीड़ लगी रहती है। लेकिन जैसे ही सूरज 'अस्ताचल' होने लगता है, सियासी 'महफिल' में सन्नाटा छा जाता है। पश्चिम बंगाल की राजनीति में इस वक्त ठीक यही हो रहा है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के बाद तृणमूल कांग्रेस की बगावत ने पार्टी को पूरी तरह से तहस-नहस कर दिया है। दिल्ली से कोलकाता तक पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी की मनमानी के खिलाफ पार्टी के 20 लोकसभा सांसदों और 58 से अधिक विधायकों ने मोर्चा खोल दिया है। वैसे यह महज एक पार्टी का संकट नहीं है, यह भारतीय लोकतंत्र के उस गहरे घाव को उजागर करता है, जिसे मौकापरस्ती का नासूर कहते हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में भाजपा ने 45.43 प्रतिशत वोट पाकर सत्ता पर कब्जा किया और ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस का वोट शेयर 7.16 प्रतिशत गिर गया। विधानसभा चुनाव 2026 के परिणाम में ममता बनर्जी की पार्टी को मात्र 80 सीटें मिलीं। ममता बनर्जी के 35 में से 22 मंत्रियों को हार का सामना करना पड़ा, यानी करीब 63 प्रतिशत मंत्री चुनाव हार गए। खुद ममता बनर्जी भी अपने पुराने गढ़ भवानीपुर में हार गईं। पंद्रह साल की सत्ता का यह अंत था, लेकिन असली तमाशा इसके बाद शुरू हुआ। पिछले 14 दिन में ही पांच बड़े नेताओं ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। राज्यसभा सांसद सुखेंदु शेखर राय ने पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है और अपनी राज्यसभा सीट भी छोड़ दी है। जिस सुखेंदु शेखर राय को ममता का सबसे भरोसेमंद सिपाही माना जाता था, उन्होंने जाते-जाते भाजपा की तारीफ में पत्र लिखा। 14 बागी सांसद भाजपा के राष्ट्रीय रणनीतिकार और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के आवास पर लंच के लिए जुटे, जहां पश्चिम बंगाल के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी मौजूद थे। यह लंच महज खाने का नहीं, सियासी पाला बदलने का आयोजन था। बागियों की फेहरिस्त लंबी है। काकोली घोष दस्तीदार, जगदीश चंद्र बसुनिया, खलीलुर रहमान, यूसुफ पठान, अबू ताहिर खान, पार्थ भौमिक, बापी हलदार, सायोनी घोष, माला रॉय, मिताली बाग, दीपक अधिकारी, जून मालिया, अरूप चक्रवर्ती और शत्रुघ्न सिन्हा समेत 19 सांसदों के नाम बागी सूची में हैं। टीएमसी सांसद शताब्दी रॉय ने खुलकर कहा कि भारी भ्रष्टाचार की वजह से पार्टी की हार हुई है। उन्होंने संकेत दिए कि वे एनडीए का समर्थन करेंगी और अपने निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए मौजूदा सरकार के साथ काम करेंगी। टीएमसी के पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता शांतनु सेन ने भी पार्टी से इस्तीफा देकर ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व को चुनौती दी। लेकिन यह बीमारी सिर्फ तृणमूल की नहीं है। भारतीय राजनीति का पूरा इतिहास ऐसे मौकापरस्तों से भरा पड़ा है, जिन्होंने सत्ता के लिए अपनी वैचारिक प्रतिबद्धता को ताक पर रख दिया। 2014 में जब नरेंद्र मोदी की अगुआई में भाजपा ने ऐतिहासिक बहुमत हासिल किया, तब से कांग्रेस का एक के बाद एक बड़ा चेहरा पार्टी छोड़ता चला गया। गुलाम नबी आजाद, ज्योतिरादित्य सिंधिया, जितिन प्रसाद, हेमंत बिस्वा सरमा, जगदंबिका पाल, अदिति सिंह काफी लंबी लिस्ट है। राहुल-प्रियंका के सबसे करीबी आरपीएन सिंह तक ने भी कांग्रेस का साथ छोड़ दिया। ये वो लोग थे, जो कभी गांधी परिवार के सबसे करीबी माने जाते थे। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने तो मध्य प्रदेश में कांग्रेस की कमलनाथ सरकार ही पलट दी और सीधे केंद्र में मंत्री बन गए। महाराष्ट्र कांग्रेस के बड़े नेता और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया और अगले ही दिन भाजपा में शामिल हो गए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में निर्णय लेने की क्षमता नहीं है। अमरिंदर सिंह, जो पंजाब के मुख्यमंत्री रहे और जिन्होंने पाकिस्तान से लड़ाई तक की बात की थी, वे भी कांग्रेस छोड़कर अपनी पार्टी बनाकर बाद में भाजपा की गोद में जा बैठे। नारायण राणे, जो महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रहे, उन्होंने भी यही रास्ता चुना। एक नेता ने जाते हुए कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वे 55 साल के साथ को छोड़कर पार्टी बदल लेंगे, लेकिन देश के लिए मोदी जी का विजन बहुत बड़ा है। पचपन साल की निष्ठा रातोंरात इस तरह बदल जाती है, यह भारतीय लोकतंत्र के लिए कोई गौरव की बात नहीं है। इन सबके बीच एक सवाल जरूर उठता है कि क्या इन नेताओं में से कोई एक भी वैचारिक आधार पर पार्टी बदलता है? जवाब ज्यादातर नकारात्मक ही है। टिकट न मिलना, पद से हटाया जाना, या सत्ता की धूप से दूर हो जाना, यही तीन कारण होते हैं, जो नेताओं को रातोंरात क्रांतिकारी बना देते हैं। ज्योतिरादित्य सिंधिया को मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री पद नहीं मिला, तो उन्होंने पार्टी ही बदल दी। जितिन प्रसाद को उत्तर प्रदेश में तवज्जो नहीं मिली, तो उन्होंने भाजपा में शरण ली। यह बात और है कि भाजपा ने भी इन्हें उचित महत्व देने में कोई कमी नहीं रखी। तृणमूल के संदर्भ में यह और भी विडंबनापूर्ण है। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि ममता बनर्जी की पहचान हमेशा से एक फाइटर नेता की रही है। 1998 में कांग्रेस से अलग होकर उन्होंने अकेले दम पर तृणमूल कांग्रेस बनाई और 2011 में 34 साल पुराने वामपंथ को सत्ता से उखाड़ फेंका। लेकिन आज उनकी खुद की बनाई पार्टी में वही हो रहा है, जो उन्होंने कांग्रेस में महसूस करके पार्टी छोड़ी थी। यह राजनीतिक न्याय का एक कड़वा चक्र है। भारतीय राजनीति में दल-बदल को रोकने के लिए दसवीं अनुसूची यानी एंटी-डिफेक्शन लॉ बना, लेकिन नेताओं ने उसकी भी काट निकाल ली। दो-तिहाई का फॉर्मूला हो या व्यक्तिगत इस्तीफे का रास्ता, जहां कानून की दीवार खड़ी होती है, सियासतदान वहां सुरंग खोद लेते हैं। तृणमूल के बागियों ने भी यही किया। व्यक्तिगत इस्तीफे देकर या अलग गुट बनाकर वे उस कानूनी जाल से बाहर निकलने की कोशिश में हैं, जो उन्हें अयोग्य घोषित कर सकता है। असल सवाल यह नहीं है कि ममता के साथी उन्हें क्यों छोड़ रहे हैं या कांग्रेस के दिग्गज भाजपा में क्यों जा रहे हैं। असल सवाल यह है कि भारतीय मतदाता कब तक इस तरह के नेताओं को माफ करता रहेगा? जो नेता आज एक पार्टी की विचारधारा को गाली देकर दूसरी पार्टी में जाता है, वह अगले चुनाव में फिर टिकट मांगता है और अक्सर मिल भी जाता है। यह लोकतंत्र की सबसे बड़ी विडंबना है। पश्चिम बंगाल की ताजा सियासत एक आईना है, जिसमें पूरे भारत की राजनीति का चेहरा दिखता है। सत्ता जब तक रहती है, वफादारी की कसमें खाई जाती हैं। सत्ता जाते ही वफादारी के ये धागे खुद-ब-खुद टूट जाते हैं। ममता बनर्जी ने जो बोया था, वह काटने का वक्त आ गया।

आरोपों के सहारे कब तक चलेगी विपक्ष की राह?

जितेन्द्र कुमार सिन्हा, पटना

लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष दोनों की अपनी-अपनी भूमिका होती है। सत्ता पक्ष शासन चलाता है तो विपक्ष उसकी नीतियों की समीक्षा करता है, कमियों को उजागर करता है और जनता के समक्ष वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। लेकिन जब विपक्ष का प्रमुख हथियार केवल आरोप, लांछन और तोहमत बन जाए, तब राजनीति का स्वरूप बदलने लगता है। बहस और विमर्श की जगह कटुता ले लेती है, तथ्यों की जगह धारणाएँ और नीतियों की जगह नारों का शोर सुनाई देने लगता है। तोहमत अर्थात किसी व्यक्ति, संस्था या विचारधारा पर आरोप लगाना। यह शब्द केवल राजनीतिक शब्दकोष का हिस्सा नहीं है, बल्कि मानव स्वभाव की उस प्रवृत्ति का भी प्रतीक है जिसमें व्यक्ति अपनी असफलताओं का कारण दूसरों में खोजता है। राजनीति में यह प्रवृत्ति और अधिक दिखाई देती है क्योंकि यहाँ सत्ता प्राप्ति का लक्ष्य सर्वोपरि होता है। आज भारतीय राजनीति ऐसे दौर से गुजर रही है जहाँ आरोप और प्रत्यारोप सामान्य राजनीतिक प्रक्रिया का हिस्सा बन चुके हैं। लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि बार-बार लगाए गए आरोप यदि जनता के अनुभवों से मेल नहीं खाते, तो वे आरोप लगाने वाले पक्ष की विश्वसनीयता को ही कमजोर कर देते हैं। मानव इतिहास में आरोप हमेशा से संघर्ष का एक माध्यम रहे हैं। किसी को दोषी सिद्ध कर देना स्वयं को सही सिद्ध करने का सबसे आसान तरीका माना गया है। राजनीति में भी यही सिद्धांत लागू होता है। जब किसी दल के पास अपने पक्ष में पर्याप्त उपलब्धियाँ या स्पष्ट वैकल्पिक दृष्टि नहीं होती है, तब वह विरोधी को कटघरे में खड़ा करने की रणनीति अपनाता है। यह रणनीति कुछ समय तक प्रभावी भी दिखाई देती है। मीडिया का ध्यान आकर्षित होता है, समर्थकों में उत्साह पैदा होता है और विरोधियों के खिलाफ माहौल बनाने का अवसर मिलता है। लेकिन इस रणनीति की एक सीमा होती है। यदि आरोपों के समर्थन में तथ्य न हों या जनता को उनमें राजनीतिक स्वार्थ दिखाई देने लगे, तो वही रणनीति उलटी पड़ जाती है। यही कारण है कि इतिहास में अनेक राजनीतिक आंदोलनों ने केवल विरोध के आधार पर शुरुआत तो की, लेकिन स्थायी सफलता उन्हें तभी मिली जब उन्होंने सकारात्मक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। केवल आरोप किसी आंदोलन को खड़ा कर सकते हैं, लेकिन उसे लंबे समय तक जीवित नहीं रख सकते। भारतीय राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का इतिहास नया नहीं है। स्वतंत्रता के बाद से ही विभिन्न दल एक-दूसरे पर भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण, अवसरवाद, परिवारवाद और जनविरोधी नीतियों के आरोप लगाते रहे हैं। समय के साथ आरोपों की भाषा और अधिक आक्रामक होती गई। सोशल मीडिया के विस्तार ने इस प्रवृत्ति को और गति दी। अब कोई भी आरोप कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुँच सकता है। इसके कारण राजनीतिक संवाद अधिक तीखा और ध्रुवीकृत हुआ है। दुर्भाग्य से इस प्रक्रिया में तथ्यों की जगह भावनाएँ अधिक प्रभावी होने लगी हैं। किसी आरोप का सत्यापन होने से पहले ही वह राजनीतिक हथियार बन जाता है। इससे लोकतांत्रिक विमर्श प्रभावित होता है और समाज में अविश्वास का वातावरण पैदा होता है। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय राजनीति में "गोदी मीडिया" शब्द अत्यंत लोकप्रिय हुआ। विपक्षी दलों और उनके समर्थकों ने इस शब्द का उपयोग उन मीडिया संस्थानों के लिए किया जिन्हें वे सरकार समर्थक मानते थे। मीडिया की आलोचना लोकतंत्र का हिस्सा है। मीडिया यदि निष्पक्ष न रहे तो उस पर प्रश्न उठाना आवश्यक है। लेकिन समस्या तब शुरू होती है जब आलोचना और आरोप के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है। यदि किसी पत्रकार या चैनल का दृष्टिकोण पसंद न आए और उसे सीधे "गोदी मीडिया" घोषित कर दिया जाए, तो यह संवाद का नहीं बल्कि लेबल लगाने का प्रयास बन जाता है। धीरे-धीरे यह स्थिति ऐसी बन गई कि केवल मीडिया संस्थान ही नहीं, बल्कि उनसे सहमत दर्शक भी आलोचना के दायरे में आने लगे। इसका परिणाम यह हुआ कि समाज में वैचारिक विभाजन और गहरा हुआ। लोग विचारों पर चर्चा करने के बजाय एक-दूसरे की निष्ठा पर प्रश्न उठाने लगे। राजनीतिक दल अक्सर अपने समर्थकों को संगठित करने के लिए विरोधी की पहचान गढ़ते हैं। यह रणनीति नई नहीं है। लेकिन जब पूरा राजनीतिक विमर्श "हम" और "वे" की रेखा पर खड़ा हो जाए, तब लोकतंत्र की आत्मा को क्षति पहुँचती है। भारत जैसे विविधताओं से भरे देश में यह खतरा और अधिक बढ़ जाता है। यहाँ अलग-अलग धर्म, भाषाएँ, संस्कृतियाँ और सामाजिक समूह हैं। यदि राजनीति इन विविधताओं को जोड़ने के बजाय विभाजन का माध्यम बन जाए तो सामाजिक संतुलन प्रभावित हो सकता है। पिछले वर्षों में कई राजनीतिक दलों ने अपनी रणनीति ऐसे ही विभाजनों पर आधारित की है। लेकिन चुनावी परिणामों ने बार-बार यह संकेत दिया है कि भारतीय मतदाता अंततः स्थिरता, विकास और शासन की गुणवत्ता को भी महत्व देता है। भारतीय जनता पार्टी ने पिछले एक दशक में अभूतपूर्व राजनीतिक विस्तार किया है। देश के अनेक राज्यों में उसने अपनी उपस्थिति मजबूत की है और राष्ट्रीय राजनीति में प्रमुख शक्ति के रूप में उभरी है। इसके पीछे कई कारण हैं। मजबूत संगठन, स्पष्ट नेतृत्व, राष्ट्रवाद का विमर्श, कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार और बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की सक्रियता इसके प्रमुख कारण माने जाते हैं। विपक्ष ने अक्सर भाजपा की सफलता को केवल प्रचार, मीडिया समर्थन या ध्रुवीकरण से जोड़ने का प्रयास किया है। लेकिन यदि किसी दल की सफलता को केवल आरोपों के माध्यम से समझा जाए तो वास्तविक कारणों का विश्लेषण नहीं हो पाता है। राजनीतिक प्रतिस्पर्धा में सफलता के लिए विरोधी की आलोचना पर्याप्त नहीं होती है। उसके प्रभाव के कारणों को समझना और बेहतर विकल्प प्रस्तुत करना भी आवश्यक होता है। अक्सर यह प्रश्न उठाया जाता है कि कुछ समुदायों की भागीदारी भाजपा में अपेक्षाकृत कम क्यों दिखाई देती है। यह एक महत्वपूर्ण राजनीतिक प्रश्न है और इस पर गंभीर चर्चा होनी चाहिए। लेकिन इसका उत्तर केवल आरोपों में नहीं खोजा जा सकता है। राजनीतिक विश्वास का निर्माण लंबे समय में होता है। इसमें ऐतिहासिक अनुभव, सामाजिक संपर्क, संगठनात्मक प्रयास और नेतृत्व की भूमिका सभी शामिल होती हैं। यदि कोई वर्ग किसी दल से दूरी बनाए रखता है तो दोनों पक्षों को आत्ममंथन करना चाहिए। केवल एक-दूसरे पर दोषारोपण करने से समाधान नहीं निकलता। लोकतंत्र संवाद से मजबूत होता है, आरोपों से नहीं। विभिन्न विपक्षी दलों द्वारा गठित इंडी गठबंधन का उद्देश्य भाजपा के विरुद्ध एक साझा मंच तैयार करना था। इस गठबंधन ने लोकतंत्र, संविधान और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों को प्रमुखता दी। लेकिन गठबंधन के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह रही कि उसका साझा एजेंडा क्या है। भाजपा विरोध के अतिरिक्त जनता के सामने कौन-सी स्पष्ट नीति और कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएँगे, यह प्रश्न लगातार बना रहा। हालिया बैठकों में गठबंधन के नेताओं ने एकजुटता का संदेश देने की कोशिश की है। लेकिन केवल राजनीतिक संदेश पर्याप्त नहीं होते। जनता ठोस योजनाएँ, आर्थिक दृष्टि, रोजगार के अवसर और प्रशासनिक क्षमता भी देखना चाहती है। यदि विपक्ष अपनी ऊर्जा केवल आरोपों में खर्च करेगा तो वह जनता के उन प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाएगा जो उसके दैनिक जीवन से जुड़े हैं। राजनीति में सबसे बड़ा संकट पराजय नहीं, बल्कि प्रासंगिकता का खो जाना है। कोई दल चुनाव हारकर भी मजबूत रह सकता है, लेकिन यदि जनता उसे गंभीरता से लेना बंद कर दे तो उसकी स्थिति कठिन हो जाती है। लगातार आरोप लगाने की राजनीति अक्सर इसी दिशा में ले जाती है। जब जनता को लगता है कि कोई दल केवल विरोध के लिए विरोध कर रहा है, तब उसके प्रति रुचि कम होने लगती है। यही उपेक्षा की पहली सीढ़ी है। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि मतदाता केवल नारों से प्रभावित नहीं होता। वह परिणाम, नीतियाँ और नेतृत्व की विश्वसनीयता भी देखता है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी सकारात्मकता में निहित है। विपक्ष की भूमिका केवल सरकार की आलोचना करना नहीं है, बल्कि बेहतर विकल्प प्रस्तुत करना भी है। यदि विपक्ष शिक्षा सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, रोजगार सृजन, कृषि सुधार और आर्थिक विकास पर ठोस दृष्टि प्रस्तुत करे तो लोकतांत्रिक प्रतिस्पर्धा और मजबूत होगी। इसी प्रकार सत्ता पक्ष को भी आलोचना को शत्रुता के रूप में नहीं देखना चाहिए। स्वस्थ लोकतंत्र वही है जहाँ आलोचना और उत्तरदायित्व दोनों मौजूद हो। राजनीतिक इतिहास का अनुभव स्पष्ट है कि तोहमत की राजनीति अंततः सीमित परिणाम देती है। आरोपों के आधार पर माहौल बनाया जा सकता है, लेकिन स्थायी जनसमर्थन नहीं प्राप्त किया जा सकता। जनता अंततः कार्य, परिणाम और नेतृत्व की विश्वसनीयता को महत्व देती है। इसलिए किसी भी राजनीतिक दल या गठबंधन के लिए आवश्यक है कि वह आरोपों से आगे बढ़कर विश्वास की राजनीति करे। किसी व्यक्ति, संस्था या विचारधारा को लगातार दोषी ठहराकर स्वयं को श्रेष्ठ सिद्ध करने की कोशिश अल्पकालिक लाभ दे सकती है, लेकिन दीर्घकाल में वही रणनीति उपेक्षा का कारण बन जाती है। लोकतंत्र में विजय का मार्ग आरोपों से नहीं, बल्कि संवाद, विश्वास, नीति और जनसेवा से होकर गुजरता है।

मेष राशिः सुबह किसी काम को लेकर जल्दबाजी करने का मन होगा, हालांकि हालात ऐसे बनेंगे कि आपको थोड़ा धैर्य रखना पड़ेगा। कई बार जो काम तुरंत पूरे होते नहीं दिखते, वही बाद में आसानी से निपट जाते हैं। इसलिए किसी बात को लेकर बेवजह तनाव लेने से बचें। कामकाज के बीच किसी पुराने व्यक्ति से संपर्क हो सकता है। यह बातचीत भले ही छोटी हो, लेकिन आपको किसी जरूरी बात की याद दिला सकती है। शुभ अंकः 5

वृषभ राशिः आज का दिन कुछ ऐसे बीत सकता है कि शाम तक आपको लगेगा, "अच्छा हुआ मैंने जल्दबाज़ी नहीं की।" सुबह किसी बात को लेकर मन थोड़ा उलझा रह सकता है। कोई फैसला लेना हो या किसी व्यक्ति की बात समझनी हो, आपको लगेगा कि अभी पूरी तस्वीर साफ नहीं है। ऐसे में खुद पर दबाव डालने की बजाय थोड़ा समय देना बेहतर रहेगा। काम के सिलसिले में दिन सामान्य रहेगा। शुभ अंकः 6

मिथुन राशिः आज आपका मन एक जगह टिकने के मूड में नहीं रहेगा। सुबह से ही कई बातें एक साथ दिमाग में चलती रह सकती हैं। किसी से बात करते-करते अचानक किसी और काम की याद आ जाएगी, तो कभी कोई पुराना विचार फिर से मन में घूमने लगेगा। ऐसे में जरूरी कामों की सूची बनाकर चलना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। कामकाज के मामले में दिन ठीक रहेगा। शुभ अंकः 5

कर्क राशिः आज आप बाहर से जितने शांत दिखेंगे, अंदर उतनी ही बातें चल रही होंगी। सुबह किसी पुरानी घटना, व्यक्ति या बातचीत की याद अचानक मन में आ सकती है। कुछ समय के लिए आप अपने ही विचारों में खोए रह सकते हैं। हालांकि दिन आगे बढ़ने के साथ आपका ध्यान फिर से वर्तमान कामों पर आ जाएगा। कामकाज में आज जल्दबाजी करने से बचें। कोई छोटी-सी गलती दोबारा मेहनत करवा सकती है। शुभ अंकः 2

सिंह राशिः आज का दिन उन दिनों में से हो सकता है जब लोग आपकी ओर किसी न किसी वजह से ध्यान दें। सुबह से ही कई छोटे-छोटे काम एक साथ सामने आ सकते हैं, लेकिन आप उन्हें संभालने की कोशिश करेंगे। किसी व्यक्ति की कही हुई बात आपको पहले थोड़ी अजीब लग सकती है, लेकिन बाद में महसूस होगा कि उसमें कुछ सच्चाई भी थी। शुभ अंकः 1

कन्या राशिः आज आप कई बातों को सामान्य से ज्यादा बारीकी से देख सकते हैं। कोई छोटा काम भी आपके लिए तब तक पूरा नहीं होगा, जब तक आपको संतुष्टि न मिल जाए। सुबह किसी जरूरी काम को लेकर थोड़ी भागदौड़ हो सकती है, लेकिन धीरे-धीरे स्थिति नियंत्रण में आ जाएगी। कार्यस्थल पर आज आपकी समझदारी काम आएगी। जहां दूसरे लोग जल्दबाजी में निर्णय ले सकते हैं, वहीं आप ठहरकर सोचने की कोशिश करेंगे। शुभ अंकः 5

तुला राशिः आज हर बात को तुरंत तय कर लेना आपके लिए आसान नहीं होगा। मन किसी एक फैसले पर पहुंचने से पहले उसके कई पहलुओं को देखना चाहेगा। वैसे भी आप बिना सोचे-समझे कदम उठाने वालों में से नहीं हैं, इसलिए खुद को जल्दबाजी के लिए मजबूर न करें। सुबह किसी फोन कॉल, संदेश या बातचीत के कारण दिन की दिशा थोड़ी बदल सकती है। शुभ अंकः 6

वृश्चिक राशिः आज आप कुछ बातों को अपने तक ही रखना पसंद करेंगे। हर विचार या योजना दूसरों के साथ साझा करने का मन नहीं होगा और यह बिल्कुल स्वाभाविक भी है। सुबह किसी पुराने काम या अधूरी जिम्मेदारी का ध्यान आ सकता है। जिस काम को आप बाद के लिए छोड़ते आ रहे थे, उसे पूरा करने का दबाव महसूस हो सकता है। कार्यस्थल पर किसी व्यक्ति का व्यवहार आपको थोड़ा हैरान कर सकता है। शुभ अंकः 9

धनु राशिः आज आपका मन घर की चारदीवारी से ज्यादा नई चीजों और नए विचारों की ओर आकर्षित हो सकता है। सुबह किसी योजना को लेकर उत्साह रहेगा, लेकिन दिन बढ़ने के साथ कुछ बदलाव भी करने पड़ सकते हैं। यह बदलाव आपको शुरुआत में पसंद न आए, लेकिन बाद में समझ आएगा कि यही सही था। शुभ अंकः 3

मकर राशिः आज आप अपने आसपास की चीजों को सामान्य से ज्यादा गंभीरता से देख सकते हैं। कोई छोटी-सी बात भी आपके मन में देर तक चलती रह सकती है। सुबह किसी जिम्मेदारी को लेकर व्यस्तता बढ़ सकती है, लेकिन आप धीरे-धीरे सब संभाल लेंगे। कामकाज में आज आपकी व्यवहारिक सोच सबसे बड़ी ताकत रहेगी। शुभ अंकः 8

कुंभ राशिः आज का दिन कुछ ऐसे अनुभव दे सकता है जो देखने में साधारण लगें, लेकिन उनका असर आपके मन पर देर तक बना रहे। सुबह किसी बात को लेकर आप अपना मन बदल सकते हैं। जिस काम को लेकर कल तक पूरा भरोसा था, आज उसी पर दोबारा विचार करने का मन हो सकता है। इसे असमंजस न समझें, बल्कि चीजों को अलग नजरिए से देखने की आपकी क्षमता कहें। शुभ अंकः 4

मीन राशिः शनिवार का दिन आपको थोड़ा धीमा चलने की सलाह दे रहा है। हर बात का जवाब तुरंत ढूंढने या हर समस्या को उसी समय सुलझाने की कोशिश करने के बजाय आज परिस्थितियों को जैसा है, वैसा देखने का मन करेगा। दिलचस्प बात यह है कि इसी तरीके से कई उलझनें खुद-ब-खुद आसान लगने लगेंगी। सुबह किसी पुराने परिचित, रिश्तेदार या मित्र से जुड़ी कोई खबर मिल सकती है। शुभ अंकः 7

संक्षिप्त समाचार

मतदाता मैपिंग के दौरान नहीं जमा करने होंगे दस्तावेज : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (CEO) के. रवि कुमार ने स्पष्ट किया है कि झारखंड में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR)-2026 प्रक्रिया के इन्यूमरेशन (गणना) चरण के दौरान मतदाताओं से कोई दस्तावेज नहीं लिया जाएगा। मतदाताओं को केवल नवीनतम रंगीन फोटो के साथ भरा एवं हस्ताक्षरित इन्यूमरेशन फॉर्म बीएलओ को जमा करना होगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि जिन मतदाताओं ने अपना या अपने माता-पिता का मैपिंग कार्य पूरा कर लिया है, उन्हें किसी प्रकार का दस्तावेज देने की आवश्यकता नहीं है और उनका नाम प्रारूप मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। जिन मामलों में विसंगतियां होंगी, उन्हें ईआरओ, एईआरओ और बीएलओ द्वारा दूर करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि केवल उन्हीं मतदाताओं को दस्तावेज जमा करने होंगे जिन्हें 5 अगस्त से 3 अक्टूबर 2026 के बीच नोटिस जारी किया जाएगा। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार इन्यूमरेशन चरण में दस्तावेज संग्रह नहीं किया जाएगा। सीईओ ने बताया कि बीएलओ घर-घर जाकर पूर्व-भरे हुए इन्यूमरेशन फॉर्म वितरित करेंगे और भरे हुए फॉर्म एकत्र कर उनका डिजिटलीकरण करेंगे। मतदाता अपनी पूर्व की एसआईआर संबंधी जानकारी www.voters.eci.gov.in से भी प्राप्त कर सकते हैं। नए मतदाताओं को पंजीकरण के लिए फॉर्म-6 तथा निर्वाचन क्षेत्र परिवर्तन के लिए फॉर्म-8 निर्धारित अवधि में आवश्यक दस्तावेजों के साथ जमा करना होगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के अनुसार, 14 जून 2026 तक राज्य के 2.64 करोड़ मतदाताओं में से 2.11 करोड़ (79.73 प्रतिशत) मतदाता अपना या अपने माता-पिता का मैपिंग कार्य पूरा कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि एसआईआर-2026 की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और मतदाता हितैषी बनाया गया है।

उन्नत बीजों के साथ किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में श्रीराम फार्म सॉल्युशन्स का कदम

हजारीबाग। डीसीएम श्रीराम लिमिटेड के प्रभाग श्रीराम फार्म सॉल्युशन्स ने रांची में आयोजित कार्यक्रम में किसानों की उत्पादकता बढ़ाने के उद्देश्य से नई पीढ़ी के हाइब्रिड बीज, रिसर्च बीज और सब्जियों के बीज लॉन्च किए। इस अवसर पर क्षेत्र के प्रमुख चैनल पार्टनर उपस्थित रहे।कंपनी ने हाइब्रिड सीड सेगमेंट में धान के लिए श्रीराम 470 और श्रीराम 735 पेश किए, जबकि रिसर्च सीड सेगमेंट में श्रीराम सुपर 7733 और श्रीराम सुपर 7700 को लॉन्च किया। इसके अलावा सब्जी बीज श्रेणी में अर्ली पिकिंग हाइब्रिड टमाटर श्रीराम 2628 भी पेश किया गया, जो बेहतर गुणवत्ता और अच्छी पैदावार देने के लिए विकसित किया गया है। इस मौके पर श्रीराम फार्म सॉल्युशन्स के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर एवं बिजनेस हेड संजय छाबड़ा ने कहा कि कंपनी किसानों तक आधुनिक बीज, फसल सुरक्षा और पोषण समाधान पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि वे बेहतर उत्पादन के साथ अपनी खेती को अधिक लाभकारी बना सकें।

सरकार का आयोजित 1जून से 30जून तक चलने वाला खेत बचाव अभियान कार्यक्रम का जागरूकता अभियान चलाया गया

सिमरिया।प्रखंड क्षेत्र के हुरनाली पंचायत के मरहा में प्रखंड तकनीकी प्रबंधक राजेश कुमार एवं सहायक तकनीकी प्रबंधक सुधीर कुमार के द्वारा ग्रामीण किसानों एवं महिलाओं की उपस्थिति में सरकार के द्वारा 01 जून से 30 जून तक चलाई जा रही राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम "खेत बचाओ अभियान"कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जहां प्रखंड तकनीकी प्रबंधक राजेश कुमार के द्वारा किसानों को -मिट्टी का स्वास्थ्य, प्राकृतिक एवं जैविक खेती, जल संरक्षण एवं विभाग के द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में किसानों को बताया तथा साथ -ही -साथ कृषक गोष्ठी का भी आयोजन किया गया गोष्ठी के माध्यम से किसानों को खरीफ के मौसम में लगाए जाने वाले विभिन्न फसलों के बारे में आवश्यक तैयारी कैसे करें इसके बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई।

शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर शिकंजा, ब्रेथ एनालाइजर से हुई जांच

» तेज रफ्तार और लापरवाह चालकों को दी गई कड़ी चेतावनी

चतरा।सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए वशिष्ठ नगर पुलिस ने शनिवार को देर शाम थाना के समीप विशेष वाहन जांच अभियान चलाया। अभियान का नेतृत्व पुलिस इंस्पेक्टर विपिन कुमार ने किया। अभियान के दौरान हाईवा, ट्रक और अन्य भारी वाहनों को रोककर सघन जांच की गई। ब्रेथ एनालाइजर मशीन से चालकों की जांच की गई ताकि यह पता चल सके कि कहीं वे शराब पीकर वाहन तो नहीं चला रहे हैं। तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने वाले कई चालकों को रोका। सभी को यातायात नियमों का पालन करने और सुरक्षित वाहन चलाने के प्रति जागरूक किया गया। नियम तोड़ने वालों को कड़ी चेतावनी दी गई। कि क्षेत्र में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी के निर्देश पर यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने वाहन चालकों से अपील की "शराब पीकर गाड़ी बिल्कुल न चलाएं। तेज रफ्तार और लापरवाही से ड्राइविंग करना जानलेवा हो सकता है। थोड़ी सी असावधानी बड़ी दुर्घटना का कारण बन जाती है। यातायात नियमों का पालन करके ही हम सड़क हादसों को रोक सकते हैं"। शराब पीकर वाहन चलाने वालों और ओवरलोडिंग करने वाले वाहनों पर विशेष नजर रखी जाएगी। इसअभियान में वशिष्ठ नगर थाना प्रभारी अमित कुमार सिंह सहित थाना के कई पुलिस जवान मौजूद थे।

माफिया राज के खिलाफ 22 जून को धनबाद में जनाक्रोश मार्च : सुदेश महतो

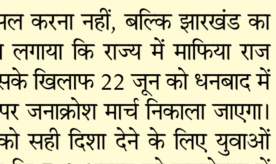

सरायकेला। आजसू पार्टी की कोल्हान प्रमंडलीय बैठक रविवार को सरायकेला टाउन हॉल में आयोजित हुई। बैठक में पार्टी प्रमुख एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो ने कहा कि आजसू का उद्देश्य केवल वोट हासिल करना नहीं, बल्कि झारखंड का नवनिर्माण करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में माफिया राज और भ्रष्टाचार का बोलबाला है, जिसके खिलाफ 22 जून को धनबाद में आजसू स्थापना दिवस के अवसर पर जनाक्रोश मार्च निकाला जाएगा। सुदेश महतो ने कहा कि झारखंड को सही दिशा देने के लिए युवाओं को आगे आना होगा। उन्होंने बताया कि 7-8 अगस्त को जमशेदपुर में युवा सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें 10 हजार सक्रिय युवा कार्यकर्ता तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं 5 जुलाई को रांची में प्रदेश महिला अधिवेशन होगा। बैठक में संगठन विस्तार, बूथ स्तर तक पार्टी को मजबूत बनाने, रोजगार, विकास, भ्रष्टाचार, कानून-व्यवस्था और अन्य जनसरोकारों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। आगामी जनाक्रोश मार्च, महिला अधिवेशन और युवा सम्मेलन की सफलता को लेकर भी रणनीति बनाई गई। बैठक को पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस, केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर, केंद्रीय महासचिव हरेलाल महतो, प्रो. रविशंकर मौर्य, सत्यनारायण महतो, चंद्रगुप्त सिंह, नंदलाल बिरुवा, नंदू पटेल, दिनेश चंद्र बाईपोई और चंद्रमोहन सिंकू सहित कई नेताओं ने संबोधित किया। बैठक के अंत में ओडिशा के क्योंझर से आए सैकड़ों लोगों ने सुदेश महतो की उपस्थिति में आजसू पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

विकसित भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा देश : नित्यानंद राय

नई सोच एक्सप्रेस

» मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर रांची में प्रबुद्ध नागरिक संवाद कार्यक्रम आयोजित

रांची। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में ओरमांझी स्थित साईं नाथ यूनिवर्सिटी में आयोजित प्रबुद्ध नागरिक संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास, सुशासन और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि आज भारत पूरे आत्मविश्वास के साथ विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ रहा है। कार्यक्रम में श्री राय ने कहा कि विकास और विरासत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन की प्रमुख विशेषताएं हैं। उन्होंने कहा कि राम मंदिर निर्माण इसी सोच का हिस्सा है। जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर में सुरक्षा स्थिति में सुधार का उल्लेख करते हुए उन्होंने दावा किया कि आतंकवादी घटनाओं में 98 प्रतिशत तथा पूर्वोत्तर में उग्रवाद की घटनाओं में 82 प्रतिशत की कमी आई है। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद पर भी प्रभावी नियंत्रण स्थापित हुआ है, जिसका सकारात्मक असर झारखंड समेत कई राज्यों में दिखाई दे रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार के 12 वर्ष सेवा, सुशासन, पारदर्शिता और जनकल्याण पर आधारित नए भारत के निर्माण का स्वर्णिम काल रहे हैं। जनधन योजना, उज्ज्वला योजना, पीएम किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री आवास योजना और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन में बदलाव लाया है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत, डिजिटल नवाचार और मजबूत नेतृत्व के बल पर भारत वैश्विक स्तर पर नई पहचान बना रहा है। उन्होंने विकसित भारत-2047 के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि यह लक्ष्य सभी नागरिकों की भागीदारी से ही पूरा होगा। शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में आईआईटी, एम्स तथा मेडिकल कॉलेजों की बढ़ती संख्या का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए नए अवसर सृजित हुए हैं और किसान, महिलाएं तथा श्रमिक देश की विकास यात्रा के सक्रिय भागीदार बने हैं। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने केंद्रीय मंत्री का स्वागत किया। इस अवसर पर साईं नाथ यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. एस.पी. अग्रवाल, रांची पूर्वी जिलाध्यक्ष विनय महतो धीरज, रांची पश्चिमी जिलाध्यक्ष नरेंद्र सिंह, रांची महानगर अध्यक्ष वरुण साहू, अंतरराष्ट्रीय फुटबॉलर दिव्याणी लिंडा सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्ध नागरिक और भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे। इससे पूर्व केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने बरियातू मंडल के तेतर टोली तालाब परिसर में स्वच्छता अभियान में भाग लिया तथा सफाई कर्मियों को सम्मानित किया। उन्होंने सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर में शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की और केंद्रीय मंत्री संजय सेठ से शिष्टाचार मुलाकात भी की। इसके अलावा प्रगति पथ यात्रा के तहत रातू रोड एलिवेटेड कॉरिडोर का भी दौरा किया।

बभने आहार में मिले तीन सोलर पैनल, क्षेत्र में चर्चा का विषय बना मामला

नई सोच एक्सप्रेस

प्रतापपुर।प्रखंड के बभने गांव स्थित आहार से रविवार सुबह तीन सोलर पैनल बरामद होने के बाद क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। जानकारी के अनुसार, सुबह टहलने गए स्थानीय लोगों की नजर आहार के समीप पलाश के पेड़ों और झाड़ियों के पीछे छिपाकर रखे गए तीन अलग-अलग सोलर पैनलों पर पड़ी। इसके बाद इसकी सूचना आसपास के ग्रामीणों को दी गई। अचानक सुनसान स्थान पर सोलर पैनल मिलने से ग्रामीणों के बीच यह चर्चा का विषय बन गया कि आखिर ये पैनल यहां कैसे पहुंचे। कई लोगों ने आशंका जताई कि ये चोरी के सोलर पैनल हो सकते हैं, जिन्हें किसी ने छिपाकर रखा हो। मामले की सूचना मिलते ही प्रतापपुर पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों सोलर पैनलों को जब्त कर थाना ले गई। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है तथा यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि सोलर पैनल किसके हैं और इन्हें यहां किस उद्देश्य से छिपाकर रखा गया था। जांच के बाद ही पूरे मामले का खुलासा हो सकेगा।

HEC के पुनरुद्धार के लिए केंद्र सरकार तत्काल पैकेज दे : कांग्रेस

नई सोच एक्सप्रेस

» भाजपा की नीतियों से संस्थान संकट में, कर्मचारियों के हितों की रक्षा हो : विजय शंकर नायक

रांची।झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने केंद्र सरकार से हेवी इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन (HEC) के पुनरुद्धार के लिए तत्काल विशेष पैकेज घोषित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि HEC केवल एक सार्वजनिक उपक्रम नहीं, बल्कि आधुनिक भारत के औद्योगिक विकास का महत्वपूर्ण प्रतीक है। रविवार को जारी बयान में नायक ने कहा कि देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की परिकल्पना से स्थापित HEC ने रक्षा, अंतरिक्ष, इस्पात, ऊर्जा और आधारभूत संरचना निर्माण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 12 वर्षों में केंद्र की नीतियों और उपेक्षा के कारण HEC गंभीर संकट से गुजर रहा है। कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं मिल रहा है, उत्पादन प्रभावित हुआ है और हजारों परिवारों की आजीविका पर संकट मंडरा रहा है। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत की बात करने वाली केंद्र सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि देश के महत्वपूर्ण औद्योगिक संस्थानों में शामिल HEC को बचाने के लिए ठोस कदम क्यों नहीं उठाए जा रहे हैं। कांग्रेस ने HEC के लिए विशेष पुनरुद्धार पैकेज, कर्मचारियों के लंबित वेतन एवं बकाया भुगतान, DRDO, ISRO, HAL, SAIL, NTPC, रेलवे और रक्षा क्षेत्र से बड़े कार्यादेश देने, संस्थान के आधुनिकीकरण के लिए निवेश बढ़ाने तथा उसकी भूमि एवं परिसंपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। पार्टी ने HEC को राष्ट्रीय महत्व के रणनीतिक औद्योगिक संस्थान के रूप में विकसित करने की भी मांग की। नायक ने कहा कि HEC को बचाना केवल एक उद्योग को बचाना नहीं, बल्कि झारखंड की औद्योगिक पहचान, हजारों परिवारों की आजीविका और देश के औद्योगिक स्वाभिमान की रक्षा करना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी HEC को कमजोर करने, बंद करने या उसकी संपत्तियों के विनिवेश के किसी भी प्रयास का विरोध करेगी। उन्होंने कहा कि HEC के संचालन और सशक्तीकरण से हजारों परिवारों की आजीविका सुरक्षित होगी तथा झारखंड के औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी।

गिरिडीह में झामुमो का BLA-2 प्रशिक्षण शिविर, SIR पर कार्यकर्ताओं को किया जागरूक

नई सोच एक्सप्रेस

गिरिडीह।विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) अभियान को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने रविवार को गिरिडीह के उत्सव उपवन सभागार में BLA-2 प्रशिक्षण सह बूथ सम्मेलन का आयोजन किया। कार्यक्रम में जिले की सभी छह विधानसभा क्षेत्रों के BLA-2 और बूथ कमेटी के पदाधिकारियों ने भाग लिया। नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि एक भी पात्र मतदाता का नाम न कटे, इसकी जिम्मेदारी BLA-2 और बूथ कमेटियों की है। उन्होंने विश्वास जताया कि झामुमो SIR की इस चुनौती का भी सफलतापूर्वक सामना करेगी। गांडेय विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन ने महिलाओं से संबंधित मतदाता अभिलेखों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि पात्र मतदाताओं के नाम कटने न पाएं और कोई फर्जी वोट न जुड़े, इसके लिए बूथ स्तर पर तैयारी जरूरी है। झामुमो के केंद्रीय महासचिव एवं प्रवक्ता विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि पार्टी SIR प्रक्रिया को लेकर गंभीर है और बूथ से लेकर केंद्रीय स्तर तक इसकी निगरानी की जा रही है। वहीं राज्यसभा सांसद डॉ. सरफराज अहमद ने कार्यकर्ताओं से सतर्क रहने और किसी समस्या की स्थिति में वरिष्ठ नेताओं से संपर्क करने की अपील की। कार्यक्रम में रांची से आई टीम ने SIR प्रक्रिया की जानकारी दी और आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराए। इससे पूर्व नेताओं ने शहीद बेदी पर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में महापौर प्रमिला मेहरा, उपमहापौर सुमित कुमार समेत बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं महिलाएं उपस्थित रहीं।

अवैध खनन में सरकार की मिलीभगत का आरोप, न्यायिक जांच की मांग

नई सोच एक्सप्रेस

» रामगढ़ हादसे के पीड़ित परिवारों से मिले नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी

रामगढ़। नेता प्रतिपक्ष एवं भाजपा नेता बाबूलाल मरांडी शनिवार को रामगढ़ के अरगड्डा क्षेत्र में अवैध कोयला खनन से जुड़े हादसे में मारे गए चार मजदूरों के परिजनों से मिलने पहुंचे। उन्होंने मृतक देवा बेदिया, डबलू बेदिया, किशोर रवानी और आशीष घटवार के परिवारों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की तथा हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। मरांडी ने घटना को अत्यंत दुखद बताते हुए कहा कि बंद पड़ी खदान में एक व्यक्ति को बचाने के प्रयास में चार लोगों की दम घुटने से मौत होना केवल हादसा नहीं, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही और भ्रष्ट व्यवस्था का परिणाम है। उन्होंने कहा कि बंद खदानों की सुरक्षा और घेराबंदी जिला प्रशासन तथा सीसीएल की जिम्मेदारी है। ऐसे में इस दुर्घटना के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय होनी चाहिए। नेता प्रतिपक्ष ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि झारखंड में अवैध खनन का कारोबार सरकार और प्रशासन के संरक्षण में फल-फूल रहा है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में अवैध कारोबार से होने वाली कमाई का बड़ा हिस्सा सत्ता के शीर्ष स्तर तक पहुंचता है। मरांडी ने आरोप लगाया कि अवैध खनन में पुलिस, प्रशासन और अन्य विभागों की भी मिलीभगत है। उन्होंने कहा कि हादसे के बाद राहत और बचाव कार्य को लेकर भी कई गंभीर सवाल उठे हैं। आरोप है कि रेस्क्यू के नाम पर पैसे वसूले गए और घायलों को बेहतर इलाज के लिए रेफर करने के बजाय सीधे सदर अस्पताल ले जाया गया। यदि ये आरोप सही हैं तो इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। मरांडी ने मुख्यमंत्री से पूरे मामले की उच्चस्तरीय न्यायिक जांच कराने, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने तथा पीड़ित परिवारों को सम्मानजनक मुआवजा और सरकारी नौकरी देने की मांग की। उन्होंने कहा कि केवल निलंबन जैसी औपचारिक कार्रवाई पर्याप्त नहीं होगी। ग्रामीणों और पीड़ित परिवारों ने नेता प्रतिपक्ष को बताया कि विस्थापन के कारण उनकी जमीन चली गई है और रोजगार के साधन नहीं हैं। मजबूरी में लोग जान जोखिम में डालकर कोयला निकालने का काम करते हैं। परिजनों ने सीसीएल से मृतकों के परिवारों को 10-10 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग की है। मरांडी ने दावा किया कि अरगड्डा क्षेत्र में बड़ी संख्या में अवैध सुरंगनुमा खदानें संचालित हो रही हैं, जहां कोयला निकालने के लिए आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी गतिविधियां प्रशासन की जानकारी के बिना संभव नहीं हैं। घटना को लेकर क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है, जबकि विपक्ष ने राज्य सरकार से जवाबदेही तय करने और अवैध खनन पर प्रभावी कार्रवाई की मांग की है।

छठ घाट की दुर्दशा पर वार्डवासियों का फूटा आक्रोश, महापौर को सौंपा आवेदन

नई सोच एक्सप्रेस

हजारीबाग ।नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या 34 स्थित छठ घाट की जर्जर स्थिति को लेकर स्थानीय निवासियों में गहरा आक्रोश है। बरसात से पहले घाट की मरम्मत और नालियों की सफाई की मांग को लेकर वार्डवासियों ने हजारीबाग नगर निगम के महापौर अरविंद कुमार राणा को एक सामूहिक आवेदन सौंपा है। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो वे आंदोलन को बाध्य होंगे।आवेदन में बताया गया है कि वर्षों पुराने इस ऐतिहासिक छठ घाट की सीढ़ियां पूरी तरह टूट चुकी हैं, जिससे श्रद्धालुओं, विशेषकर महिलाओं और बुजुर्गों के लिए यहां आना जोखिम भरा हो गया है। इसके अलावा, समीप की नालियों की नियमित सफाई न होने से गंदा पानी सीधे तालाब में मिल रहा है, जिससे धार्मिक आस्था आहत होने के साथ-साथ महामारी का खतरा भी मंडरा रहा है। वार्डवासियों ने नगर निगम प्रशासन से मांग की है कि मानसून की शुरुआत से पहले युद्धस्तर पर घाट का जीर्णोद्धार कराया जाए। आवेदन सौंपने वालों में मुख्य रूप से राजीव कुमार, सुषमा वर्मा, हुलास साव, अवधेश कुमार, सिद्धार्थ कुमार, संतोष कुमार और संजीव कुमार सहित कई स्थानीय लोग शामिल हैं।

भद्रकाली महाविद्यालय इटखोरी में उन्नत भारत अभियान के तहत "संडे ऑन साइकिल" कार्यक्रम का आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

इटखोरी।भद्रकाली महाविद्यालय इटखोरी में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के निर्देशानुसार फ्लैगशिप कार्यक्रम के तहत महाविद्यालय की उन्नत भारत अभियान तथा एन एस एस इकाई 1 एवं इकाई 2 के तत्वावधान में संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम का आयोजन किया गया।यह कार्यक्रम देश भर के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में प्रति वर्ष 14 जून को फिट इंडिया मूवमेंट के तहत आयोजित किया जाता है। आयोजित कार्यक्रम में महाविद्यालय की उन्नत भारत अभियान की इकाई के तहत गोद लिये गये गांवों में लोगों को स्वस्थ्य और फिट रहने के गुर बताए गए और जागरूकता अभियान चलाया गया। साथ ही महाविद्यालय के शिक्षक शिक्षकेतर कर्मचारियों,छात्र छात्राओं और ग्रामीणों द्वारा साइकिल चला कर लोगों को शारीरिक रूप से फिट रहने का संदेश दिया। चूंकि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का विकास होता है। अतः शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए योग,प्राणायाम,खेल, साइक्लिंग, तैराकी जैसी शारीरिक गतिविधियां आवश्यक है। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉक्टर दुलार ठाकुर,प्रो0 सकेंद्र मिस्त्री,प्रो0 महेंद्र ठाकुर, प्रो0 ललित मोहन चौधरी,उन्नत भारत अभियान के समन्वयक प्रो0 अखिलेश कुमार पांडेय, एन एस एस कार्यक्रम प्रभारी ,प्रो0 संदीप कुमार, शुभम सौरभ,इंद्रजीत सिंह,यशवंत सिंह ,मनीषा कुमारी,सहित छात्र छात्राओं की उपस्थिति रही।

पंडरपाला पंचायत में महिलाओं के लिए प्रशिक्षण केंद्र खोलने की मांग

नई सोच एक्सप्रेस

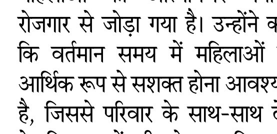

धनबाद।न्यू डीपाट 12 नंबर पंडरपाला पंचायत में पंचायत समिति सदस्य लक्ष्मी देवी के नेतृत्व में वंचित समाज की बेरोजगार महिलाओं के उत्थान के लिए प्रशिक्षण केंद्र खोलने को लेकर एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से वंचित मुक्ति मोर्चा के बिहार प्रदेश अध्यक्ष सह झारखंड प्रभारी रामा शीष चौहान उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए श्री चौहान ने कहा कि धनबाद के विधायक राज सिन्हा के सहयोग से विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से अनेक बेरोजगार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर रोजगार से जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में महिलाओं का आर्थिक रूप से सशक्त होना आवश्यक है, जिससे परिवार के साथ-साथ देश के विकास में भी योगदान दिया जा सके। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं और महिलाओं को रोजगार से जोड़ने का कार्य कर रही है। इसी सोच के अनुरूप धनबाद विधानसभा क्षेत्र में भी सामाजिक संगठनों के सहयोग से कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। श्री चौहान ने विधायक राज सिन्हा से पंडरपाला पंचायत में शीघ्र एक प्रशिक्षण केंद्र खोलने की मांग की, ताकि क्षेत्र की बेरोजगार महिलाओं को इसका लाभ मिल सके। बैठक में गुंजा कुमारी, जयंती कुमारी, प्रीति कुमारी, करीना कुमारी, सोनामनी देवी, कविता देवी, मधुरी कुमारी, किरण देवी, मालती देवी, दीपाली कुमारी, कोमल कुमारी, सुभाषी कुमारी, कुनिया देवी, प्रीति देवी, गुरप्रीत कौर, रेशमी कौर, रूबी देवी, पिंकी देवी, मंजीत कौर, नीतू देवी एवं अन्य महिलाएं उपस्थित थीं।

संक्षिप्त समाचार

अवैध पत्थर खदान पर छापेमारी, दो हाइवा, एक पोकलेन और एक ड्रिलिंग मशीन जब्त

डुमरी । अनुमंडल प्रशासन और खनन विभाग की संयुक्त टीम ने डुमरी थाना क्षेत्र के चीनो मौजा में संचालित एक अवैध पत्थर खदान पर छापेमारी कर बड़ी कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान अवैध उत्खनन में उपयोग हो रहे दो हाइवा, एक पोकलेन मशीन और एक ड्रिलिंग मशीन को जब्त किया गया। छापेमारी का नेतृत्व एसडीएम संतोष कुमार ने किया। टीम में एसडीपीओ आबिद खान, सीओ शशिभूषण वर्मा, प्रभारी डीएमओ सह खनन निरीक्षक विश्वनाथ उरांव, थाना प्रभारी श्रीकांत कुमार समेत पुलिस बल शामिल था। जानकारी के अनुसार बिना खनन पट्टा के पत्थर उत्खनन और परिवहन की शिकायत मिलने पर यह कार्रवाई की गई। मौके से तीन मजदूरों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया, जिन्हें बाद में छोड़ दिया गया। मामले में अज्ञात संचालक के खिलाफ अवैध खनन, परिवहन और खनिज चोरी का केस दर्ज किया गया है।

खेत बचाओ अभियान के तहत किसानों को किया गया जागरूक

लातेहार । खेत बचाओ अभियान के तहत सदर प्रखंड के मोंगर पंचायत के हरखा ग्राम में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान में किसानों को संतुलित उर्वरक प्रबंधन एवं सूखा प्रबंधन से संबंधित महत्वपूर्ण तकनीकी जानकारीयां विस्तृत रूप से दी गई। किसानों को फसलों की आवश्यकता के अनुसार संतुलित मात्रा में उर्वरकों के उपयोग, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, जैविक एवं रासायनिक उर्वरकों के समुचित समन्वय तथा भूमि की उर्वरा शक्ति बनाए रखने के उपायों के बारे में अवगत कराया गया। इसके साथ ही कम वर्षा एवं सूखे की स्थिति में फसल संरक्षण के लिए अपनाये जाने वाले प्रभावी उपायों, जल संरक्षण के तकनीकों, खेतों में नमी बनाये हुये रखने की विधियों तथा वैकल्पिक कृषि तकनीकों के महत्व पर विशेष रूप से चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान में किसानों को वैज्ञानिक एवं टिकाऊ खेती अपनाने के लिये प्रेरित किया गया है ताकि प्रतिकूल परिस्थितियों में भी फसलों का बेहतर उत्पादन किया जाना सुनिश्चित किया जा सके। इस मौके पर सहायक तकनीकी प्रबंधक लातेहार चंदन कुमार के द्वारा किसानों को जागरूक करते हुये कृषि संबंधी विभिन्न महत्वपूर्ण सुझाव एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

झारखंड मुक्ति मोर्चा के बूथ सम्मेलन सह बीएलए-2 प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

गिरिडीह । यहां के उत्सव उपवन में झारखंड मुक्ति मोर्चा के बूथ सम्मेलन सह बीएलए-2 प्रशिक्षण शिविर (गिरिडीह जिला) का शुभारंभ माननीय नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, राज्यसभा सांसद डॉ. सरफराज अहमद, गांडेय विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन, पार्टी के महासचिव विनोद पांडेय, जिलाध्यक्ष संजय सिंह, महापौर प्रमिला मेहरा एवं उप महापौर सुमित गुप्ता ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। बताया गया कि यह प्रशिक्षण शिविर संगठन की बूथ स्तरीय मजबूती, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी तथा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस अवसर पर संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने, बूथ समितियों को मजबूत करने तथा आगामी चुनौतियों के लिए कार्यकर्ताओं को तैयार करने पर विशेष जोर दिया गया। झारखंड मुक्ति मोर्चा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है, और मजबूत बूथ ही मजबूत संगठन की पहचान है। विश्वास है कि यह प्रशिक्षण शिविर कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा, स्पष्ट दिशा एवं संगठनात्मक कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करने की प्रेरणा प्रदान करेगा।

झामुमो के कार्यकर्ता सम्मेलन को लेकर बैठक आयोजित

खूंटी। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के जिला अध्यक्ष जुबैर अहमद की अध्यक्षता में 17 जून को आयोजित होने वाले कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारी को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में सम्मेलन की रूपरेखा, संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक में विशेष रूप से उपस्थित तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया ने कार्यकर्ताओं से संगठन की नीतियों और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने का आह्वान किया।उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता ही संगठन की सबसे बड़ी ताकत हैं और उनकी सक्रिय भागीदारी से ही संगठन मजबूत होता है। साथ ही उन्होंने 17 जून को आयोजित सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की।जिला अध्यक्ष जुबैर अहमद ने सभी प्रखंड, पंचायत और बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को अपने-अपने क्षेत्रों में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाने और सम्मेलन में अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन संगठन को नई दिशा और नई ऊर्जा देगा और संगठनात्मक मजबूती की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा।बैठक में झामुमो की केंद्रीय सदस्य स्नेहलता कंडुलना, भोलानाथ लाल, मकसूद अंसारी, सचिव सुशील पाहन, संगठन सचिव शंकर सिंह मुंडा, प्रवक्ता मनोज मंडल, तौकीर आलम, कमलेश महतो, तनवीर खान सहित कई नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

इटखोरी प्रखंड कार्यालय में एस आई आर मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण को लेकर बैठक

नई सोच एक्सप्रेस

इटखोरी।इटखोरी प्रखंड कार्यालय के सभागार भवन में निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी-सह-अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया प्रदीप कुमार महतो की अध्यक्षता में शनिवार को एस आई आर मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण को लेकर बैठक बूथ लेवल अधिकारियों के साथ बैठक की । इस मौके पर बीडीओ सह सहायक निर्वाचन पदाधिकारी सोमनाथ बांकीरा, प्रखंड पंचायती राज्य पदाधिकारी बेलाल अंसारी, मुख्य रूप से उपस्थित थे । बैठक में एसडीओ ने कहा कि मतदाता सूची को पूरी तरह त्रुटिहीन और पारदर्शी बनाने के लिए घर-घर जाकर सत्यापन अभियान चलाया जाएगा। राज्य में मतदाताओं को पिछले गहन पुनरीक्षण की सूची से मैपिंग करने का कार्य शुरू कर दिया गया है, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रह जाए । उन्होंने बताया कि एसआईआर अभियान की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी बीएलओ की घर-घर दस्तक होगी। बीएलओ प्रत्येक घर जाकर इन्यूमेरेशन फॉर्म वितरित करेंगे और भरवाकर वापस लेंगे, साथ ही हर घर के बाहर एक विशेष स्टिकर भी लगाया जाएगा, जिस पर घर संख्या के अलावा संबंधित बीएलओ का नाम और मोबाइल नंबर अंकित रहेगा। इसका उद्देश्य यह है कि अगर किसी नागरिक को मतदाता सूची से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी या सहायता की आवश्यकता हो तो वह सीधे अपने क्षेत्र के बीएलओ से संपर्क कर सके। इससे प्रक्रिया में पारदर्शिता और सुविधा दोनों बढ़ेंगी । बीडीओ ने कहा कि अभियान का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से छूट न जाए। इस मौके पर बैठक के दौरान बड़ी संख्या में सभी पंचायत के पंचायत सचिव , बीएलओ व अन्य शामिल थे।

चतरा जिला ब्राह्मण समाज पदाधिकारी पहुंचे

नई सोच एक्सप्रेस

गुमला चतरा। चतरा जिला के कान्यकुब्जय ज्योतिषी ब्राह्मण समाज के पदाधिकारी एवम चय समाज के महामंत्री यशवंत पाण्डेय अपने सहयोगियों संग गुमला जिला के ग्राम पबिया पहुंचे। जहां अपने समाज के विप्र बंधुओं महेश्वर पाण्डेय सतीश पाण्डेय भुनेश्वर पाण्डेय से मिलकर कुशलक्षेम जाने और आयोजित कार्यक्रम 16 जून को जो प्रमंडल स्तरीय है।उसमें पहुंचने का अनुरोध किया।जो आठ सूत्री मांग लेकर प्रमंडलीय आयुक्त हजारीबाग को ज्ञापन सौंपना है खास कर u g c के विरोध में और संस्कृत भाषा को अनिवार्य भाषा करने को लेकर है।इस दौरे में यशवंत पाण्डेय के साथ चतरा जिला कार्यकारणी समिति के सदस्य मुरारी पाण्डेय,सुरेश पाण्डेय, चतरा प्रखंड संरक्षक संजय पाण्डेय,लावालौंग प्रखंड अध्यक्ष संतोष पाण्डेय सभी शामिल रहे।

किसान गोष्ठी का किया गया आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

चतरा।प्रखंड के गंधारिया-पंचायत, ग्राम -लोवागड़ा, प्रखंड-चतरा सदर, जिला चतरा में कृषक गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से हजारीबाग के क्षेत्र प्रबंधक चंदन कुमार जी, चतरा कृषि विज्ञान केंद्र के वरीय वैज्ञानिक रविंद्र मोहन जी , चतरा इफको के थोक विक्रेता रोहित जैन जी, किसान बीज भंडार के प्रोप राइटर प्रकाश जी, श्याम बीज भंडार के प्रोपराइटर नेमन जी , किसान पुष्प देव जी, चतरा SFA संदीप कुमार सिंह एवं लगभग 60 सक्रिय पुरुष और महिला कृषकों ने भाग लिया इस अवसर पर इफको हजारीबाग के प्रबंधक श्री चंदन कुमार ने किसानों को नैनो उर्वरकों जैसे नैनो यूरिया प्लस , नैनो डीएपी एवं सभी नैनो उत्पाद के महत्व एवं उपयोग की विधि के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने आगामी खरीफ फसलों विशेषकर मक्का एवं धान में नैनो उर्वरकों के उपयोग पर विशेष चर्चा की। मक्का बीज उपचार हेतु नैनो डीएपी तथा धान की जड़ उपचार विधि में नैनो डीएपी के प्रयोग की जानकारी दी गई। साथ ही सभी चौड़ी पत्ती वाली फसलों में बेहतर परिणाम हेतु नैनो यूरिया के छिड़काव की सलाह दी गई। कार्यक्रम में जैव उर्वरक एनपीके कंसोर्टियम, सागरिका लिक्विड एवं सागरिका बकेट के उपयोग पर भी चर्चा की गई। चंदन कुमार जी ने मकई के बीच में नैनो डीएपी का लाइव डेमो करके भी दिखाया किसानों को मिट्टी स्वास्थ्य सुधार हेतु नीम खली के प्रयोग एवं मिट्टी उपचार के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। वरीय वैज्ञानिक रविंद्र मोहन जी ने मिट्टी जांच के बारे में किसनो को विस्तार से बताया और मिट्टी जांच होने से क्या फायदा होता है उसके बारे में बताया SFA संदीप कुमार ने लिक्विड कंसोर्टियां एवं बायोडिकंपोजर के बारे में किसानों को विस्तार से बताया जिसमे बीज उपचार भूमि उपचार और जड़ शोधन के बारे में विस्तार से चर्चा किया गया किसान बीज भंडार के प्रोपराइटर प्रकाश जी नैनो प्रोडक्ट के अनुभव के बारे में बताया कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को आधुनिक एवं संतुलित कृषि तकनीकों से जोड़ना तथा उर्वरकों के वैज्ञानिक उपयोग के प्रति जागरूक करना था।

आजसू की समीक्षा बैठक पारामातु में संपन्न, संगठन विस्तार और जनसरोकारों पर हुआ मंथन

नई सोच एक्सप्रेस

लावालौंग (चतरा)।रविवार को आजसू पार्टी की विशेष गतिविधियों की समीक्षा बैठक लावालौंग प्रखंड के पारामातु गांव में आयोजित की गई। बैठक में संगठन की मजबूती, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा, जनसमस्याओं के समाधान तथा पंचायत स्तर तक पार्टी के विस्तार को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।बैठक में मुख्य रूप से केंद्रीय सदस्य सह जिला प्रभारी संदीप सिंह, जिला अध्यक्ष शिवलाल दांगी एवं जिला सचिव राजेन्द्र साहू शामिल हुए।नेताओं ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और जनता के बीच पार्टी की नीतियों को प्रभावी ढंग से पहुंचाने का आह्वान किया।जिला प्रभारी संदीप सिंह ने कहा कि आजसू पार्टी हमेशा जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देती रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से गांव-गांव जाकर लोगों की समस्याओं को सुनने और उनके समाधान के लिए सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। वहीं जिला अध्यक्ष शिवलाल दांगी ने संगठन की मजबूती में कार्यकर्ताओं की अहम भूमिका बताते हुए पंचायत स्तर तक संगठन विस्तार अभियान को गति देने पर जोर दिया।जिला सचिव राजेन्द्र साहू ने संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा करते हुए कार्यकर्ताओं को अनुशासन एवं समर्पण के साथ पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया।बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष उमेश ठाकुर ने की। उन्होंने प्रखंड में चल रही संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी देते हुए सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का स्वागत किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रखंड प्रभारी संदीप साहू की महत्वपूर्ण भूमिका रही।बैठक के दौरान कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं और संगठन से जुड़े सुझाव नेताओं के समक्ष रखे। अंत में संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा आगामी कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक संचालित करने का संकल्प लिया गया।इस अवसर पर प्रखंड एवं पंचायत स्तर के कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता और पार्टी समर्थक उपस्थित रहे।

चतरा जिला के टंडवा प्रखंड में मनरेगा महाघोटाला

नई सोच एक्सप्रेस

» मात्र 3 मजदूरों की हाजिरी लगाकर 27 फर्जी नामों से सरकारी धन हड़पने का सनसनीखेज खुलासा

चतरा।झारखंड के चतरा जिले के टंडवा प्रखंड में मनरेगा योजना के तहत एक बड़े फर्जीवाड़े और भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। डहु पंचायत के ग्राम डहु निवासी मनरेगा मजदूर चंद्र प्रकाश कुशवाहा ने जिले के उपायुक्त को लिखित शिकायत सौंपकर मनरेगा कार्यों में बड़े पैमाने पर फर्जी हाजिरी और भुगतान के खेल का पर्दाफाश किया है। शिकायतकर्ता ने सीधे तौर पर कंप्यूटर ऑपरेटर शिवनारायण मौर्य और कार्यस्थल के मेटों पर मिलीभगत कर सरकारी राशि की लूट मचाने का संगीन आरोप लगाया है। असली तीन,कागजों पर 30 शिकायत के अनुसार, योजना स्थल पर नेशनल मोबाइल मॉनिटरिंग सिस्टम (NMMS) ऐप के माध्यम से सुबह और दोपहर में केवल 3 वास्तविक मजदूरों का चेहरा स्कैन कर हाजिरी बनाई जाती है। लेकिन जब भुगतान का समय आता है, तो कंप्यूटर ऑपरेटर और मेट की मिलीभगत से 27 फर्जी मजदूरों का डिमांड डाल दिया जाता है। इस तरह कुल 30 लोगों के नाम पर सरकारी पैसा निकालकर बंदरबांट की जा रही है। **इन 4 योजनाओं में उजागर हुआ फर्जीवाड़ा**ः शिकायत पत्र में साक्ष्यों के साथ उन विशिष्ट योजनाओं और मास्टर रोल (M.R.) का जिक्र किया गया है,जहां 19 मई 2026 से 25 मई 2026 के बीच यह धांधली की गई। बिरेन्द्र टाना भगत की भूमि पर डोभा निर्माण सिदपा गांव योजना संख्या 3417010013/if/708090383892870 ,मास्टर रोल नंबर 399, 394, 403। यहां मेट ज्योति कुमारी की देखरेख में खेल की गई। देवमनी देवी की भूमि पर डोभा निर्माण सिदपा गांव योजना संख्या 3417010013/if/7080903652385, मास्टर रोल नंबर 402, इसकी मेट अनीता देवी है। जगदेव महतो की भूमि पर डोभा निर्माण डहु गांव योजना संख्या 3417010013/if/7080903892271, मास्टर रोल नंबर 397, 404,इसकी मेट भी ज्योति कुमारी है। सिबाली देवी की भूमि पर डोभा निर्माण डहु गांव योजना संख्या 3417010013/if/7080904144042, मास्टर रोल नंबर 335, 407, 405, इसकी मेट असनी देवी है। **कमीशन का खेल**ः- आरोप है कि कंप्यूटर ऑपरेटर शिवनारायण मौर्य फर्जी मजदूरों के खातों में पैसा ट्रांसफर करवाकर आधे पैसे (कमीशन) खुद रख लेता है और बाकी का हिस्सा इस खेल में शामिल अन्य लोगों में बांट दिया जाता है। शिकायतकर्ता ने मुख्यमंत्री से लेकर बीडीओ तक को भेजी गई प्रतिलिपि मामले की गंभीरता को देखते हुए पीड़ित मजदूर चंद्र प्रकाश कुशवाहा ने इस शिकायत की प्रतिलिपि राज्य के मुख्यमंत्री, उप विकास आयुक्त (DDC) चतरा,अनुमंडल पदाधिकारी (SDO) सिमरिया और प्रखंड विकास पदाधिकारी (BDO) टंडवा को भी आवश्यक कार्रवाई हेतु भेजी है। शिकायतकर्ता ने उपायुक्त से पुरजोर मांग की है कि 19 मई 2026 से 25 मई 2026 के बीच मास्टर रोल में यही दिनांक पर से खेल किया गया है।एनएमएमएस (NMMS) ऐप पर अपलोड की गई सुबह और दोपहर की ग्रुप तस्वीरों की बारीकी से जांच की करने की उठी आवाज़। फर्जी हाजिरी बनाकर सरकारी खजाने को चूना लगाने वाले भ्रष्ट कंप्यूटर ऑपरेटर और मेटों पर तत्काल कानूनी कार्रवाई की माँग।

विश्व रक्तदाता दिवसः लावालौंग में रक्तदान महाशिविर, सांसद कालीचरण सिंह ने बढ़ाया रक्तवीरों का उत्साह

नई सोच एक्सप्रेस

लावालौंग (चतरा)।विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर 'रक्तमित्र लावालौंग' द्वारा एक भव्य रक्तदान महाशिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का शुभारंभ चतरा लोकसभा क्षेत्र के सांसद कालीचरण सिंह ने फीता काटकर और दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में सांसद ने सभी रक्तदाताओं से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया और इस पुनीत कार्य के लिए उन्हें बधाई दी। सांसद कालीचरण सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि रक्तदान ही महादान है, क्योंकि आपका एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद को नया जीवन दे सकता है। उन्होंने रक्तदाताओं को समाज का सच्चा नायक बताते हुए युवाओं से नियमित रक्तदान करने की अपील की ताकि संकट के समय कीमती जानें बचाई जा सकें। उन्होंने 'रक्तमित्र' टीम के सेवाभावी प्रयासों की भी जमकर सराहना की। इस मौके पर लावालौंग मंडल अध्यक्ष खगेश्वर साहू, सांसद प्रतिनिधि विनय सिंह, विवेक केसरी और गोविंद ठाकुर सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सदर अस्पताल में विश्व रक्तदाता दिवस पर रक्तदान शिविर आयोजित,70 यूनिट रक्त संग्रहित

नई सोच एक्सप्रेस

हजारीबाग। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन हजारीबाग द्वारा सदर अस्पताल के नए ओपीडी भवन में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में स्थानीय नागरिकों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया, जिसके परिणामस्वरूप कुल 70 यूनिट रक्त का संग्रहण किया गया। सभी रक्तदाताओं को उनके इस सराहनीय सामाजिक योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। शिविर में उपस्थित अनुमंडल पदाधिकारी श्री आदित्य पांडेय ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि रक्तदान मानवता की सेवा का सर्वोत्तम माध्यम है, जो किसी जरूरतमंद का जीवन बचा सकता है। वहीं, जिला प्रशासन ने घोषणा की कि सदर अस्पताल में रक्त की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए अब हर माह ऐसे रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सिविल सर्जन अशोक कुमार, जिला आपूर्ति पदाधिकारी मुरली यादव, कार्यपालक दंडाधिकारी प्रेम कुमार, रेड क्रॉस सोसाइटी के तनवीर सिंह और यूथ विंग के रितेश खंडेलवाल सहित कई अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। जिला प्रशासन ने सभी सहयोगियों और रक्तदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया है।

सदर अस्पताल में धरना समाप्त,पीड़ित परिवार को मिला राहत का आश्वासन

नई सोच एक्सप्रेस

हजारीबाग। सदर प्रखंड के चोरहेता गांव निवासी सुषमा कुमारी पति रोहित राम की मृत्यु के बाद रविवार को सदर अस्पताल में उत्पन्न तनावपूर्ण स्थिति शांत हो गई। पूर्व सदर विधानसभा प्रत्याशी मुन्ना सिंह के निजी मीडिया प्रतिनिधि विक्की कुमार धान की सक्रिय पहल से परिजनों ने सुबह 5 बजे से जारी अपना धरना समाप्त किया। मृतक के परिजन दोषी चिकित्सक व स्वास्थ्य कर्मियों पर कार्रवाई और मुआवजे की मांग को लेकर अड़े थे। मामले की जानकारी मिलते ही विक्की कुमार धान अस्पताल पहुंचे और परिजनों की बात प्रशासनिक अधिकारियों तक पहुंचाई। इसके बाद सदर अस्पताल प्रबंधन, सदर अंचलाधिकारी और गुरहेत पंचायत के मुखिया महेश तिग्गा की उपस्थिति में कई घंटों तक वार्ता चली। प्रशासन द्वारा मृतका के पति को नगर निगम में रोजगार देने और छोटे बच्चे के पालन-पोषण के लिए लिखित आश्वासन मिलने के बाद धरना समाप्त हुआ। धरना खत्म होने के बाद विक्की कुमार धान ने पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी कराई और एंबुलेंस से शव को सम्मानपूर्वक चोरहेता गांव भिजवाया। मौके पर समाजसेवी अमित कुमार दास, करण कुमार, रोहित कुमार सहित कई स्थानीय लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

शाओमी टीवी एफएक्स मिनी एलईडी सीरीज़ अब बिक्री के लिए उपलब्ध

पटना। शाओमी इंडिया ने अपनी नई शाओमी टीवी एफएक्स मिनी एलईडी सीरीज़ की उपलब्धता की घोषणा की है। यह सीरीज़ 43, 55, 65 और 75 इंच स्क्रीन साइज़ में पेश की गई है तथा इसमें फायर टीवी इन-बिल्ट, एडवांस्ड क्यूडी मिनी एलईडी डिस्प्ले टेक्नोलॉजी, शानदार ऑडियो और स्मार्ट फीचर्स दिए गए हैं। कंपनी के अनुसार, क्यूडी मिनी एलईडी टेक्नोलॉजी, 4के अल्ट्रा एचडी रिज़ॉल्यूशन, एचडीआर10 प्लस और फिल्ममेकर मोड बेहतर पिक्चर क्वालिटी, गहरा कंट्रास्ट और जीवंत रंग प्रदान करते हैं। वहीं डॉलबी ऑडियो, डीटीएस और डीटीएस वर्चुअल एक्स सपोर्ट दर्शकों को इमर्सिव साउंड अनुभव देता है। तेज़ रफ्तार कंटेंट और गेमिंग के लिए टीवी में एमईएमसी, ऑटो लो लेटेंसी मोड तथा 55, 65 और 75 इंच मॉडल में डीएलजी 120एचजेड सपोर्ट दिया गया है। फायर टीवी और एलेक्सा वॉयस कंट्रोल की मदद से यूज़र आसानी से कंटेंट खोज सकते हैं, ऐप्स संचालित कर सकते हैं और स्मार्ट होम डिवाइस नियंत्रित कर सकते हैं। 98 प्रतिशत तक स्क्रीन-टू-बॉडी रेश्यो वाले इस टीवी का डिज़ाइन आधुनिक और प्रीमियम है। शाओमी टीवी एफएक्स मिनी एलईडी सीरीज़ 11 जून 2026 से एमआईडॉटकॉम, अमेज़नडॉटइन, शाओमी रिटेल स्टोर और प्रमुख ऑफलाइन पार्टनर आउटलेट्स पर उपलब्ध है। लॉन्च ऑफर के तहत चुनिंदा बैंकिंग पार्टनर्स पर 3,000 रुपये तक का इंस्टेंट बैंक डिस्काउंट भी दिया जा रहा है।

गोबर फेंकने के विवाद में वृद्ध की मौत, हत्या का मामला दर्ज

पुनपुन।पुनपुन थाना क्षेत्र की जट डुमरी पंचायत के मुस्तफापुर गांव में एक वृद्ध व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान मुंडारिक महतो (60 वर्ष) के रूप में हुई है। पुनपुन थाना प्रभारी बेबी कुमारी ने बताया कि 12 जून 2026 की रात करीब 9 बजे सूचना मिली कि मुस्तफापुर निवासी मुंडारिक महतो गंभीर रूप से घायल अवस्था में हैं। उनकी पत्नी चंपा देवी उन्हें इलाज के लिए पीएमसीएच ले जा रही थीं, लेकिन रास्ते में ही उनकी मृत्यु हो गई। मृतक की पत्नी चंपा देवी ने गांव के कुछ नामजद लोगों के विरुद्ध मारपीट कर हत्या करने का आरोप लगाते हुए पुनपुन थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) की टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए हैं। ग्रामीणों के अनुसार, गांव में गोबर फेंकने को लेकर हुए विवाद के बाद यह घटना घटी। बताया जा रहा है कि मुंडारिक महतो का शव उनके घर से लगभग 200 से 300 मीटर की दूरी पर मिला।पुलिस का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से गंभीरता से जांच की जा रही है। जांच में जो भी व्यक्ति दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

घर से शराब बेच रहा था माफिया, 21 बोतल अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार

पुनपुन।पुनपुन थाना क्षेत्र के अकौना गांव में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर एक शराब कारोबारी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके घर से 21 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद की है। पुनपुन थाना प्रभारी बेबी कुमारी ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि अकौना गांव में एक व्यक्ति अपने घर से अवैध रूप से शराब की बिक्री कर रहा है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने छापेमारी की। इस दौरान पिंकू कुमार उर्फ बॉस (पिता- राजदेव सिंह), निवासी ग्राम अकौना, थाना पुनपुन, जिला पटना को गिरफ्तार किया गया।छापेमारी के दौरान उसके घर से 21 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद की गई। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि आरोपी अपने घर से ही शराब की बिक्री करता था।पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है।पुनपुन पुलिस ने कहा कि क्षेत्र में शराब तस्करी और अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा तथा ऐसे कारोबार में संलिप्त लोगों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

इंडिया गठबंधन की बैठक में जनहित की चर्चा नहीं, बल्कि केवल गले लगाने की राजनीतिः मंगल

पटना। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने इंडिया गठबंधन की आंतरिक कलह पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि देश की जनता विकास की नीतियों के साथ खड़ी है। वहीं इंडिया गठबंधन के नेता इस बात पर उलझे हुए हैं कि किसे गले लगाना है और किसे नहीं। श्री पांडेय ने कहा कि 8 जून को इंडिया गठबंधन की बैठक का एक ऑडियो सामने आया है। जिसमें लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी यह कहते सुने गए कि वह केरल के पूर्व मुख्यमंत्री और सीपीएम के वरिष्ठ नेता पिनराई विजयन को गले नहीं लगाएंगे क्योंकि उनसे उनकी राजनीतिक लड़ाई चल रही है। यह सुनकर लगता है कि गठबंधन की बैठक कोई स्कूली प्रार्थना सभा बन गई। जहां तय किया जा रहा है कि कौन किसके साथ हाथ मिलाएगा और कौन किससे नहीं मिलाएगा। श्री पांडेय ने कहा कि केरल में कांग्रेस और सीपीएम एक-दूसरे के विरुद्ध चुनाव लड़ते हैं, एक-दूसरे पर भ्रष्टाचार और हिंसा के आरोप लगाते हैं। पर दिल्ली में आकर फोटो खिंचवाने के लिए इंडिया लिखे पोस्टर के नीचे खड़े हो जाते हैं। श्री पांडेय ने व्यंग्य किया कि यह कैसा गठबंधन है जहां मंच पर एकता का नारा और माइक के पीछे नफरत का संदेश चलता है। गले न लगाने का फैसला भी अब प्रेस नोट जारी करके बताया जाएगा। कल को यह तय होगा कि कौन किससे चाय पिएगा और कौन पानी तक नहीं पीएगा। पूर्व मंत्री ने पिनराई विजयन के बयान का भी जिक्र किया। जिसमें उन्होंने कहा कि गले मिलने की परंपरा कभी नहीं रही, उनकी चिंता उस राजनीतिक संदेश को लेकर है। जो राहुल गांधी के बयान से है। संदेश तो गया है और वह संदेश यह है कि इंडिया गठबंधन के पास देश के लिए कोई साझा नीति नहीं है। कोई साझा विजन नहीं है। यहां तो कुर्सी की दौड़ में भी एक-दूसरे को धकेलने का काम चल रहा है, यह गठबंधन सिद्धांतों का नहीं, अवसरवाद का गठबंधन है।

स्वतंत्रता सेनानी दुलारी शरण सिंह की पुण्यतिथि मनाई गई

पटना। स्व. बाबा जहर सिंह के पुत्र स्वतंत्रता सेनानी स्व.दुलारी शरण सिंह की 39वीं पुण्यतिथि रविवार को मनाई गई। फुलवारी प्रखंड के मोहिउद्दीनपुर गांव में उनके पैतृक आवास पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इसमें कई गणमान्य लोग उपस्थित हुए। बिंदेश्वरी प्रसाद सिंह, कृष्णा देवी, सामाजिक कार्यकर्ता मधुसूदन कुमार सिंह, विजय शंकर सिंह, दीपू कुमार, राजेश कुमार, सुबोध कुमार, मंजू सिन्हा, संगीता सिंह, ममता सिन्हा, नीतू सिन्हा, सुलेखा सिन्हा आदि ने उनके तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की।

शहादत दिवस पर याद किए गए कॉमरेड अजीत सरकार

नई सोच एक्सप्रेस

मधुबनी।जयनगर में बिहार राज्य किसान कॉन्सिल परवा बेलही पंचायत ब्रांच की बैठक राम कुमार यादव की अध्यक्षता एवं जिला अध्यक्ष रामजी यादव, चन्देश्वर प्रसाद, उपेन्द्र यादव, कुमार राणा प्रताप सिंह के देख रेख में आयोजित हुई।भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी से कई दफे विधायक भी रहे शहीद कॉमरेड अजीत सरकार गरीबों, मजदूरों, भूमिहीनों, समाज के मुख्य धारा से वंचित लोगों के लिए अंतिम समय तक लड़ते रहे। उनके नेतृत्व में भूमि मुक्ति आंदोलन चलाया गया और हजारों की संख्या में पूर्णिया समेत सीमांचल के इलाके में भूमिहीनों को बसाया गया। 14 जून को उनके शहादत दिवस पर दो मिनट का मौन धारण कर याद करते हैं और श्रद्धांजलि अर्पित किया गया।इसके पश्चात बैठक में पिछले बैठक की समीक्षा, संगठन, पंचायत किसान कॉन्सिल का बैंक में खाता खोलने समेत किसान से जुड़े अन्य समस्याओं पर विस्तार से विचार विमर्श किया गया। वही मंहगाई बेरोजगारी भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई जारी रखने और जनसमस्याओं के निदान को लेकर आवाज बुलंद करते रहने का निर्णय लिया गया। बैठक में देव नारायण यादव, राम कुमार यादव, गंगा प्रसाद

» किसानों ने संघर्ष की विरासत को आगे बढ़ाने का लिया संकल्प

यादव, उपेन्द्र यादव, हरे कृष्ण यादव, पवन यादव, सुकेन्द्र यादव, विधानन्द यादव, बौधु शरण यादव, सत्य नारायण यादव, देवेन्द्र यादव, गणेश यादव, रामजी यादव समेत कई कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

स्टेट बैंक पेंशनर्स एसोसिएशन की त्रैवार्षिक आमसभा संपन्न, नई जिला इकाई का गठन

नई सोच एक्सप्रेस

हाजीपुर। भारतीय स्टेट बैंक पेंशनर्स एसोसिएशन, पटना सर्किल की त्रैवार्षिक आमसभा का आयोजन एसबीआई मुख्य शाखा परिसर में किया गया। इस अवसर पर वैशाली जिला इकाई का सर्वसम्मति से चुनाव भी संपन्न हुआ। सभा की अध्यक्षता पूर्व अध्यक्ष सी.बी. सिंह ने की, जबकि संचालन पूर्व उपाध्यक्ष एवं कवि रवीन्द्र कुमार रतन ने किया। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष सी.पी. सिंह, ज्ञानेश्वर बाबू और सुधांशु शेखर वर्मा सहित अन्य अतिथियों का स्वागत पुष्पमाला एवं अंगवस्त्र देकर किया गया। बैठक में पेंशनर्स की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा हुई, जिनके समाधान को लेकर पदाधिकारियों ने आवश्यक सुझाव दिए। चुनाव में सी.बी. सिंह को अध्यक्ष, जितेन्द्र सिंह को उपाध्यक्ष, विनोद प्रसाद विमल को सचिव तथा रवीन्द्र कुमार रतन को सहायक सचिव चुना गया। प्रदेश अध्यक्ष सी.पी. सिंह ने पेंशनर्स से एकजुट रहने और मेडिक्लेम बीमा योजना का लाभ उठाने की अपील की। अंत में वरिष्ठ सदस्य नागदेव राय ने सभी अतिथियों एवं सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पेंशनर्स उपस्थित रहे।

मोबाइल पशु चिकित्सा वैन सेवा बनी वरदान घर-घर पहुंचकर हो रहा पशुओं का उपचार

नई सोच एक्सप्रेस

हरनौत।प्रखंड क्षेत्र में पशुपालकों को बेहतर एवं त्वरित स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई मोबाइल पशु चिकित्सा वैन सेवा काफी लाभदायक साबित हो रही है। इस सेवा के माध्यम से अब पशुपालकों को अपने बीमार पशुओं के इलाज के लिए अस्पतालों का चक्कर नहीं लगाना पड़ रहा है, बल्कि चिकित्सकों की टीम सीधे उनके घर पहुंचकर पशुओं का उपचार कर रही है। पशुपालन विभाग द्वारा आपातकालीन पशु स्वास्थ्य सेवाओं के लिए टोल फ्री नंबर 1962 जारी किया गया है। इस नंबर पर कॉल करते ही पशुपालक अपनी समस्या दर्ज करा सकते हैं।एक सप्ताह में एतवार को छोड़कर बाकि दिन सुबह आठ से संध्या साढ़े तीन बजे यह गाड़ी पशुपालक के द्वार तक शिकायत प्राप्त होने के बाद विभागीय टीम पशुपालक से संपर्क कर उनका लोकेशन प्राप्त करती है और मोबाइल पशु चिकित्सा वैन को मौके पर भेजा जाता है। प्रखंड में इस सेवा के संचालन के लिए तीन लोग(मोबाइल पशु चिकित्सक डॉक्टर रितेश रंजन,हेल्पर नितिश एवं ड्राईवर मनमोहन)की प्रतिनियुक्ति की गई है।मोबाइल वैन के माध्यम से प्रतिदिन औसतन 10 पशुओं(इमरजेंसी सहित) का इलाज उनके घरों पर जाकर किया जा रहा है। हालांकि दवा ज़रुरत पड़ने पर बाहर से भी खरिदकर मंगवाया जाता है। पशुओं में होने वाली विभिन्न बीमारियों के उपचार के साथ-साथ पशुपालकों को पशु स्वास्थ्य, पोषण एवं देखभाल से संबंधित आवश्यक जानकारी भी दी जाती है। इससे पशुपालकों में जागरूकता बढ़ रही है और पशुधन की उत्पादकता में भी सुधार हो रहा है।स्थानीय पशुपालक सह समाजसेवी चंद्रोदय कुमार ने विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि मोबाइल पशु चिकित्सा वैन सेवा ग्रामीण क्षेत्रों के पशुपालकों के लिए बेहद उपयोगी साबित हो रही है। इससे समय और धन दोनों की बचत हो रही है एवं बीमार पशुओं को समय पर उपचार मिलने से पशुपालकों को काफी राहत मिल रही है।ग्रामीण क्षेत्रों में पशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में यह पहल एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे पशुपालकों को घर बैठे गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो रही हैं।

रक्तवीर रोहित कुमार उत्कृष्ट रक्तदाता सम्मान से सम्मानित

नई सोच एक्सप्रेस

विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर नियमित रूप से रक्तदान करने वाले रक्तवीरो को सदर अस्पताल बिहारशरीफ द्वारा उत्कृष्ट रक्तदाता सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर नियमित रूप से रक्तदान करने वाले चोरसुआ ग्राम निवासी रोहित कुमार को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सिविल सर्जन ने रक्तवीरो व उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि रक्तदान में जो रक्त लिया जाता है शरीर उसकी भरपाई एक सप्ताह में कर लेती है। रक्त का जीवनकाल 120 दिनों का होता है इसके बाद वह स्वतः नष्ट हो जाता है, इसलिए सभी लोग रक्तदान करते रहिए। रक्तवीर रोहित कुमार ने बताया कि मैं नियमित रूप से रक्तदान करता हूं। रक्तदान से शरीर को किसी प्रकार से कमजोरी नहीं होता है बल्कि रक्तदान करने से शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और शरीर स्वस्थ्य रहता है। रक्तदान करने से न केवल किसी की जान बचती है बल्कि समाज और रक्त लेने वाले परिवार भी सम्मान देते हैं। उन्होंने सभी स्वस्थ्य लोगों से नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील की ताकि रक्त की कमी से किसी की जान न जाए।

नगर पंचायत हाटा वार्ड संख्या 9 में खुला श्री कुलम स्व अध्यन केंद्र

नई सोच एक्सप्रेस

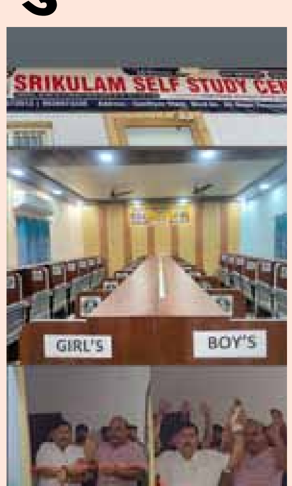

भभुआ।चैनपुर प्रखंड अंतर्गत नगर पंचायत वार्ड नं -9 हाटा में 'श्रीकुलम स्व-अध्ययन केंद्र' का भव्य उद्घाटन समाजसेवी दिलीप कुमार उपाध्याय और रत्नेश पांडेय ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया।इस मौके पर उन्होंने कहा की हाटा क्षेत्र के युवाओं को शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर माहौल देने के उद्देश्य से एक आधुनिक पुस्तकालय 'श्रीकुलम स्व-अध्ययन केंद्र' का भव्य उद्घाटन' संपन्न हुआ है। इस केंद्र का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रसिद्ध समाजसेवी दिलीप कुमार उपाध्याय एवं रत्नेश पांडेय द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। अतिथियों ने इस पहल को हाटा में शिक्षा के स्तर को सुधारने और बच्चों का भविष्य संवारने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया।यह स्टडी सेंटर विद्यार्थियों के लिए चौबीसों घंटे पढ़ाई का एक आदर्श माहौल प्रदान करेगा।छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस सेंटर को पूरी तरह वातानुकूलित बनाया गया है,जहाँ अत्यधिक शांत

» छात्र-छात्राओं को शांतिपूर्ण वातावरण में मिलेगी पढ़ाई की सुविधा,समाजसेवी दिलीप कुमार उपाध्याय

माहौल मिलेगा।इसके साथ ही यहाँ शुद्ध पेयजल और आधुनिक बाथरूम की व्यवस्था की गई है।संस्थान के संचालक श्वेतांक उपाध्याय ने बताया की सुरक्षा और गोपनीयता के लिहाज से लड़कियों के लिए अलग बैठने की विशेष व्यवस्था की गई है,ताकि वे पूरी तरह सुरक्षित और आरामदायक माहौल में देर तक पढ़ाई कर सकें।उद्घाटन के अवसर पर गणमान्य नागरिकों ने कहा की इस मॉडर्न लाइब्रेरी के खुलने से अब स्थानीय छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बड़े शहरों में नहीं भटकना पड़ेगा।

पटना यूनिवर्सिटी में 50% से अधिक सीटों पर हुआ नामांकन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।पटना यूनिवर्सिटी में स्नातक कोर्स में 50 प्रतिशत से अधिक सीटों पर नामांकन हुआ है। पहली मेरिट लिस्ट के आधार पर चौथे दिन 139 छात्र-छात्राओं का नामांकन लिया गया। इसके साथ ही शनिवार को पहली मेरिट लिस्ट के आधार पर नामांकन प्रक्रिया पूरी हो गई।विश्वविद्यालय ने कहा है कि रेगुलर कोर्स में 50 प्रतिशत से अधिक सीटें फुल गई है। रिक्त सीटों के लिए दूसरी मेरिट लिस्ट 15 जून को जारी की जाएगी।चौथे दिन पटना साइंस कॉलेज में 35, पटना कॉलेज में 24, वाणिज्य महाविद्यालय में 17, बीएन कॉलेज में 38 और मगध महिला कॉलेज में 25 विद्यार्थियों का नामांकन लिया गया। विश्वविद्यालय में स्नातक कोर्स रेगुलर कोर्स में कुल 3600 सीटें निर्धारित है। इन तीनों में 3600 में से 2017 सीटों पर नामांकन हो चुका है।दूसरी ओर पटना यूनिवर्सिटी में स्नातक स्तरीय कोर्स में प्रवेश परीक्षा 22 जून से शुरू होगी। परीक्षा का आयोजन मगध महिला कॉलेज केंद्र पर होगा। पहले दिन 22 जून को दो पालियों में परीक्षा होगी।पहली पाली सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक बीएससी पर्यावरण विज्ञान की प्रवेश परीक्षा होगी। वहीं, दूसरी पाली दोपहर दो से शाम चार बजे तक बीएससी जैव प्रौद्योगिकी के लिए परीक्षा आयोजित की जाएगी।23 जून को बीसीए और बीबीए पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा होगी। बीसीए की परीक्षा सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक और बीबीए की परीक्षा दोपहर दो से शाम चार बजे तक होगी। 24 जून को बीबीए-एलएलबी और बीएफए पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा निर्धारित की गई है।बीबीए एलएलबी की परीक्षा सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक होगी, जबकि बीएफए की परीक्षा दोपहर दो से शाम 5:30 बजे तक आयोजित की जाएगी।पाटलिपुत्र यूनिवर्सिटी में चार वर्षीय स्नातक में नामांकन के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। आज पहली मेरिट लिस्ट समर्थ पोर्टल पर जारी की जाएगी। 15 जून से आवंटित कॉलेजों में छात्र-छात्राओं का नामांकन शुरू हो जाएगा।विश्वविद्यालय में छात्र से पोर्टल ये अपना यूजर आइडी और पासवर्ड के माध्यम से आवंटित कॉलेज देख सकते हैं। यूनिवर्सिटी के अनुसार स्नातक के विभिन्न पाठ्यक्रमों में कुल एक लाख, 10 हजार सीटें निर्धारित हैं।विश्वविद्यालय में सबसे अधिक कला संकाय में रेगुलर कोर्स इतिहास में 19647 और विज्ञान संकाय में जूलॉजी विषय में 12194 छात्रों ने नामांकन के लिए शुल्क जमा किया हैं। विश्वविद्यालय में संचालित रेगुलर और सेल्फफाइनांस कोर्स मिलाकर कुल 87493 विद्यार्थियों ने नामांकन के लिए शुल्क जमा कर दिया है।

नीतीश लालू ने बसपा विधायक तोड़े, दोनों का हश्र सामने : संतोष कुमार

नई सोच एक्सप्रेस

कैमूर।बहुजन समाज पार्टी के बिहार प्रदेश मुख्य जोन प्रभारी सह सासाराम सुरक्षित लोकसभा से बसपा प्रत्याशी संतोष कुमार ने हमला बोलते हुए कहा कि नीतीश कुमार और लालू प्रसाद दोनों ने सरकार बनाने के लिए बसपा विधायकों को तोड़ा। दोनों का हश्र आज बिहार में देखने को मिल रहा है। नई दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए संतोष कुमार ने कहा कि कांग्रेस और बीजेपी दोनों एक जैसी पार्टियां हैं।एक नागनाथ है तो दूसरा सांपनाथ है।दोनों पार्टियों ने देश को गर्त में ले जाने का काम किया। कांग्रेस के नेताओं ने देश की आजादी के योगदान के नाम पर राज किया,वहीं बीजेपी हिंदुत्व के नाम पर राज कर रही है। शिक्षा और जातिवाद पर हमला करते हुए उन्होंने केंद्र की विश्व गुरु वाली सोच पर सवाल उठाते हुए कहा कि देश में शिक्षा चौपट हो रही है।जबकि दुनिया में शिक्षा निशुल्क होती है,तभी देश के बच्चे देश के लिए कुर्बान होंगे।जब अभिभावकों को अपना ही पैसा लगाना पड़ेगा तो बच्चे भ्रष्ट होंगे,क्योंकि अभिभावक उन्हें ताना देते हैं। संतोष कुमार ने कहा की देश में जातिवाद और धर्मवाद का उन्माद चरम पर है।ऐसे माहौल में देश के लिए रत्न कहां से पैदा होंगे।बसपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो सामाजिक न्याय और शिक्षा की बात करती है।

छतौनी थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने संभाला पदभार

नई सोच एक्सप्रेस

मोतिहारी।छतौनी थाना के नवपदस्थापित थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने पदभार ग्रहण कर लिया है। पदभार संभालने के बाद उन्होंने स्पष्ट किया कि थाना क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।थानाध्यक्ष श्री सिंह ने कहा कि शराब कारोबार, चोरी, छिनतई, आपराधिक गतिविधियों तथा भू-माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अपराधियों के लिए किसी प्रकार की नरमी नहीं बरती जाएगी और कानून का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। उन्होंने आम जनता को भरोसा दिलाते हुए कहा कि थाना क्षेत्र में किसी भी व्यक्ति के साथ अन्याय या दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस जनता की सुरक्षा और सेवा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि त्वरित कार्रवाई की जा सके।

विश्व रक्तदान शिविर के अवसर पर एसएसबी,एसआरपी हॉस्पिटल व एसजीओ के सहयोग से रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

मोतिहारी।विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर एसएसबी 47 वी वाहनी रक्सौल के कमांडेंट संजय पाण्डेय के दिशा-निर्देश पर एवं एसएसबी 47 वी वाहनी कमांडेंट (चिकित्सा) डॉ. निशि कान्त, के मार्गदर्शन में नियमित स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने व रक्त के माध्यम से किसी जरुरतमंद व्यक्ति का जीवन बचाने में योगदान के प्रति जागरूकता हेतु 47वीं वाहिनी, एसएसबी ,एसआरपी हॉस्पिटल रक्सौल तथा स्थानीय एनजीओ के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया । आयोजित रक्तदान शिविर में 47वीं वाहिनी एसएसबी., रक्सौल के कुल 15 बलकार्मिकों ने स्वेछापूर्वक रक्तदान दान कर मानवता, एकजुटता एवं जीवन रक्षक का सन्देश दिया।रक्तदान शिविर के इस अवसर पर एसआरपी के निदेशक डॉ. सुजीत कुमार, प्रमुख उधोगपति संजय कुमार गुप्ता,समाजसेवी रणजीत सिंह, सहित स्थानीय एनजीओ के सदस्य, 47वीं वाहिनी एसएसबी के बलकर्मी तथा स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे ।

आय बढ़ाने वाली फसल

मूंग

मूंगदलहनी फसल होने के कारण वायुमण्डल की स्वतंत्र नत्रजन को पौधों की जड़ों में उपस्थित रायजोबियम जीवाणुओं द्वारा भूमि में स्थिर करते हैं, जिससे मिट्‌टी की उर्वरा शक्ति बढ़ जाती है। इसलिए मूंग की फसल को हरी खाद के रुप में भी प्रयोग करते हैं। मूंग की फसल उगाने से वर्षा ऋतु के पानी का बहाव कम हो जाता है। जिससे मिट्‌टी क्षरण कम मात्रा में होता है। मूंग की फसल कम समय में (60–70 दिन) में पककर तैयार होने के कारण सघन फसल प्रणाली के लिये भी उपयुक्त हैं। हरी फसल पशुओं को हरे चारे के रुप में खिलाई जाती है। मूंग की पकी हुई फसल से दाना निकालने के उपरांत भूसा बहुत ही पौष्टिक तथा स्वादिष्ट होता है। जिसको पशु बड़े ही चाव से खाते हैं।

उपयुक्त जलवायु तथा भूमि का चुनाव

पौधों की गर्म तथा आर्द्र जलवायु में अधिक वृद्धि होती है। मूंग की फसल को अधिक वर्षा जल भराव की दशा में हानि होती है। मूंग की खेती 600–750 मिमी वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्रों में आसानी से की जा सकती है। मूंग के पौधों में सूखा सहने की क्षमता भी बहुत अधिक होती है। मूंग के पौधों को वृद्धिकाल में अधिक तापमान की आवश्यकता होती है। पौधों पर फूल आते समय तथा फलियां पकते समय उच्च तापमान तथा शुष्क मौसम लाभदायक होता है। फूल बनते समय वर्षा का होना मूंग की अच्छी उपज प्राप्त करने के लिए हानिकारक होता है। मूंग की फसल के लिए भारी भूमियों की उपेक्षा हल्की मिट्‌टी सर्वथा उपयुक्त होती है। मूंग की खेती के लिए उत्पन्न जल निकास वाले दोमट से बलुई दोमट भूमियां ज्यादा उपयुक्त होती है। अम्लीय तथा क्षारीय मृदायें निचली तथा जल भराव भूमियां मूंग की खेती के लिए उपयुक्त नहीं होती हैं।

मूंग की प्रचलिम उन्नत किस्में

पूसा बैसाखी, पंत मूंग–4, टी–44, एम.एल.–131, के–851,जवाहर–45

भूमि की तैयारी

वर्षा ऋतु आरंभ होने के बाद 2–3 जुताईयां, देशी हल अथवा ट्रैक्टर चलित कल्टीवेटर से करते हैं। प्रत्येक जुताई के बाद पाटा लगा देने से खेत समतल हो जाता है। तथा ढ़ेले आदि नहीं बनते है। खेत में अधिक खरपतवार होने की स्थिति में 1–2 जुताई करके खेत को खरपतवार रहित कर दें।

बीज, बीजोपचार, बीजदर

बीज सदैव स्वस्थ्य, प्रमाणित ही बोयें। बीज बोने के पूर्व यदि प्रमाणित बीज न हो तो किसी उपलब्ध फफूंदनाशक जैसे थाइरम अथवा बीटावैक्स अथवा कैप्टान अथवा कार्बेन्डाजिम 2–3 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज अथवा ट्राइकोडरमा विरिडी 4–5 ग्राम प्रतिकिलो ग्राम बीज से उपचारित करें। रायजोबियम कल्चर से बीज उपचार करने से पौधों की नत्रजन स्थिरीकरण प्रक्रिया बढ़ जाती है। तथा पीएसबी कल्चर से उपचारित करने पर अनुलब्ध फास्फोरस पौधों को उपलब्ध होने लगता है। जिससे उत्पादन में वृद्धि होती है। रायजोबियम कल्चर से बीजों को उपचारित करने के लिए 50 ग्राम गुड़ 500 मिली पानी में घोलकर गरम कर दें। ठण्डा होने के बाद 10 किलो ग्राम बीज एवं एक पैकेट रायजोबियम कल्वर मिलाकर छाया में सुखा लें। बीजों को सूखाने के बाद बुआई कर देते है।

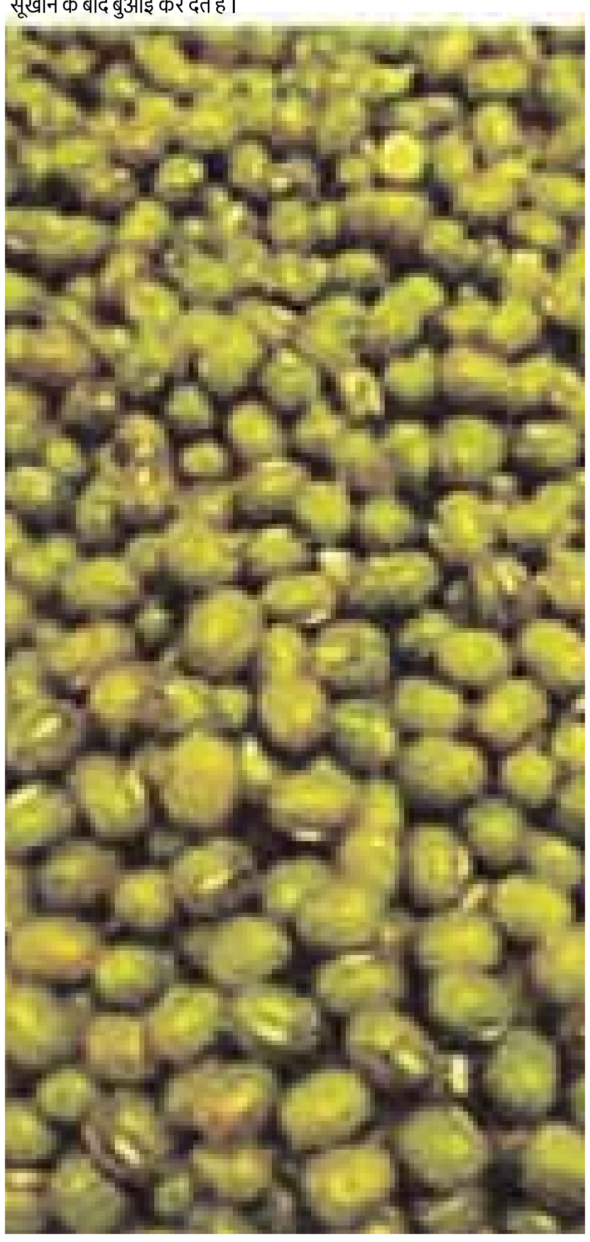

अमरबेल से बचाव

फसलों की सुरक्षा के कारगर उपाय

प्रसारण-

- परजीवी के बीज एवं तने के भाग सिंचाई करने से जल द्वारा एक खेत से दूसरे खेत में चले जाते हैं।
- खाद द्वारा भी बीज खेत में आ जाते हैं।
- तने के टुकड़ों का स्थानांतरण मनुष्यों एवं जंतुओं द्वारा एक स्थान से दूसरे स्थान पर कर दिया जाता है।

द्य इसके बीज बरसीम, रिजका के बीजों के साथ जुड़े रह सकते हैं।

हानि-

अमरबेल के संक्रमण से मात्रात्मक व गुणात्मक दोनों प्रकार से हानि होती है–

- नींबू में 30–35 प्रतिशत
- मूंग में 70–90 प्रतिशत
- उड़द में 30–40 प्रतिशत
- रिजका, बरसीम में 60–70 प्रतिशत तक उपज में हानि होती है।

नियंत्रण– इस परजीवी पादप के नियंत्रण हेतु समन्वित प्रबंध करना अति आवश्यक है–

नियंत्रण के उपाय-

- नमक के 10 प्रतिशत (1 लीटर पानी में 100 ग्राम) घोल में बीजोपचार करके फसल के बीजों की बुवाई करें।
- अमरबेल के बीज रहित फसल के बीज ही बुवाई के काम लें।
- कृषि यंत्रों व पशुओं को अमरबेल से संक्रमित खेतों से स्वच्छ खेतों में न आने दें।
- अमरबेल से ग्रसित फार्म से कम्पोस्ट खाद तैयार न करें।

शस्य नियंत्रण– संक्रमित पौधों को परजीवी में बीज बनने से पहले उखाड़ कर जला दें।

- कम से कम पांच वर्ष का फसल चक्र अपनाना चाहिए।
- पाश फसलें जैसे ग्वार आदि उगाना चाहिए इसकी बढ़वार कम होगी।
- फसलों की सहनशील किस्में जैसे रिजके की एलएलसी 6 व एलएलसी 7, मूंग की एम–4 व उदड़ की टी–9 किस्में बोनी चाहिए।

जैविक नियंत्रण-

मैलेनाग्रोमाइजा करुक्यूटा व कालेटोट्राइकम ग्लोइयोस्पोरीयोडीस के द्वारा भी इसका नियंत्रण कर सकते हैं।

- ल्यूबाओ–2 जो कि कोलेटोट्राइकम ग्लोइयोस्पोरीयोडिस करुक्यूटी रोगजनक का उत्पाद है, से भी जैविक नियंत्रण कर सकते हैं।

रसायनिक नियंत्रण-

- क्लोरोफॉम 6–7 किग्रा (सक्रिय तत्व) या डाइक्लोनेनील 2 किग्रा (सक्रिय तत्व) प्रति हेक्टेयर मिट्टी में प्रयुक्त करें।
- खड़ी फसल (रिजका व बरसीम) में कटाई के 5–10 दिन बाद डाइकव्ट 6–10 किग्रा प्रति हेक्टेयर आवश्यकतानुसार पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
- पेड़ों तथा बहुवर्षीय बेलों पर पेराक्वाट के 0.1 प्रतिशत

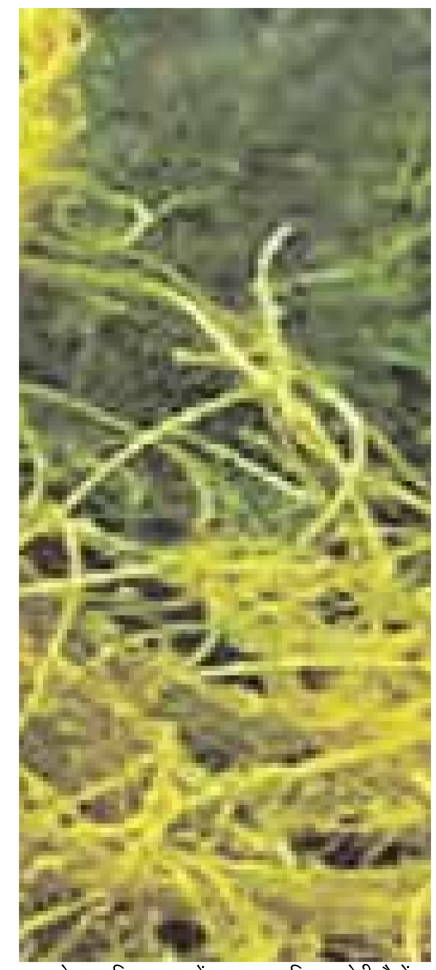

घोल का छिड़काव करें। तथा उपचारित परपोषी पौधों की जल्दी सिंचाई करें।

- यदि अमरबेल पर छिड़काव के बाद कोई अवशेष बच जाये तो पुन : बताये शाकनाशियों का छिड़काव करें।

धान

अधिक उत्पादन, कम खर्च

भारत में हरित क्रांति आने के बाद से लेकर अब तक विभिन्न आदानों की इकाई लागत में काफी वृद्धि हुई है इस वृद्धि के फलस्वरुप शुद्ध लाभ भी कम प्राप्त हो रहा है, इस हेतु यह आवश्यक हो गया है कि इकाई क्षेत्र में कम से कम लागत में अधिक से अधिक उत्पादन प्राप्त किया जाये।

इकाई क्षेत्र में कम से कम लागत में अधिक से अधिक उत्पादन हेतु वर्ष 1983 में फादर हेनरी द्वारा सिस्टम ऑफ राइस इंटेसीफिकेंशन का उद्भव मेडागास्कर में किया गया इस पद्धति से 7–15 टन धान प्रति हेक्टेयर उत्पादन किया जा सकता है।

मेडागास्कर विधि की कृषि कार्यमाला-

खेत का चुनाव– मेडागास्कर विधि से धान की खेती करने हेतु उचित जल निकास वाली भूमि का चुनाव करना चाहिए तथा सिंचाई की भी व्यवस्था खेत पर होना चाहिए।
बीज की मात्रा– इस विधि से धान की रोपाई करने के लिए 10–12 किलोग्राम बीज की आवश्यकता प्रति हेक्टेयर पड़ती है।

धान की उन्नत किस्में-

कम अवधि में पकने वाली किस्में – तृप्ति, पूर्वा, जेआर 75
मध्यम समय में पकने वाली किस्में – जेआर 201, दीप्ति, जेआर 353
सामान्य अवधि में पकने वाली किस्में – आई.आर.36, आई.आर.64, माधुरी , पूसा सुगंधा
देर से पकने वाली किस्में :–स्वर्णा, श्यामला, महासुरी
संकर किस्में – एपीएचआर–1, एपीएचआर–2, एमजीआर–1, सीएनआर एच–1, पंत संकर धान
नर्सरी हेतु खेत की तैयारी एवं बीज की बुवाई– खेत की अच्छी तरह आड़ी–तिरछी जुताई कर मिट्टी को भुरभुरी कर लेना चाहिए तत्पश्चात एक मीटर चौड़ी 10 मीटर लम्बी 15 सेमी ऊंचाई की क्यारी बना लें, क्यारी के दोनों ओर सिंचाई नाली बनाये क्यारी तैयार कर 50–60 किलोग्राम नाडेप कम्पोस्ट मिलाकर समतल कर दें तैयार क्यारी में

उपचारित बीज को बिखेर दें तथा ऊपर से कम्पोस्ट खाद की पतली परत बिछाकर बीजों को ढ़क दे बीज का उपचार कर ही क्यारी डालना चाहिए बीज उपचार हेतु स्युडोमोनास फ्लोरोसेंस 3 ग्राम प्रतिकिलो बीज की दर से उपयोग करना आवश्यक होता है। प्रति क्यारी 120 ग्राम बीज की मात्रा या 12 ग्राम प्रति वर्ग मीटर बीज की रोपणी डालने की आवश्यकता होती है। रोपणी की बोनी उपरांत प्रथम सिंचाई हजारे से की जाना चाहिए शेष सिंचाई रोपणी के दोनों तरफ उपलब्ध सिंचाई नाली से करना चाहिए।
रोपाई हेतु खेत की तैयारी– रोपाई किये जाने वाले खेत की अच्छी तरह जुताई कर भुरभुरा कर लें तथा खेत में पाटा लगाकर भूमि को समतल कर लेना चाहिए। तथा खेत में 8–10 टन नाडेप कम्पोस्ट/ गोबर की पकी हुई खाद प्रति हेक्टेयर की दर से मिला देना चाहिए। इस प्रकार रोपणी के लिए खेत तैयार हो जायेगा। सामान्यत: 10–15 दिन की पौध इस पद्धति में रोपाई हेतु उपयुक्त होती है इन पौधों को जड़ सहित सावधानी पूर्वक उखाड़ कर 20 से 30 मिनट की अंदर खेत में रोप देना चाहिए। रोपाई एक से दो सेमी गहराई पर करें तथा पौध को खेत में सीधा रोपना चाहिए रोपाई के समय खेत में पानी भरा नहीं होना चाहिए। एक स्थान पर एक ही पौधे की रोपाई करें तथा पौध से पौध की दूरी 25 सेमी एवं कतार से कतार की दूरी 23 सेमी रखना चाहिए जिससे कंसे अधिक संख्या में निकलते हैं।
खाद उर्वरक की मात्रा– खेत की मिट्टी का परीक्षण कराकर तत्वों की उपलब्धता जानने के बाद ही खाद की मात्रा निश्चित की जानी चाहिए, इस विधि में कार्बनिक खादों एवं रसायनिक खादों का उपयोग करना अनिवार्य है चयनित खेत में हरी खाद के लिए सनई/ ढैंचा की बोनी कर 20–25 दिन बाद मचाई कर मिट्टी में मिला दें तथा 3–4 दिन के लिए छोड़ दें तत्पश्चात रोपाई करें।
रसायनिक खाद में 80 किलोग्राम 50 किलोग्राम फास्फोरस तथा 30 किलोग्राम पोटाश की आवश्यकता प्रति हेक्टर होती है। फास्फोरस व पोटाश की पूरी मात्रा का उपयोग आधार खाद के रुप में किया जाना चाहिए व नत्रजन का उपयोग तीन किश्तों में 20 प्रतिशत के एक सप्ताह बाद 50 प्रतिशत कंसे फूटने के समय एवं शेष 30 प्रतिशत गभोट के प्रारंभ काल में किया जाना चाहिए वानस्पतिक वृद्धि अधिक होने पर नत्रजन की मात्रा कम की जा सकती है।

अरहर की बहार

भूमि व खेत की तैयारी

अरहर को विविध प्रकार की भूमि में लगाया जा सकता है। चुनाव की दृष्टि से हल्की रेतीली दोमट या मध्यम भूमि जिसमें समुचित जल निकास हो इस फसल के लिये उपयुक्त होती है।

बुवाई

अरहर की बोनी वर्षा प्रारंभ होने के साथ ही करें सामान्य रूप से जून के अंतिम सप्ताह से जुलाई के प्रथम सप्ताह के मध्य अवश्य करें जल्दी पकने वाली प्रजातियों के लिए 25–30 कि.ग्रा. एवं मध्यम समय में पकने वाली प्रजातियों के लिए 17–20 कि.ग्रा. बीज/हेक्टेयर रखें! शीघ्र पकने वाली प्रजातियों की बोनी 30×15 से.मी. तथा मध्यम देरी से पकने वाली प्रजातियों के लिए 60, 29 से.मी. पर करें। बोनी पूर्व थायरम + कार्बेन्डाजिम (2 :1) के 3 ग्राम मिश्रण प्रति किलोग्राम बीज की दर से बीज उपचार अवश्य करें तत्पश्चात अरहर के राइजोबियम कल्चर एवं पी.एस.बी. कल्चर से बीज उपचारित कर बोनी करें।
शीघ्र पकने वाली–प्रजाति :
(आई.सी.पी.एल. 79) (125–135 दिन)
उपास (130–140 दिन)

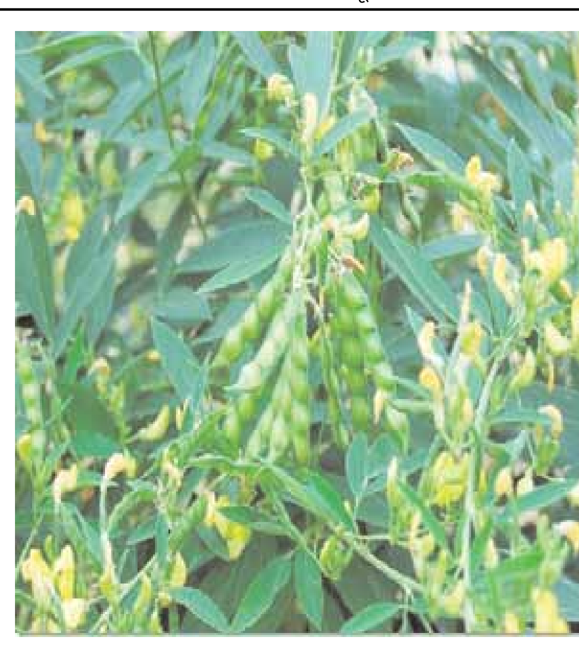

टी.जे.टी. 401 (130–140 दिन)
मध्यम समय में पकने वाली प्रजाति
(आई.सी.पी.एल. 87119) (160–180 दिन)
जे.के.एम. 7 (170–180 दिन)
खाद एवं उर्वरक : 20 कि.ग्रा. जिंक सल्फेट/हे. का प्रयोग करें। 8–10 टन गोबर की अच्छी तरह से सड़ी हुई खाद दो वर्ष के अंतराल दें।

जल प्रबंधन

वर्षा ऋतु में जल भराव से बचने हेतु उचित जल निकास के लिए 15–20 मी. दूरी पर गहरी नालियां बनायें। आमतौर पर अरहर की असिंचित खेती की जाती है। देरी से पकने वाली प्रजातियों में पानी उपलब्ध होने पर फूल, फली की अवस्था में एक सिंचाई करने पर उत्पादन अच्छा मिलता है।

खरपतवार नियंत्रण

खरपतवार नियंत्रण हेतु बोनी के तुरन्त बाद पेन्डीमिथालीन 1.0–1.25 कि.ग्रा./हे. की दर से छिड़काव करें तत्पश्चात एक निंदाई लगभग 25–30 दिनों बाद करें।
अन्तरवर्तीय फसल : अन्तरवर्तीय फसल पद्धति से मुख्य फसल की संपूर्ण पैदावार एवं अंतरवर्तीय फसल से अतिरिक्त पैदावार प्राप्त होती है। मुख्य फसल की कीट व्याधि के प्रकोप होने पर या मौसम की प्रतिकूलता होने पर अर्न्तवर्तीय फसल से सुनिश्चित आय प्राप्त होती है। अत: अंतरवर्तीय फसल अरहर : ज्वार 4 :2 या 2 :1 अरहर : सोयाबीन 4 :2 कतारों में लगायें।

कॉकटेल 2 का नया गाना वल्लाह आउट

शाहिद-कृति और रश्मिका की मस्ती ने जीता फैंस का दिल

कॉकटेल 2 को लेकर फैंस बेहद एक्साइटेड हैं. जब से फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है, तब से ही फैंस इसकी रिलीज का इंतजार कर रहे हैं. दूसरी ओर शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना की इस फिल्म के गानों ने सोशल मीडिया पर तहलका मचाया हुआ है. वहीं, अब इस लिस्ट में एक और नया गाना वल्लाह जुड़ गया है. कॉकटेल 2 के मेकर्स ने फिल्म का नया गाना वल्लाह रिलीज कर दिया है. गाने में शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना की जोड़ी स्क्रीन जबरदस्त एनर्जी के साथ नजर आ रही है. तीनों सितारों का डांस, मस्ती और एक्सप्रेशन गाने को और भी दिलचस्प बना रहे हैं. बता दें ये पहली बार है जब तीनों एक साथ बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं. इस गाने को बयानी और हार्डी संधू ने ने अपनी आवाज दी है, जो सीधे दिल तक पहुंचती है. वहीं म्यूजिक प्रीतम चक्रवर्ती ने दिया है और इसके बोल अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं. इस गाने में रोनी अजनाली और गिल मछराय ने पंजाबी टच दिया है. मैडॉक फिल्म्स और लव फिल्म्स की कॉकटेल 2 के इस नए गाने में दोस्ती, प्यार, कन्फ्यूजन, मैड जजमेंट, यादगार पल और दिल का पूरा इमोशनल देखने को मिल रहा है. गाने के बिट्स ऐसे हैं कि सुनकर ही आपके पैर डांस फ्लोर पर थिरकने लगेंगे. कॉकटेल 2 के नए गाने वल्लाह फुल ऑन एनर्जी, इमोशन और ऐसा म्यूजिक जो सीधे दिल-दिमाग में घुस जाता है. ये गाना रिलेशनशिप के हर रंग को सेलिब्रेट करता है. ये उन दोस्तों की कहानी है जो फैमिली बन जाते हैं, उन लोगों की जो जिंदगी बदल देते हैं और उस प्यार की जो सब कुछ उलझा देता है. कॉकटेल 2 की दुनिया की वही यंग, बेफिक्र और फुल-ऑन जिंदगी वाली वाइब इस गाने में पूरी तरह झलकती है. वल्लाह गाना रोड ट्रिप, बीच वेकेशन, लेट नाइट ड्राइव और अपने लोगों के साथ खड़ी हर यादगार पल का परफेक्ट बैकग्राउंड म्यूजिक बन सकता है कॉकटेल 2 का क्रेज लोगों के बीच पहले से ही पीक पर है . फिल्म का ट्रेलर हर प्लेटफॉर्म पर ट्रेंड कर रहा है, गाने स्पॉटिफाई और यूट्यूब पर छाए हुए हैं, और मशूका गाना तो बिल्कुल चार्टबस्टर बन चुका है. वहीं, कॉकटेल 2 इस साल के सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाले सिनेमैटिक इवेंट्स में से एक बन चुकी है. ऐसे में फिल्म रिलीज से पहले मेकर्स म्यूजिक फेस्टिवल कर रहे हैं, जो मुंबई, नई दिल्ली और पुणे में होगा.

कॉकटेल 2 होमी अदजानिया के डायरेक्शन में बनी है. इस फिल्म को दिनेश विजन, लव रंजन और अंकुर गर्ग के प्रोडक्शन में तैयार किया गया है. वहीं, इसकी कहानी तरुण जैन और लव रंजन ने लिखी है. फिल्म रिलीज की बात करे तो दर्शक इसे 19 जून से सिनेमाघरों में देख सकेंगे. इस फिल्म में शाहिद, कृति और रश्मिका मंदाना के अलावा संजय दत्त भी नजर आने वाले हैं.

पेद्दी बॉक्स ऑफिसः वर्ल्डवाइड 400 करोड़ की ओर बढ़ रही राम चरण की फिल्म

राम चरण स्टारर स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म पेद्दी ने अपनी रिलीज के आठ दिन पूरे कर लिए हैं. फिल्म धीरे-धीरे ही सही पर अच्छा बिजनेस कर रही है. फिल्म पहले ही 350 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है और अब वर्ल्डवाइड 400 करोड़ रुपये की ओर बढ़ रही है. पेद्दी ओवरसीज में भी अपना दबदबा कायम करने में लगी है. बुची बाबू सना और राम चरण की फिल्म ने 8 दिनों में कितना कलेक्शन किया है. फिल्म इंडस्ट्री ट्रैकर सैकनिल्क की मानें तो पेद्दी ने 8वें दिन 5 करोड़ रुपये की कमाई की थी, जबकि फिल्म ने सातवें दिन 7.55 करोड़ रुपये कमाए थे. 8वें दिन पेद्दी ने तेलुगु में 0.31 करोड़ रुपये, तमिल में 0.12 करोड़ रुपये और हिंदी में 1.10 करोड़ रुपये कमाए. इससे पेद्दी का नेट घरेलू बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 193.55 करोड़ रुपये और ग्रॉस 229.95 करोड़ रुपये हो गया है. वहीं, खबर लिखने जाने तक फिल्म ने नौवें दिन 1.34 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है. बता दें, मेकर्स ने फिल्म पेद्दी की ऑफिशियल कमाई का आंकड़ा शेयर कर दिया है, जिसमें फिल्म ने 7 दिनों में वर्ल्डवाइड 345 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है. आरआरआर (1200 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाई) के बाद पेद्दी राम चरण की दूसरी सबसे कमाऊ फिल्म बन गई है. आईएमडीबी के अनुसार, आरआरआर ने वर्ल्डवाइड 1291.2 करोड़ रुपये की कमाई की है. रंगस्थलम (220.8 करोड़ रुपये), गेम चेंजर (215.8 करोड़ रुपये), मगधीरा (146.8 करोड़ रुपये) कमाए हैं. आरआरआर (2022) के चार साल बाद राम चरण की किसी फिल्म की 300 करोड़ी क्लब में एंट्री हुई है. बता दें, बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी फिल्म में राम चरण अलग ही अवतार में नजर आ रहे हैं. उन्होंने कई स्पोर्ट्स खिलाड़ी के रूप में देखा जा रहा है

ओटीटी पर रिलीज हुई अक्षय की भूत बंगला नेटफ्लिक्स पर हुई स्ट्रीम

अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की फिल्म भूत बंगला ने बॉक्स ऑफिस पर बेहद शानदार परफॉर्म किया है. वहीं अब इसका थिएट्रिकल रन खत्म सा हो गया है. वहीं अब इस फिल्म ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी डेब्यू कर लिया है. इसी के साथ जानते हैं कि अक्षय की फिल्म का फाइनल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन कितना रहा है? भूत बंगला ने सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक अपनी रिलीज के 56वें दिन यानी 8वें गुरुवार को 0.07 करोड़ कमाए. जिसके बाद इसके आठवें हफ्ते की कमाई लगभग 70 लाख रुपये रही. वहीं अब इसकी भारत में 57 दिनों की कुल घरेलू नेट कमाई 182 करोड़ रुपये हो गई है.

जबकि इस हॉरर कॉमेडी फिलम का भारत में ग्रॉस कलेक्शन 215.55 करोड़ रुपये हुआ है. ओटीटी पर रिलीज होने के बाद अब इसके बॉक्स ऑफिस पर और ज्यादा कमाई करने के चांसेस नहीं है ऐसे में इसका भारत में फाइनल कलेक्शन 180 करोड़ नेट रह सकता है.. विदेशों में भूत बंगला ने कुल 53.75 करोड़ की कमाई की है, जिससे इसकी कुल वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन 269.30 करोड़ रुपये हुआ है. भूत बंगला में अक्षय कुमार, वामिका गब्बी, परेश रावल, राजपाल यादव और मिथिला पालकर ने अहम रोल प्ले किया है. ये फ़िल्म बॉक्स ऑफ़िस पर एक बड़ी और साफ़-सुथरी हिट साबित हुई है. इसी के साथ ये महामारी के बाद के दौर में अक्षय कुमार की दूसरी सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली फ़िल्म बन गई है. इसने दर्शकों की अच्छी संख्या भी दर्ज की, जो 1 करोड़ रुपये से थोड़ी कम थी. गौरतलब है कि प्रियदर्शन की डायरेक्ट की हुई इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म को कोई खास टक्कर नहीं मिली, इसलिए इसने लंबे समय तक अच्छा बिज़नेस किया. हालाँकि कुछ और फिल्में भी रिलीज़ हुई थीं, लेकिन वे इसके बिज़नेस पर कोई खास असर नहीं डाल पाईं. बता दें कि थिएटर में खूब धमाल मचाने के बाद अक्षय कुमार की भूत बंगला ने ओटीटी पर भी डेब्यू कर लिया है. ये फिल्म 12 जून यानी आज से ओटीटी के दिग्गज प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीमिंग के लिए अवेलेबल है.

धमाल 4 की रिलीज तारीख का ऐलान, इस बार खजाने की तलाश में मचेगी धमाचौकड़ी

अजय देवगन की बहुप्रतीक्षित फिल्म धमाल 4 का इंतजार खत्म होने वाला है। फिल्म के पोस्टर ने पहले माहौल तैयार कर दिया था। अब रिलीज तारीख ने आकर तहलका मचा दिया है। कॉमेडी और ड्रामे से भरपूर यह फिल्म अगले महीने दर्शकों के बीच आने के लिए बिल्कुल तैयार है। इसका निर्देशन इंद्र कुमार ने किया है, जो इस फ्रैंचाइजी की पिछली तीनों किस्तों के निर्देशक भी रहे हैं। नए किरदारों में रवि किशन और संजीदा शेख शामिल हैं। निर्माताओं ने धमाल 4 का पोस्टर जारी करते हुए लिखा, साल का सबसे रोमांचक और अनोखा खजाना ढूंढने का खेल 10 जुलाई से शुरू हो रहा है। पहले फिल्म को 17 जुलाई को रिलीज किया जाना था, लेकिन अब यह एक हफ्ते पहले दर्शकों के बीच आएगी। फिल्म हर उम्र के दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करने और गुदगुदाने का वादा करती है। अरशद वारसी, रितेश देशमुख, जावेद जाफरी और संजय मिश्रा अपने पुराने किरदारों में वापसी करेंगे। धमाल 4 की कहानी अराजकता, पागलपन और एक बड़े खजाने की खोज के इर्द-गिर्द बुनी गई है। इस बार पूरी पलटन ट्रेजर ऑफ लाइफ (जीवन का खजाना) नाम के एक रहस्यमयी गुप्त खजाने को ढूंढने के लिए मिशन पर निकलेगी, लेकिन अजीबोगरीब परिस्थितियां हंसी और पागलपन में बदल जाएंगी। फिल्म का निर्माण टी-सीरीज फिल्म्स, मारुति इंटरनेशनल और पैनोरमा स्टूडियोज प्रोडक्शन के बैनर तले किया गया है। इसे 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित कॉमेडी फिल्मों में से एक माना जा रहा है।

बर्तन धोने के लिए स्टील, प्लास्टिक या स्पंज वाला स्क्रबर ? जानिए कौन-सा है सही विकल्प

बर्तन धोने के लिए स्क्रबर का इस्तेमाल करना आम है, लेकिन सही स्क्रबर का चयन करना जरूरी है। बाजार में स्टील, प्लास्टिक और स्पंज स्क्रबर जैसे कई विकल्प उपलब्ध हैं। इन तीनों के अपने-अपने फायदे और नुकसान हैं। इस लेख में हम इन तीनों स्क्रबर के बारे में विस्तार से जानेंगे, ताकि आप अपने बर्तनों को सही तरीके से धो सकें और उन्हें लंबे समय तक सुरक्षित रख सकें। आइए जानते हैं किसका चयन सबसे सही है।

स्टील स्क्रबर उन बर्तनों के लिए सबसे अच्छा होता है, जिनमें जिद्दी चिपचिपे दाग लग जाते हैं। यह स्क्रबर आसानी से इन दागों को हटाता है और आपके बर्तनों को चमकदार बनाता है। हालांकि, इसका उपयोग कांच या नॉन-

स्टिक बर्तनों पर न करें, क्योंकि इससे खरोंच आ सकती है। स्टील स्क्रबर का चयन करते समय उसकी मोटाई पर ध्यान दें, ताकि वह लंबे समय तक टिक सके और आपके बर्तनों को सुरक्षित रख सके। प्लास्टिक स्क्रबर हल्के होते हैं और इन्हें इस्तेमाल करना आसान होता है। ये स्क्रबर छोटे-छोटे कोनों तक पहुंच सकते हैं और बर्तनों को अच्छे से साफ कर सकते हैं। हालांकि, प्लास्टिक स्क्रबर जल्दी गंदे हो जाते हैं और इन्हें बार-बार बदलना पड़ता है। प्लास्टिक स्क्रबर का चयन करते समय उसकी गुणवत्ता पर ध्यान दें, ताकि वह लंबे समय तक टिक सके और आपके बर्तनों को अच्छी तरह साफ कर सके।

कब चुनना चाहिए स्पंज स्क्रबर?

स्पंज स्क्रबर नरम होते हैं और इन्हें इस्तेमाल करना बहुत आरामदायक होता है। ये स्क्रबर न केवल बर्तनों को साफ करते हैं, बल्कि उनमें खरोंच भी नहीं लगने देते। स्पंज स्क्रबर का चयन करते समय उसकी मोटाई पर ध्यान दें, ताकि वह लंबे समय तक टिक सके और आपके बर्तनों को अच्छी तरह से साफ कर सके। स्पंज स्क्रबर का उपयोग कांच और नॉन-स्टिक बर्तनों पर किया जा सकता है।

बर्तनों को धोने का सही तरीका

बर्तन धोते समय सबसे पहले गर्म पानी का इस्तेमाल करें, क्योंकि यह चिकनाई और गंदगी को आसानी से हटाता है। इसके बाद साबुन या बर्तन धोने वाले तरल का उपयोग करें और फिर स्क्रबर का चयन करें, जो आपके बर्तनों के प्रकार के अनुसार हो। अंत में साफ पानी से धोकर बर्तनों को सूखने दें। इस प्रक्रिया से न केवल आपके बर्तन साफ रहेंगे, बल्कि लंबे समय तक टिकाऊ भी रहेंगे। तीनों प्रकार के स्क्रबर अपनी-अपनी जगह पर उपयोगी होते हैं, लेकिन स्टील स्क्रबर सबसे ज्यादा टिकाऊ होता है। हालांकि, इसका उपयोग कांच या नॉन-स्टिक बर्तनों पर न करें, क्योंकि इससे खरोंच आ सकती है। प्लास्टिक और स्पंज स्क्रबर, दोनों ही हल्के होते हैं और छोटे-छोटे कोनों तक पहुंच सकते हैं। हालांकि, प्लास्टिक स्क्रबर जल्दी गंदे हो जाते हैं, जबकि स्पंज स्क्रबर अधिक आरामदायक होते हैं। सही स्क्रबर का चयन आपके बर्तनों को लंबे समय तक सुरक्षित रख सकता है।

अभिनेता संजय कपूर-शहीर शेख की सीरीज अब होगा हिसाब का ट्रेलर जारी, आई रिलीज तारीख

संजय कपूर, शहीर शेख और मौनी रॉय की वेब सीरीज अब होगा हिसाब काफी समय से चर्चा में थी। अब इस रिवेंज थ्रिलर का आधिकारिक ट्रेलर जारी हो गया है। साथ में रिलीज तारीख भी आ गई है। सीरीज का निर्देशन दिव्यांशु मल्होत्रा ने किया है, जो रहस्य, विश्वासघात और बदले से भरपूर एक रोमांचक कहानी दिखाने का वादा करती है। अविनाश मिश्रा भी अहम किरदार में दिखेंगे। उनके अलावा निमरित कौर अहलूवालिया और हरमन सिंघा भी हैं। कहानी पंजाब की पृष्ठभूमि पर आधारित, 2 भाइयों बॉबी और बंटी मनोचा पर केंद्रित है। शहीर ने एनआरआई बॉबी का किरदार निभाया है, जिसे हाल ही में विदेश से डिपोर्ट कर दिया गया है। कहानी में मोड़ तब आता है, जब उसका छोटा भाई बंटी अचानक रहस्यमयी परिस्थितियों में गायब हो जाता है। यह सीरीज भाईचारे, अपहरण, धोखे और मानव तस्करी के काले कारोबार के इर्द-गिर्द घूमेगी। इसका प्रीमियर 18 जून से एमएक्स प्लेयर पर फ्री में किया जाएगा।

फीफा विश्वकप 2026 : नेमार के बिना फीकी पड़ी ब्राजील की चमक, मोरक्को ने 1-1 से ड्रॉ पर रोका

एजेंसी, न्यूजर्सी

पांच बार की विजेता रही ब्राजील की टीम को फीफा विश्वकप फुटबॉल 2026 के अपने शुरुआती मुकाबले में ही मोरक्को की टीम ने 1-1 से ड्रॉ पर रोक दिया। इस मैच में ब्राजीत को अपने स्टार खिलाड़ी नेमार की कमी खली। नेमार के नहीं होने से इस रोमांचक मुकाबले में ब्राजील की टीम की चमक पहले जैसी नहीं दिखी। मोरक्को ने उन्हें 1-1 की बराबरी पर रोक दिया। इस परिणाम से ब्राजील का विश्व कप अभियान शुरुआत में ही कमजोर साबित हो गया है। टीम ने टूर्नामेंट में कदम रखते हुए जीत का सपना देखा था जिस पर अब सवाल उठने लगे हैं। मैच की शुरुआत में ही मोरक्को ने आक्रामक रुख अपनाया। मैच के 21वें मिनट में ही इस्माइल सैबारी ने शानदार गोल कर मोरक्को को बढ़त दिला दी। इस शुरुआती झटके से ब्राजील पर दबाव बढ़ गया पर विनीसियस जूनियर ने 32 वें मिनट में एक गोल दागकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। यह विनीसियस का 10वां अंतरराष्ट्रीय गोल था, और उनके इस गोल ने स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। दोनो ही टीमों ने इसके बाद गोल करने के कई प्रयास किये पर सफल नहीं रहीं। ब्राजील ने 2002 के बाद से ही कोई विश्व कप नहीं जीता है और इस बार वे बड़े उम्मीदों के साथ मैदान में उतरे हैं। यही कारण था किस्टेडियम में मौजूद 80 हजार से अधिक दर्शकों ने मोरक्को के खिलाफ अपनी टीम की जीत के लिए नारे लगाये। प्रशंसक अपनी टीम से एक धमाकेदार शुरुआत की उम्मीद कर रहे थे पर मोरक्को की मजबूत रक्षापंक्ति और जवाबी हमलों ने ब्राजील को दूसरे गोल का अवसर ही नहीं दिया और मुकाबला अंत में बराबरी पर रहा। इस मुकाबले में ब्राजील की टीम अपने स्टार खिलाड़ी नेमार जूनियर के बिना मैदान पर उतरी थी। नेमार दाहिने पैर की चोट से उबर रहे हैं, और उनकी अनुपस्थिति टीम के आक्रमण पर स्पष्ट रूप से दिखाई दी। टीम को मिडफ़ील्ड और फॉरवर्ड लाइन के बीच वह रचनात्मकता और जादू की कमी महसूस हुई, जो नेमार आमतौर पर प्रदान करते हैं। अब ब्राजील को अपने अगले ग्रुप मैचों में प्रदर्शन सुधारना होगा जिससे वे विश्व कप के नॉकआउट चरण में प्रवेश कर सकें। ब्राजील ने भले ही मोरक्को पर जीत हासिल न की हो, लेकिन उसने एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। इस ड्रॉ के साथ ब्राजील ने 1934 के बाद से विश्व कप के अपने पहले मैच में कभी न हारने के 92 साल पुराने अजेय क्रम को बरकरार रखा है। अब यह सिलसिला 21 मैचों तक पहुंच गया है, जिसमें 17 जीत भी शामिल हैं। मैच भले ही ड्रॉ रहा हो, लेकिन ब्राजील के खिलाड़ी और कोच दोनों ही टीम के प्रदर्शन से संतुष्ट नहीं दिखे। विनीसियस जूनियर ने खुद स्वीकार किया, हमारी शुरुआत बहुत खराब रही। हमें निश्चित रूप से गेंद पर बेहतर नियंत्रण रखना होगा और आगे बेहतर खेल दिखाना होगा।

अमेरिका को पहले ही मैच में जीत दिलाने वाले बालोगुन को मिला था दो अन्य देशों से खेलने का प्रस्ताव

एजेंसी, न्यूयार्क

फीफा विश्वकप के पहले ही मैच में अमेरिका को पराग्वे के खिलाफ 4-1 से जीत दिलाने वाले फोलारिन बालोगुन नाइजीरियाई मूल के हैं और उनका यहां तक का सफर बेहद कठिन रहा है। उनके जन्म के कुछ समय बाद ही पिता को देश तक छोड़ना पड़ा था। एक समय पर उन्हें इंग्लैंड और नाइजीरिया दोनों देशों से खेलने का प्रस्ताव मिला था पर , फोलारिन ने अमेरिका से खेलने का फैसला किया था। इस फुटबॉर का जन्म न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन इलाके में नाइजीरियाई माता-पिता के घर हुआ था। उनके पैदा होने के महज़ एक महीने बाद ही उनका परिवार इंग्लैंड चला गया, जहां वे लंदन में पले-बढ़े। उन्होंने आठ साल की छोटी उम्र में ही प्रतिष्ठित आर्सेनल अकादमी में दाखिला ले लिया, जिसने उनके फुटबॉल करियर की नींव रखी। युवा स्तर पर उन्होंने इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व किया, लेकिन साथ ही अमेरिका की अंडर-18 टीम के लिए भी खेलते रहे, जिससे तीनों देशों से उनके जुड़ाव का संकेत मिला।

फोलारिन के पास अमेरिका के अलावा, अपने माता-पिता के मूल देश नाइजीरिया और अपने पालन-पोषण वाले देश इंग्लैंड की तरफ से खेलने का भी अवसर था पर उन्होंने समझदारी भरा फैसला लेते हुए अमेरिका को चुना क्योंकि वह जानने थे कि इंग्लैंड की टीम में स्टार खिलाड़ियों की भरमार है, ऐसे में वहां राष्ट्रीय टीम में जगह बना पाना एक बड़ी चुनौती होती, जबकि नाइजीरिया फुटबॉल में काफी पीछे है। उसकी टीम इस विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में भी असफल रही है। ऐसे में इस फुटबॉलर न का अमेरिका के लिए खेलने का फैसला न केवल उनके लिए बल्कि अमेरिकी फुटबॉल के लिए भी लाभदायक साबित हुआ है। पराग्वे के खिलाफ हुए धमाकेदार मुकाबले में बालोगुन ने दो शानदार गोल दागकर अपनी उपयोगिता साबित की। इस प्रदर्शन से वह 1930 के बाद विश्व कप के किसी मैच में दो गोल करने वाले पहले अमेरिकी खिलाड़ी बन गये।

तो सचिन-विराट को भी पीछे छोड़ देंगे वैभव : डेल स्टेन

एजेंसी, जोहांसबर्ग

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन भी 15 साल के वैभव सूर्यवंशी की आक्रामक बल्लेबाजी देखकर हैरान हैं। स्टेन का मानना है कि जिस प्रकार से वैभव खेल रहे हैं, अगर उसी तरीके से खेलते रहे तो भविष्य में वह सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली को भी पीछे छोड़ देंगे। एक कार्यक्रम में जब स्टेन से वैभव को लेकर पूछा गया, तो उन्होंने कहा, 'वैभव एक असाधारण प्रतिभा है। वह इस समय दुनिया के अधिकांश अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों से बेहतर खेल रहा है। वह भारतीय क्रिकेट का 'बॉय वंडर' और एक अनमोल खजाना है।' स्टेन की ये बातें वैभव की अविश्वसनीय प्रतिभा और उनके खेल पर उनके गहरे भरोसे को दिखाती हैं। वैभव ने आईपीएल के 19 वें सत्र में कुल 16 मैचों में 776 रन बनाए थे। उन्होंने लगभग 48.50 के औसत और 237.30 के अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की थी। ऐसा करना टी20 क्रिकेट में बेहद कठिन है। वैभव ने आईपीएल में 72 छक्के लगाकर सर्वाधिक छक्कों के क्रिस गेल के रिकॉर्ड को भी तोड़ा था।

स्टेन ने यहां तक कहा , 'जब आप सचिन या विराट जैसे महान खिलाड़ियों के बारे में सोचते हैं, तो आपको लगता है कि इससे बड़ा कोई नहीं हो सकता पर यह बच्चा आने वाले समय में एक ऐसा धमाका करने वाला है कि अपने करियर के अंत तक वह इन दोनों दिग्गजों से भी आगे निकल जाएगा।'

इस साल के अंत में शुरु होने जा रही अफगानिस्तान प्रीमियर लीग

एजेंसी, काबुल। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) भी अब उभरते हुए क्रिकेटरों को आगे आने का मंच देने लिए प्रीमियर लीग शुरु कर रहा है। एसीबी के अनुसार अफगानिस्तान प्रीमियर लीग (एपीएल) का पहला सत्र 27 दिसंबर 2026 को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में शुरु होगा। इस लीग से अफगानिस्तान क्रिकेट का तेजी से विकास होगा और बेहतर प्रतिभाएं सामने आयेंगे। अभी उसके खिलाड़ी अन्य देशों की लग में खेलते हैं। प्रीमियर लीग टी20 टूर्नामेंट यूएई के बड़े क्रिकेट स्टेडियमों में खेला जाएगा और इसमें अफगानिस्तान के पांच प्रमुख क्रिकेट क्षेत्रों, जिनमें काबुल, कंधार, बल्ख, पकतिया और नंगरहार शामिल हैं, की पांच फ्रैंचाइजी टीमें हिस्सा लेंगी। इन टीमों के जरिये से देश के विभिन्न हिस्सों की प्रतिभाओं को एक मंच पर आने का मौका मिलेगा। इस लीग की शुरुआत ऐसे समय में हो रही है जब पिछले एक दशक में अफगान क्रिकेट ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर असाधारण प्रदर्शन किया है। राष्ट्रीय टीम ने खुद को वैश्विक क्रिकेट मंच पर एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी के रूप में स्थापित किया है, और इसके कई खिलाड़ी दुनिया भर की प्रमुख टी20 लीगों में लोकप्रिय चेहरे बन गए हैं, जिससे उनकी वैश्विक पहचान बढ़ी है।

द्रविड़ के बेटे अन्वय श्रीलंका दौरे में अंडर-19 टीम से खेलते दिखेंगे

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान व कोच राहुल द्रविड़ के छोटे बेटे अन्वय द्रविड़ अब श्रीलंका दौरे में भारत की अंडर-19 टीम से खेलते दिखेंगे। 4 जुलाई से शुरू होने वाली इस सीरीज में उभरती प्रतिभाओं को अवसर मिला है। इस दौरे पर खेले जाने वाले तीन एकदिवसीय और दो मल्टी-डे मैचों के लिए टीमों की घोषणा कर दी गयी है। इस दौरे में यशवर्धन सिंह चौहान को दोनों ही प्रारूपों में टीम की कप्तानी दी गयी है। 17 साल के अन्वय को व्हाइट-गेंद एकदिवसीय टीम में जगह मिली है। इसमें वह विकेटकीपर-बल्लेबाज के तौर पर उतरेंगे। यह उनके लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता साबित करने का एक अहम अवसर होगा। अन्वय इससे पहले भी भारत की अंडर-19 टीम में शामिल रहे हैं, जहाँ इंडिया ब्लू टीम के लिए ट्राई-सीरीज में उन्हें एक मैच खेलने का अवसर मिला था। उनकी कम उम्र को देखते हुए, चयनकर्ताओं ने उन्हें अगले साइकल के लिए संभावित दावेदार के रूप में हमेशा देखा था। अब, एक नए चक्र की शुरुआत के साथ, अन्वय को श्रीलंका दौरे के लिए चुनना उनकी निरंतर प्रगति और प्रदर्शन का प्रमाण है।

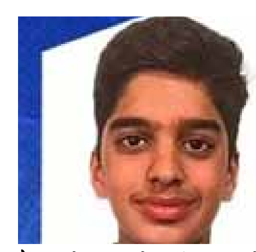

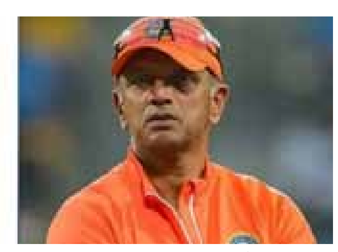

बिजनेस

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट 15 जून से शुरू करेगी कमर्शियल उड़ानें, इंडिगो की होगी पहली फ्लाइट

एजेंसी, नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो 15 जून से जेवर में स्थित नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से कमर्शियल उड़ानें शुरू करेगी। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू सोमवार को पहली उड़ान को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को बताया कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से 15 जून को कमर्शियल उड़ानें शुरू होंगी। इंडिगो पहली फ्लाइट ऑपरेट करेगी। एयरलाइन की पहली उड़ान लखनऊ से नोएडा एयरपोर्ट के लिए होगी, जो लखनऊ से सुबह 7:05 बजे उड़ेगी और 8:05 बजे नोएडा पहुंचेगी। उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर जिले के जेवर में बना यह एयरपोर्ट अब दिल्ली-एनसीआर का दूसरा इंटरनेशनल गेटवे बन जाएगा। इंडिगो एयरलाइन की पहली कमर्शियल उड़ान लखनऊ से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए चलेगी, यह सुबह 7:05 बजे रवाना होगी और सुबह 8:05 बजे पहुंचेगी। 16 जून से बेंगलुरु के लिए उड़ानें शुरू होंगी। इसके बाद जुलाई 2026 से नवी मुंबई, भोपाल, देहरादून, जोधपुर और बरेली के लिए सर्विस शुरू की जाएगी।

इंडिगो सबसे पहले अपनी सेवाएं शुरू करेगी और उसके बाद के चरणों में आकासा एयर और एयर इंडिया एक्सप्रेस भी अपनी सेवाएं शुरू करेंगी, जिससे प्रमुख घरेलू रूटों पर कनेक्टिविटी बढ़ेगी। आने वाले हफ्तों में एयरपोर्ट 16 से ज्यादा घरेलू रूट जोड़ेगा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले चरण का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 28 मार्च को किया था। इस एयरपोर्ट को यात्रियों की सुविधा और टेक्नोलॉजी पर खास ध्यान देते हुए डिजाइन किया गया है। यहां मिलने वाली सुविधाओं में सेल्फ-चेक-इन कियोस्क, डिजीयात्रा सिस्टम के तहत बायोमेट्रिक बोर्डिंग, ऑटोमेटेड बैगेज ड्रॉप काउंटर और ज्यादातर पेपरलेस ट्रैवल प्रोसेस शामिल हैं, जिनका मकसद भीड़ और इंतज़ार के समय को कम करना है। रणनीतिक रूप से सही जगह पर स्थित यह एयरपोर्ट नोएडा से लगभग 40 किमी, ग्रेटर नोएडा से 28 किमी और नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से लगभग 72 किमी दूर है। इस लोकेशन की वजह से पश्चिमी उत्तर प्रदेश और एनसीआर इलाके के लाखों यात्रियों का यात्रा का समय काफी कम होने की उम्मीद है।

लॉटरी जीती तो बना करोड़पति फिर कानून आ गया आड़े

एजेंसी, रोम । इटली में रहने वाले 36 वर्षीय नाइजीरियाई नागरिक इमेग्वे एहिजोम्वेंगी की कहानी इन दिनों चर्चा का विषय बनी हुई है। एक लॉटरी टिकट ने उन्हें करोड़पति बना दिया, लेकिन कानूनी दस्तावेजों की कमी के कारण वह अपनी जीती हुई रकम तक नहीं पहुंच पा रहे थे। कई महीनों के संघर्ष के बाद अब उन्हें इटली का रेजिडेंस परमिट मिल गया है, जिसे वह लॉटरी की रकम से भी अधिक मूल्यवान मानते हैं। इमेग्वे वर्ष 2016 में नाइजीरिया से इटली पहुंचे थे। उनका सफर बेहद कठिन रहा। लीबिया के रास्ते यूरोप पहुंचने के दौरान उन्हें दो वर्षों तक बंधक बनाकर रखा गया था और फिरौती के बाद रिहाई मिली थी। इटली पहुंचने के बाद भी उनके सामने रोजी-रोटी का संकट बना रहा। वह ट्यूरिन शहर में एक सुपरमार्केट के बाहर रुमाल बेचकर और कभी-कभी भीख मांगकर अपना गुजारा करते थे। पिछले वर्ष अक्टूबर में उन्होंने 5 यूरो का एक स्क्रैचकार्ड लॉटरी टिकट खरीदा। किस्मत ने ऐसा पलटा खाया कि टिकट पर 5 लाख यूरो यानी लगभग 5.5 करोड़ रुपये का जैकपॉट निकल आया।

वैश्विक संकेतों, फेड निर्णय और कच्चे तेल के रुख से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

- विश्लेषकों की निगाहें महंगाई आंकड़ों, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की घोषणा और भू-राजनीतिक घटनाक्रम पर

एजेंसी, मुंबई

भारतीय शेयर बाजार की दिशा इस सप्ताह मुख्य रूप से वैश्विक संकेतों, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर संबंधी निर्णय और कच्चे तेल की कीमतों के रुख से निर्धारित होगी। विश्लेषकों का कहना है कि मई के महंगाई आंकड़े और अमेरिका-ईरान के बीच संभावित समझौते जैसे भू-राजनीतिक घटनाक्रम भी बाजार की धारणा को प्रभावित करेंगे। स्थानीय शेयर बाजार के लिए यह सप्ताह कई महत्वपूर्ण घटनाक्रमों से भरा रहने वाला है, जिनकी बदौलत बाजार की दिशा तय होगी। विश्लेषकों ने राय जताई है कि घरेलू स्तर पर मई माह के थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े महत्वपूर्ण रहेंगे। वैश्विक स्तर पर 16-17 जून को होने वाली अमेरिकी फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक और उसके निर्णय पर निवेशकों की करीबी नजर रहेगी। बाजार भागीदार फेडरल रिजर्व की टिप्पणियां, महंगाई के दृष्टिकोण, आर्थिक वृद्धि के अनुमान और भविष्य में ब्याज दरों में कटौती के संकेतों का विश्लेषण करेंगे। इसके अतिरिक्त अमेरिका और ईरान के बीच रविवार को संभावित शांति समझौता बाजार के लिए एक अहम भू-राजनीतिक घटनाक्रम होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने समझौते पर हस्ताक्षर और रणनीतिक महत्व वाले होर्मुज जलडमरूमध्य को सभी के लिए तुरंत खोलने की बात कही है, हालांकि असफल होने पर नए हमलों की संभावना का संकेत भी दिया है। इस समझौते की उम्मीदों से ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में पहले ही गिरावट आई है, जो भारत जैसे बड़े तेल आयातक देश के लिए एक अत्यंत सकारात्मक संकेत है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की गतिविधियां भी बाजार की दिशा तय करेंगी। जून के पहले पखवाड़े में एफपीआई भारतीय शेयरों से 62,853 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी कर चुके हैं। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार 2026 में अब तक एफपीआई भारतीय शेयर बाजार से कुल 2.87 लाख करोड़ रुपये निकाल चुके हैं, जो पूरे 2025 में निकाले गए 1.66 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक है। घरेलू मोर्चे पर मानसून की प्रगति भी निवेशकों की निगाहों में रहेगी।

क्रूड 87 डॉलर के पार, कई शहरों में बदले पेट्रोल-डीजल के दाम

- महानगरों में स्थिर रहीं कीमतें, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की तेजी का असर

एजेंसी, नई दिल्ली

सरकारी तेल कंपनियों ने शनिवार को पेट्रोल-डीजल की नई कीमतें जारी कीं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के 87 डॉलर प्रति बैरल पहुंचने के बाद देश के कई शहरों में ईंधन के दामों में बदलाव आया है। हालांकि, दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता जैसे चारों महानगरों में कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। तेल कंपनियों की घोषणा के अनुसार, गौतम बुद्ध नगर (नोएडा) में पेट्रोल 22 पैसे महंगा होकर 101.92 रुपये प्रति लीटर हो गया है, जबकि डीजल में 21 पैसे की बढ़त के साथ यह 95.37 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। इसी तरह, बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 11 पैसे चढ़कर 113.65 रुपये और डीजल 14 पैसे महंगा होकर 99.36 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। इसके विपरीत, हरियाणा के गुरुग्राम में उपभोक्ताओं को आंशिक राहत मिली है। यहां पेट्रोल 16 पैसे सस्ता होकर 102.77 रुपये प्रति लीटर और डीजल 14 पैसे की गिरावट के साथ 95.44 रुपये प्रति लीटर के भाव पर आ गया है। गौरतलब है कि पेट्रोल और डीजल की नई कीमतें रोजाना सुबह 6 बजे जारी की जाती हैं। इन दामों में एक्साइज ड्यूटी, डीलर कमीशन, वैट और अन्य शुल्कों को जोड़ने के बाद इनका अंतिम मूल्य मूल भाव से लगभग दोगुना हो जाता है।

टॉप 8 कंपनियों का मार्केट कैप 1.90 लाख करोड़ बढ़ा

- रिलायंस, एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल भी फायदे में, टीसीएस और एलआईसी को नुकसान

एजेंसी, नई दिल्ली

बीते सप्ताह शेयर बाजार में तेजी से शीर्ष 10 में से आठ मूल्यवान कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में कुल 1.90 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस दौरान आईसीआईसीआई बैंक को सबसे अधिक लाभ हुआ, जबकि सेंसेक्स 1.73 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। एनएसई निफ्टी भी एक प्रतिशत मजबूत हुआ। लाभ में रहने वाली कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो और हिंदुस्तान यूनिलीवर शामिल हैं। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन 56,223 करोड़ रुपये बढ़कर 9.61 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 38,571 करोड़ रुपये बढ़कर 11.89 लाख करोड़ रुपये रहा, वहीं भारतीय स्टेट बैंक का मूल्यांकन भी 36,137 करोड़ रुपये बढ़कर 9.38 लाख करोड़ रुपये हो गया। इसके विपरीत, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार पूंजीकरण 13,296 करोड़ रुपये घटकर 7.82 लाख करोड़ रुपये रह गया, और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का 822 करोड़ रुपये घटकर 5.05 लाख करोड़ रुपये पर आ गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही, जिसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल और आईसीआईसीआई बैंक जैसे दिग्गज शामिल रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोन: 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।